आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, मंगलवार
06 मई 2025
वर्षः 38, अंकः 154
पृष्ठः 12, मूल्यः 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

शिवराज ने की उत्तराखंड की खेती किसानी की समीक्षा

झारखंड

सीएम के विदेश दौरे में निवेश के लिए मिले नौ प्रस्तावः उद्योग सचिव

हज़ारीबाग

राष्ट्र निर्माण और व्यक्तिगत विकास में एनसीसी प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैः ब्रिगेडियर राजेश कारेल

साहिबगंज में नकाबपोश अपराधियों ने की दुकानदार की हत्या

क्राइम संवाददाता द्वारा

साहिबगंजः साहिबगंज शहर के कॉलेज रोड पर चैती दुर्गा स्थान से पहले स्थित इलेक्ट्रोनिक्स दुकान में घुसकर अपराधियों ने रविवार की शाम करीब 7.40 बजे दुकानदार संजीव कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डू (35) को गोली मार दी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अमित कुमार सिंह मौके पर पहुंच मामले की छानबीन की। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। आसपास के लोगों ने बताया कि दो युवक ग्राहक के रूप में पैदल ही दुकान में घुसे और बिल्कुल पास से सटाकर संजीव के सीने में गोली दाग कर मौके से चलते बने।

बताया जाता है कि एक अपराधी भगवा व दूसरा अपराधी काले रंग के गमछे से अपना चेहरा ढक रखा था। घटना के समय संजीव दुकान के काउंटर पर बैठक सामने खड़े दो ग्राहक को सिलिंग पंखा दिखा रहा था। इसी दौरान मुंह ढककर दो युवक आकर दुकान में पहले से खड़े दोनों ग्राहक के पास कुछ देर खड़ा रहा।

संजीव को लगा होगा कि शायद कोई ग्राहक सामान लेने आया होगा। पहले से खड़े दो ग्राहकों को पंखा दिखाने के क्रम में ही काला गमछे से मुंह ढके युवक ने कमर से कट्टा निकाल कर पास से संजीव के सीने में गोली दाग दी। उधर, आसपास के लोगों ने आनन-फानन में दुकानदार को सदर अस्पताल ले आया। अस्पताल में ड्यूटी पर रहे डॉक्टर चंदन कुमार ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया । परिजनों के अनुसार पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। इस बीच में एसपी अमित कुमार सिंह ने बताया कि घटना का सीसीटीवी फुटेज पर पुलिस आगे की तफ्तीश कर रही है। घटना की वजह अभी बहुत स्पष्ट नहीं है। दोनों अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

साहिबगंज। शहर के कॉलेज रोड पर चैती दुर्गा स्थान से पहले स्थित जीएस इलेक्ट्रोनिक्स दुकान में रविवार को सरेशाम दो अपराधियों ने घुसकर दुकानदार संजीव कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डू की हत्या कर सनसनी फैला दी है। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्ट्या दोनों अपराधियों सुनियोजित ढंग से वारदात को अंजाम दिया है। हालांकि पुलिस के मुताबिक घटना की वजह क्या है यह अब तक साफ नहीं हो सका है। दोनों अपराधी कौन है और कहां से आया था पुलिस इसका पता लगाने के लिए दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है।

पुलिस के मुताबिक पूरी घटनासीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज को देखने से एक बात साफ पता चल रहा है कि दोनों अपराधकर्मी संजीव की हत्या के इरादे से ही दुकान में आया था। बिना कोई बात किए सीधे कमर से कट्टा निकाल कर पास से गोली मारने के बाद मौके से भाग निकला है। इधर,परिजनों के अनुसार संजीव का किसी के साथ कोई विवाद नहीं था। वह बेहद मिलनसार स्वभाव का युवक था। फिर कौन इस तरह की घटना को अंजाम दे सकता है। घटना से आसपास के दुकानदारों में भय का माहौल है। एसपी अमित कुमार सिंह ने बताया कि अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

- अपराधियों ने दुकान में घुसकर इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानदार को मारी गोली
- बाइक से आए नकाबपोश अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वारदात को अंजाम देने के लिए दोनों अपराधकर्मी बाइक पर सवार होकर आए थे। समझा जा रहा है कि बाइक को संजीव की दुकान से थोड़ी दूर पहले खड़ा कर पैदल ही दुकान तक वारदात को अंजाम देने के लिए पहुंचा था। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी बाइक से फरार हो गए। इधर,घटना की सूचना मिलते ही नगर व जिरवाबाड़ी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

कॉलेज रोड स्थित जेएस इलेक्ट्रॉनिक दुकान घटनास्थल से सदर अस्पताल लाने के क्रम में ही संजीव कुमार गुप्ता ने दमतोड़ दिया था। अस्पताल के डॉक्टर के मुताबिक गोली संजीव के सीने में बाएं तरफ पास से गोली मारी गई थी। डॉक्टर ने बताया कि गोली सीने में आरपार हो गई थी। अत्यधिक रक्तस्राव हो जाना भी उसकी मौत की एक प्रमुख वजह माना जा रहा है।

अपराधियों के सुराग के लिए पुलिस संजीव के दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है। पुलिस को सीसीटीवी से दोनों अपराधियों के हुलिया का पता चल गया है। पुलिस अपराधियों के भागने के रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों के भी फुटेज को खंगाल रही है। इस मामले में हाल ही में जेल से छुटे एक अपराधी पर पुलिस को शक है। पुलिस फिलहाल उसकी कुंडली खंगाल रही है।

अपने पीछे पत्नी के अलावा सात साल की पुत्री व चार साल का पुत्र छोड़ गया है। जानकार के मुताबिक मृतक संजीव कुमार उर्फ गुड्डू अपने पीछे सात साल की पुत्री व एक चार साल का पुत्र छोड़ गया। आसपास के लोगों के अनुसार मृतक मिलनसार युवक था। घर में कमाने वाले एक मात्र सदस्य संजीव ही था। संजीव घर का अकेला बेटा था। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर हाल बुरा है।

आसपास के लोगों ने बताया कि घटना से ठीक 10 मिनट पहले संजीव अपनी पुत्री के लिए पास के ही मेडिकल शॉप से कुछ दवा खरीदा था। वहां से संजीव सीधे अपनी दुकान आ गया। जैसे ही वह दुकान में बैठा , इसी बीच दो ग्राहक आ गया और पंखा दिखाने को कहा। इसबीच पीछे से चेहरा ढके दो अपराधी भी दुकान में आ धमके और कुछ देर बाद गोली मार दी

राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार व पुलिस प्रशासन को आड़े हाथों लिया. उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा कि साहेबगंज में सरेशाम आपराधियों का तांडव देखने को मिल रहा है. मुख्य बाजार में पेशेवर तरीके से अपराधियों ने युवा व्यवसायी की निर्मम हत्या गोली मारकर कर दी.

सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए उन्होंने लिखा कि इस घटना से आपके जिले में अपराधियों के मनोबल का अंदाजा लगाया ज सकता है. उन्होंने अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट में डीजीपी नियुक्ति के मामले पर सुनवाई अब बाद में होगी

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

रांचीः आइपीएस अनुराग गुप्ता को डीजीपी पद पर नियुक्ति के मामले में दायर अवमानना याचिका पर अब 6 मई को सुनवाई नहीं होगी. सुप्रीम कोर्ट द्वारा 6 मई के लिए जारी Cause list में इस अवमानना याचिका को शामिल नहीं किया गया है. सरकार की ओर से भी शपथ पत्र दायर नहीं किया गया है.

राज्य के ब्यूरोक्रेट्स सहित राजनीतिज्ञों और पुलिस विभाग के करीब 50 हजार कनीय पदाधिकारी व पुलिसकर्मियों की नजर इस मामले की सुनवाई पर टिकी हुई है. क्योंकि डीजीपी की नियुक्ति पर उभरे विवाद का निपटारा इस अवमानना याचिका के सहारे होने की उम्मीद जतायी जा रही थी.

अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद पर नियुक्ति के बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गयी थी. इसमें मुख्य सचिव, डीजीपी अनुराग गुप्ता, डीजीपी की नियुक्ति के लिए गठित चयन समिति के सदस्यों को प्रतिवादी बनाया गया है.

याचिका में यह कहा गया कि प्रकाश सिंह बनाम केंद्र सरकार व अन्य के इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने डीजीपी की नियुक्ति के लिए दिशा निर्देश जारी किया है. अनुराग गुप्ता की नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के विपरीत की गयी है. इसलिए नियुक्ति के इस मामले में प्रतिवादी बनाये गये लोगों के खिलाफ न्यायालय की अवमानना के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए. साथ ही अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद से हटाया जाना चाहिए.

25 मार्च को इस याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष पेश करने का निर्देश दिया था. न्यायालय ने मई महीने के पहले सप्ताह में अवमानना याचिका का सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया था.

न्यायालय द्वारा जारी इस निर्देश और Computer generated आंकड़ों के अनुसार अवमानना याचिका की सुनवाई छह मई को होने की संभावना थी. लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा छह मई के लिए जारी Cause list में इसे शामिल नहीं किया गया है. राज्य सरकार ने भी अवमानना के इस मामले में पांच मई तक शपथ पत्र दायर नहीं किया है.

डीजीपी की नियुक्ति के मामले में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच उभरे विवाद की वजह से राज्य के ब्यूरोक्रेट्स और राजनीतिज्ञों की नजर अवमानना याचिका की सुनवाई पर टिकी हुई है. केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को पत्र भेज कर अनुराग गुप्ता को 30 अप्रैल 2025 को रिटायर कराने का निर्देश दिया था.

केंद्र ने अपने पत्र में यह भी कहा था कि ऑल इंडिया सर्विस रूल के हिसाब से अधिकारियों के रिटायरमेंट के लिए 60 साल की उम्र सीमा निर्धारित है. केंद्र सरकार ने अनुराग गुप्ता को सेवा विस्तार नहीं दिया है. केंद्र सरकार ने अपने पत्र में राज्य सरकार द्वारा डीजीपी नियुक्ति के लिए बनाये गये नियम को भी गलत करार दिया था.

दूसरी तरफ राज्य सरकार ने केंद्र के दिशा निर्देशों पर असहमति जताते हुए अपनी राय केंद्र सरकार को भेज दी थी. इसमें राज्य सरकार ने डीजीपी की नियुक्ति और इससे संबंधित नियम को सही करार दिया था. पत्र मिलने के बाद केंद्र ने राज्य सरकार को फिर से पत्र भेज कर डीजीपी के रिटायरमेंट की बात दोहराई है.

जेएमएम कार्यकारिणी समिति की घोषणा, कल्पना सोरेन को मिली ये जिम्मेदारी

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा के 13वें राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद पार्टी की ओर से नई केंद्रीय कार्यकारिणी समिति की घोषणा कर दी है। शिबू सोरेन पार्टी के संस्थापक संस्थापक संरक्षक है। केंद्रीय अधिवेशन में हेमंत सोरेन को पार्टी की कमान सौंपी गई है। जेएमएम के केंद्रीय अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत सोरेन ने अपनी नई टीम की घोषणा कर दी गई। नई कार्यकारिणी में नलिन सोरेन, स्टीफन मरांडी, रूपी सोरेन समेत आठ नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं संगठन में विनोद कुमार पांडेय का एक बढ़ गया है। उन्हें केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता के अलावा केंद्रीय कोषाध्यक्ष पद की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुप्रियो भट्टाचार्य और फागू बेसरा को पार्टी का महासचिव बनाया गया है।

केंद्रीय कार्यकारिणी में कल्पना सोरेन की एंट्री : जबकि हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ दुमका विधायक बसंत सोरेन को कार्यकारिणी में जगह दी गई है। केंद्रीय कार्यकारिणी में पहली बार कल्पना सोरेन की एंट्री

हुई है। कल्पना सोरेन समेत केंद्रीय कार्यकारिणी में 63 लोगों को जगह दी गई है।

आठ उपाध्यक्ष और 5 महासचिव बनाए गए : जेएमएम केंद्रीय कार्यकारिणी समिति में आठ उपाध्यक्ष और पांच महासचिव बनाए गए। सांसद नलिन सोरेन, विधायक स्टीफन मरांडी, शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन, विधायक सविता महतो, राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, पूर्व विधायक बैद्यनाथ राम और मंत्री रामदास सोरेन को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं विनोद कुमार पांडेय, फागु बेसरा, सुप्रियो भट्टाचार्य, जोबा मांझी और मिथिलेश कुमार ठाकुर को महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विनोद कुमार पांडेय और सुप्रियो भट्टाचार्य को महासचिव के साथ प्रवक्ता भी बनाया गया है।

नई कार्यकारिणी में चार सचिव और तीन प्रवक्ता : जेएमएम की नई कमेटी में चार सचिव और तीन प्रवक्ता बनाए गए। नंदकिशोर मेहता, अभिषेक प्रसाद पिंटू, पंकज मिश्रा और समीर मोहंती को सचिव बनाया गया है। हेमलाल मुर्मू, कुणाल षाड़ंगी और मनोज कुमार पांडेय को प्रवक्ता बनाया गया है।

40 नेताओं को केंद्रीय कार्यसमिति में मिला स्थान : जेएमएम की ओर से केंद्रीय कार्यसमिति में 40 नेताओं को शामिल किया गया है। इनमें कई विधायक और मंत्री के अलावा विधानसभा अध्यक्ष भी शामिल है। मंत्री दीपक बिरुआ, सुदिव्य कुमार सोनू, चमरा लिंडा और योगेंद्र महतो को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा राजमहल के सांसद विजय हांसदा और राज्यसभा सदस्य महुआ माजी के अलावा स्पीकर रबिंद्रनाथ महतो को सदस्य बनाया गया है। वहीं मोहन कर्मकार, संजीव बेदिया, डॉ. कमल नयन सिंह, विधायक निरल पूर्ति, दशरथ गगराई, बसंत सोरेन, हफिजुल हसन, सुमन महतो को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

जेएमएम की ओर से केंद्रीय कार्यसमिति में वरिष्ठ नेता निजामुद्दीन अंसारी, सुखराम उरांव, भूषण तिर्की, मंगल कालिंदी, जिगा सुसरण होरो, विकास सिंह मुंडा, संजीव सरदार, राजु गिरी और गणेश चौधरी को शामिल किया गया है। वहीं विधायक एमटी राजा, धनजंय सोरेन, आलोक सोरेन, डॉ. लुईस मरांडी, उदय शंकर सिंह, कल्पना मुर्मू सोरेन, उमाकांत रजक, जगत मांझी, सुदीप गुड़िया, रामसूर्य मुंडा, अमित महतो, अनंत प्रताप देव, अंजनी सोरेन, पटवारी हांसदा, परेश मरांडी और बिट्टु मुर्मू को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट के रवैये पर जतायी नाराजगी

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट के रवैये पर आश्चर्य जताया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि यह परेशान करने वाला है। ऐसा होने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट से उन मामलों पर एक महीने में रिपोर्ट पेश करने को कहा है जिनमें फैसले लंबित हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि झारखंड हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखने के बाद 67 आपराधिक अपीलों पर फैसला नहीं सुनाया है। शीर्ष कोर्ट ने सभी उच्च न्यायालयों से उन मामलों पर एक महीने में रिपोर्ट पेश करने को कहा है जिनमें निर्णय लंबित हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस घटनाक्रम को परेशान करने वाला करार दिया। कहा कि वह इस मुद्दे पर कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश बनाएगी। पीठ ने कहा कि ऐसा होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने सभी उच्च न्यायालयों से चार सप्ताह में उन मामलों पर रिपोर्ट मांगी है जिनमें 31 जनवरी 2025 या उससे पहले फैसला सुरक्षित रखा गया है, लेकिन आज तक सुनाया नहीं गया है।

शीर्ष अदालत ने झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह निर्देश पारित किया। दायर रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी 2022 से दिसंबर 2024 तक खंडपीठ द्वारा सुनी गई 56 आपराधिक अपीलों में आदेश सुरक्षित रखे जाने के बावजूद फैसला नहीं सुनाया गया है। इसने यह भी उल्लेख किया कि एकल पीठ के न्यायाधीश के समक्ष आदेश सुरक्षित रखे जाने के बावजूद 11 आपराधिक अपीलों में फैसला नहीं सुनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट आजीवन कारावास की सजा काट रहे चार दोषियों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इन दोषियों ने वकील फौजिया शकील के माध्यम से याचिका दायर कर दावा किया है कि झारखंड हाई कोर्ट ने 2022 में दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील पर आदेश सुरक्षित रख लिया था, लेकिन फैसला नहीं सुनाया। इसके कारण वे छूट का लाभ लेने में सक्षम नहीं हैं।

सविधान बचाओ रैली को विजय सभा के रूप में मनाएगी कांगेसः अध्यक्ष

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांचीः मंगलवार 6 मई को रांची के ओल्ड विधानसभा मैदान में कांग्रेस की राज्य स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन होना है. कांग्रेस पार्टी ने इसे विजय सभा के रूप में मनाने का फैसला लिया है. सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के प्रदेश प्रभारी के राजू, सह प्रभारी श्री बेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, एआईसीसी के प्रशासक गुरदीप सिंह सप्पल व अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की.

इस दौरान केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराने के लिए तैयार होने को कांग्रेस पार्टी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के संघर्ष की जीत बताई. साथ ही बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दबाव में आकर जातीय जनगणना कराने के लिए यू-टर्न लिया है. इसलिए कांग्रेस पार्टी इस मांग पर जीत होने पर विजय सभा के रूप में संविधान बचाओ रैली करेगी. कांग्रेस अगले एक सप्ताह तक जिला स्तर पर इसी तरह के कार्यक्रम करेगी.

प्रदेश प्रभारी के राजू ने कहा कि संसद में जातीय जनगणना की मांग करने वालों को बीजेपी के सांसद अर्बन नक्सल कहते थे. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला लेना कांग्रेस और विपक्ष का दबाव ही है. के राजू ने कहा कि अब हमारी मांग है कि तेलंगाना के तर्ज पर देशभर में जातीय जनगणना कराई जाए. क्योंकि तेलंगाना में जो जातीय जनगणना की गई है, उसमें बहुत सारा इन्फॉर्मेशन एकत्रित किया गया है.

इन तीन मांग के लिए संघर्ष तेज करेगी कांग्रेसः के राजू

प्रदेश प्रभारी के राजू ने कहा कि अब पार्टी जनसरोकार के तीन मांगों को लेकर जनता के बीच जाएगी और केंद्र की मोदी सरकार पर दबाव बनाएगी.आरक्षण में 50 प्रतिशत की सीलिंग हटाने की मांग. इसके लिए AICC ने प्रस्ताव भी पास किया है

नेशनल बजट के एलोकेशन में SC/ST के लिए बजट कम किया जा रहा है, उसे बढ़ाया जाए और पॉपुलेशन के आधार पर बजट होसभी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी युवाओं को प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण दिया जाए

के राजू ने बताया कि 2006 में यूपीए की सरकार ने संविधान के आर्टिकल 15(5) में इसका प्रावधान भी किया है. उन्होंने कहा कि सरकारी में तो लाभ मिल रहा है, लेकिन निजी संस्थान में आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है. के राजू ने कहा कि पब्लिक को न्याय दिलवाने के लिए संविधान का जीवित होना जरूरी है. लेकिन भाजपा, आरएसएस संविधान खत्म करने की कोशिश कर रही है. जिसका विरोध कांग्रेस पार्टी करेगी.

पीएम मोदी के इस यूटर्न का स्वागत करते हैंः गुरदीप सिंह सप्पल

AICC के प्रशासक गुरदीप सिंह सप्पल ने कहा कि राहुल गांधी को धन्यवाद देना इसलिए बनता है, क्योंकि जातीय जनगणना के चैंपियन राहुल गांधी ही हैं. गुरदीप सप्पल ने कहा कि रहुल गांधी ने कहा था कि उनके जीवन का मिशन यही है.

उन्होंने कहा कि 2021 के चिंतन शिविर में पहली बार जातीय जनगणना का फैसला लिया गया था कि इसके लिए निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे. सप्पल ने कहा कि केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना न करवाने को लेकर कोर्ट में एफिडेविट लिखकर दिया था. उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार की जातीय जनगणना से जुड़ी जानकारी और डाटा मोदी सरकार से साझा करने को तैयार हैं.

ये बड़े नेता रैली में होंगे शामिल ्प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया मंगलवार की रैली के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव केसी वेणुगोपाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी के राजू, गुरदीप सप्पल, श्रीबेला प्रसाद आदि शामिल होंगे.

उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना की घोषणा सिर्फ हेडलाइन बनकर न रहे, बल्कि इसका डेडलाइन भी तय हो. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मंगलवार की रैली के बाद झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विस्तारित बैठक होगी. जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल होंगे.

पुलिस से बचने के लिए बांग्लादेशी बने ट्रांसजेंडर, चार गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की फॉरेंसी सेल की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आजादपुर सब्जी मंडी इलाके से चार अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी संदिग्ध अपने को ट्रांसजेंडर बताकर दिल्ली की सड़कों पर भीख मांगने और अन्य गतिविधियों में संलिप्त थे। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ अवैध बांग्लादेशी नागरिक ट्रांसजेंडर के रूप में पहचान छुपाकर दिल्ली में सक्रिय हैं। सूचना को पुख्ता कर जिले की फॉरेंसी सेल ने महेन्द्रा पार्क थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। इंस्पेक्टर विपिन कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया और आजादपुर सब्जी मंडी के पास से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। इन मोबाइल फोन में प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में घुसे थे। उन्होंने अपनी पहचान छुपाने के हार्मोनल इंजेक्शन और मामूली सर्जरी करवाई थी। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अरमान उर्फ ईशा (21), आरिफ उर्फ शिल्पा (26), जाहिद उर्फ मौसमी (21), और बाबुल उर्फ पाखी (40) के रूप में हुई है।

आतंकवादियों को सरकार ऐसा जवाब देगी कि उनकी आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगीः कुलजीत चहल

नई दिल्ली। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवाद के खिलाफ हमेशा कड़ा जवाब देती है और पाकिस्तान को इस बार भी करारा जवाब दिया जाएगा। देश के लोग जो चाहते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुश्मनों को उसी भाषा में जवाब देंगे। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इस बयान पर कुलजीत चहल ने कहा कि पाकिस्तान ने जो गलती की है, उसकी कीमत उसे चुकानी पड़ेगी। एक बड़ा कदम उठाया जाएगा, जिसे देश और दुनिया देखेगी। और जो आतंकवादी हैं या आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें ऐसा जवाब मिलेगा कि उनकी आने वाली पीढ़ियां भी इसे याद रखेंगी।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जैसा आप चाहते हैं, वैसा होकर रहेगा। देश के लोग जो चाहते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुश्मनों को उसी भाषा में जवाब देंगे।

'वक्फ' पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद बोले, 'सुप्रीम कोर्ट के पास शक्ति है कि वह कानून की समीक्षा कर सकता है'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर फिर से सुनवाई करेगा। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास शक्ति है कि वह कानून का रिव्यू कर सकता है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने ये बात करते हुए कहा, हम वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए हैं और हमारी तरफ से एक एफिडेविट भी दाखिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई है और सरकार की तरफ से भी हलफनामा दाखिल किया गया है, जो झूठ है और सरकार यह भी कह रही है कि इस कानून को रोक नहीं सकते। मैं बता देना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट को पावर है कि वह कानून का रिव्यू कर सकता है। साथ ही वह उस पर रोक भी लगा सकता है।उन्होंने आगे कहा, सरकार झूठ बोल रही है और गलत बयानी कर रही है। वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण सरकार का है और यह कभी सरकार से ऊपर नहीं रहा है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या लोकतंत्र में तानाशाही चल रही है, जो भी बना दिया जाएगा, उसे खुदा का आदेश माना जाएगा? सुप्रीम कोर्ट को यह हक है कि वह कानून का रिव्यू करे, अगर सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि यह सही है तो सरकार कैसे कह सकती है कि इस कानून को रोक नहीं सकते।

पाकिस्तान से तनाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी और वायुसेना प्रमुख के बीच हुई महत्वपूर्ण मुलाकात

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह रविवार दोपहर को प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट तक प्रधानमंत्री से मुलाकात कर उन्हें महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। इससे पहलेनौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। मौजूदा समय में यह मुलाकातें काफी अहम हैं। खास तौर पर यह तब और भी अहम हो जाती है जब पाकिस्तान बीते 10 दिनों से नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद से सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर शिकंजा कसा हुआ है। इस आतंकवादी हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान के लिए संघ और संस्कृत भारती ने एक मजबूत अभियान शुरू किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी भाषा का विरोध नहीं करती, बल्कि सभी भाषाओं को सशक्त बनाना चाहती है। यह बातें शाह ने संस्कृत भारती द्वारा आयोजित 1008 संभाषण शिविरों के समापन समारोह में कही। अमित शाह ने कहा कि संस्कृत अधिकांश भारतीय भाषाओं की जननी है। यदि संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। नई शिक्षा नीति में भी संस्कृत के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। शाह ने कहा कि संस्कृत के अमृत ज्ञान को सरल भाषा में दुनिया तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने सभी से अपील की कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सहयोग करें। उन्होंने

बताया कि सरकार ने पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटाइजेशन के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में हजारों लोगों ने भाग लिया, जो मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत को कठिन मान लिया गया है, जबकि यह सबसे वैज्ञानिक भाषा है। आज दुनिया के 60 विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जा रही है। संस्कृत की उपयोगिताओं को देखते हुए संस्कृत भारती ने दिल्ली के लोगों को संस्कृत बोलने का विशाल प्रशिक्षण शिविर चलाया। दिल्ली के सभी जिलों में 1008 स्थानों पर 23 अप्रैल से 03 मई तक संस्कृत संभाषण शिविरों का संचालन किया। दस दिनों तक रोजाना दो घंटे व्यवहारिक तरीकों से संस्कृत बोलना सिखाया गया। शिविरों के जरिए करीब 20 हजार प्रतिभागियों ने लिया। संस्कृत बोलना सीखने को लेकर प्रतिभागियों में उत्साह रहा। विभिन्न उम्र वर्ग के प्रतिभागी बच्चे, बड़े, बुजुर्ग, नौकरीशुदा, व्यापारी व गृहणियों ने संस्कृत बोलने का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण की खास बात यह रही कि दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के शिक्षकों ने प्रतिभागियों को संस्कृत का व्यवहारिक ज्ञान दिया और उनकी शंकाओं का समाधान किया।

एनडीएमसी प्रतिदिन एक घंटे का मेगा स्वच्छता अभियान- 'श्रमदान' चलाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपने सभी 14 स्वच्छता सर्किलों में 'श्रमदान' के रूप में नई दिल्ली क्षेत्र में एक मेगा स्वच्छता अभियान शुरू करने जा रही है। इस पहल में एनडीएमसी के हर विभाग के सभी कर्मचारी शामिल होंगे, जो प्रतिदिन सुबह 8:00 से 9:00 बजे तक भाग लेंगे और इसमें उत्साही आम जनता और क्षेत्रीय निवासी भी शामिल होंगे। एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्र के अनुसार यह केवल एक अभियान नहीं है। यह पूरे शहर में बदलाव का प्रयास है। इसमें प्रत्येक कर्मचारी और प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। सभी कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन केवल एक घंटा देने और हमारे नोडल अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से, यह परिवर्तन स्पष्ट, प्रभावशाली और स्थायी महत्व का होगा। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व नागरिक पहल पहली बार की जा रही है, जब एनडीएमसी का प्रत्येक कर्मचारी नियमित कार्यालय कार्य शुरू करने से पहले एक घंटे की फील्ड में सफाई के प्रयास में शामिल होगा। जिससे अब यह प्रयास एनडीएमसी द्वारा अब तक चलाए गए सबसे बड़े नागरिक स्वच्छता अभियानों में से एक बन जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि श्रमदान अभियान के कुशल क्रियान्वयन और इसमें जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, 14 विभागाध्यक्षों को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। जिनमें से प्रत्येक एक स्वच्छता सर्कल के लिए जिम्मेदार है। ये अधिकारी सभी फील्ड गतिविधियों का समन्वय करेंगे, कर्मचारियों की तैनाती की निगरानी करेंगे। स्वच्छता प्रयासों की निगरानी करेंगे और फील्ड में दैनिक रिपोर्टिंग और अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। इस अभियान के लिए संसाधन जुटाने और रसद के रूप में एनडीएमसी ने स्वच्छता उपयोगी और सूचना, शिक्षा, संचार सामग्री की व्यापक आपूर्ति की व्यवस्था भी की है।

'दूसरी FIR दर्ज करने की जरूरत नहीं', बदलापुर एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बदलापुर एनकाउंटर मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत दी। पीठ ने बदलापुर एनकाउंटर मामले में कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल, पिछले साल ठाणे जिले के बदलापुर में नाबालिग मासूम बच्ची का यौन शोषण किया गया था। इसके बाद आरोपी अक्षय शिंदे को 23 सितंबर 2024 को पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। इस मामले को लेकर अक्षय शिंदे के परिवार की तरफ से बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई और उन्होंने ठाणे पुलिस पर फर्जी एनकाउंटर का आरोप लगाया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान प्राथमिक तौर पर इस एनकाउंटर को संदिग्ध मानते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

इसके साथ ही पिछले हफ्ते कोर्ट ने ठाणे पुलिस कमिश्नर को फटकार लगाते हुए 4 घंटे में इसका जवाब

मांगा था। इस मामले को लेकर राज्य सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया। अदालत ने सोमवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और ठाणे पुलिस को बड़ी राहत दी।

अदालत ने कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि इसकी जांच की जा सकती है, लेकिन दूसरी एफआईआर दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है। बता दें कि सफाई कर्मचारी अक्षय शिंदे पर दो नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। बाद में शिंदे पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। जानकारी के अनुसार, अक्षय शिंदे को तलोजा जेल से बदलापुर स्थानांतरित किया जा रहा था। इसी दौरान कथित तौर पर उसने एक पुलिसकर्मी से हथियार छीनकर गोली चला दी थी। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया था और बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

देश के कई राज्यों में आठ मई तक आंधी-तूफान और बरसात का पूर्वानुमान, ओडिशा के लिए आज का दिन भारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में आगामी 08 मई तक आंधी-तूफान, बारिश, ओलावृष्टि और आसमानी बिजली गिरने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी डॉ. संजीव द्विवेदी ने कहा कि आज ओडिशा में भारी बरसात हो सकती है। इसकी चेतावनी पहले ही जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस चेतावनी के दायरे में ओडिशा के मयूरभंज, क्योंझर, बालासोर, भद्रक और गजपति जिला शामिल हैं। इस दौरान ओलावृष्टि भी हो सकती है। कल भी ऐसा ही मौसम रह सकता है। 07-08 मई को हलकी बारिश होने का पूर्वानुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि ओडिशा, पश्चिम बंगाल के गंगा के तटवर्ती इलाकों के साथ ही देश के पूर्व मध्य और पूर्वी इलाकों में गरज के साथ वर्षा की मौजूदा गतिविधियों में सात मई के बाद से कुछ कमी आ सकती है। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच पिछले 24 घंटों में कई जगह तेज बारिश के साथ ओले गिरे हैं। चंबा जिले के चेली गांव के डोंडरा नाला में शनिवार रात बादल फटने से एक बुजुर्ग नाले में बह गया। उसका शव बरामद कर लिया गया है। सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान, मध्य भारत, ओडिशा और झारखंड में कुछ स्थानों पर 70-100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलीं और कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी आई। गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान में भी 40-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। पश्चिम बंगाल के गंगा के तट वाले इलाकों, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, तमिलनाडु पुडुचेरी, केरल , उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर आंधी-तूफान का असर रहा। उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। ओडिशा और मेघालय में कई जगह भारी वर्षा हुई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब और उत्तर-पश्चिम राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। इसके प्रभाव से 10 मई तक जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश में तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान राजस्थान में भी छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

राहुल गांधी हिंदू हैं या नहीं, इसका निर्णय शंकराचार्य करेंगे - आचार्य प्रमोद कृष्णम

एजेंसी

गाजियाबाद। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के राहुल गांधी पर दिए गए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को हिंदू धर्म से निष्कासित करने को लेकर बयान दिया था। इस मामले पर कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी के हिंदू होने या न होने का निर्णय केवल शंकराचार्य जी ही ले सकते हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, राहुल गांधी हिंदू हैं या नहीं, इसका निर्णय शंकराचार्य जी करेंगे और यह निर्णय शंकराचार्य जी ही कर सकते हैं। मैं शंकराचार्य जी के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन जहां तक मंदिर जाने की बात है, मंदिर भगवान के द्वार हैं और भगवान के द्वार पर कोई भी जा

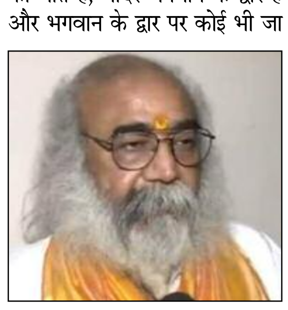

सकता है। भगवान के द्वार पर वो भी आ सकता है, जो भगवान को नहीं मानता है। राहुल गांधी को मंदिर जाने से रोकने वाले बयान का मैं समर्थन नहीं करता। उन्होंने सनातन धर्म की उदारता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदू धर्म में किसी भी समुदाय के व्यक्ति, चाहे वह मुस्लिम हो या ईसाई, मंदिर में दर्शन के लिए जा सकता है। यह सनातन धर्म की 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को दर्शाता है। यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बयान को लेकर भी आचार्य प्रमोद ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह बयान अजय राय का नहीं, बल्कि राहुल गांधी का है। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान का अपमान करना, संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाना और भारत के शौर्य को कलंकित करना राहुल गांधी का स्वभाव बन चुका है। आचार्य प्रमोद ने कहा, अजय राय में इतनी हिम्मत नहीं कि वह स्वतंत्र रूप से ऐसा बयान दे सकें। यह बयान राहुल गांधी ने बुलवाया होगा। इस तरह के बयान कांग्रेस की कार्यशैली का हिस्सा हैं। राहुल गांधी के ब्राउन यूनिवर्सिटी में दिए गए बयान को लेकर भी आचार्य प्रमोद ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी न तो 'राम-राम' बोलते हैं, न 'जय श्री कृष्ण' कहते हैं, न 'वंदे मातरम' का उच्चारण करते हैं और न ही 'जय श्री राम' का नारा लगाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी हमेशा से भगवान राम को काल्पनिक मानते रहे हैं।

पाकिस्तान के मुद्दे पर आचार्य प्रमोद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

बाइक सवार बदमाशों ने युवक को मारी गोली, नाबालिग समेत दो को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के तिलक मार्ग स्थित भैरों मंदिर के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल को राहगीरों ने तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं अस्पताल से मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज किया।जांच में घायल की पहचान आरके सिंह के रूप में हुई। उनकी चांदनी चौक स्थित तिलक बाजार में परफ्यूम की दुकान है। उन्होंने बताया कि उनके पास घटना के समय ज्यादा नकद नहीं था और घटना के दौरान कोई लूटपाट नहीं हुई। नई दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश मेहला ने बताया कि दो 2 मई की रात करीब 10 बजे सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल व्यक्ति की पहचान आर. के. सिंह के रूप में हुई। पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि रात करीब नौ बजे वह भैरों मंदिर के पास थे, तभी बाइक सवार कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर फायरिंग की।

डीसीपी के अनुसार घटना को गंभीरता से लेते हुए तिलक मार्ग थाने में हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपियों की पहचान कर एक नाबालिग समेत दो लोगों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपित की पहचान प्रशांत उर्फ गोविंद (21) के रूप में हुई है और दूसरा नाबालिग है ।

दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र 13-14 मई को, सीएम रेखा गुप्ता ने विधायकों के साथ की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली, । दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। सरकार ने 13 और 14 मई को विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का फैसला किया है। बैठक में सत्र के दौरान संभावित विधेयकों और विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के बाद भाजपा विधायक शिखा राय ने बताया कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने सरकार की मौजूदा और आगामी योजनाओं पर चर्चा की। इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और जनता तक उनका लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। विशेष रूप से, 20 दिवसीय स्वच्छता अभियान की शुरुआत होने वाली है, जिसमें सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए निर्देश दिए गए हैं। शिखा राय ने कहा कि इस अभियान के जरिए दिल्ली को स्वच्छ बनाने का वादा पूरा किया जाएगा।भाजपा विधायक रविंदर सिंह नेगी ने बताया कि इस सत्र में दिल्ली के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होगी। इनमें शिक्षा से संबंधित विधेयक और मानसून के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से निपटने के लिए प्रस्ताव शामिल हो

सकते हैं। हालांकि, विधेयकों का विस्तृत ब्यौरा अभी सामने नहीं आया है, लेकिन सत्र की तारीखें 13 और 14 मई तय की गई हैं। भाजपा विधायक ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि बैठक में मानसून की तैयारियों, नालों से गाद निकालने, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, टेंडर माफिया को खत्म करने और पानी की उचित व्यवस्था जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकें सरकार और विधायकों के बीच समन्वय के लिए नियमित रूप से आयोजित होती हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह बैठक विशेष सत्र की तैयारियों और जनता के मुद्दों को सुलझाने के लिए थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी विधायक अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाएंगे और उनका समाधान निकालेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार जनता के लिए सप्ताह में सातों दिन-चौबीसों घंटे काम कर रही है। चाहे मौसम, सड़कों की स्थिति या जलभराव की समस्या हो, हर क्षेत्र में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हाल की रिकॉर्ड बारिश के बावजूद जलभराव की स्थिति को एक घंटे में नियंत्रित कर लिया गया। सीएम ने कहा कि 27 साल के बैकलॉग को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और सचिवालय हर दिन जनता की सेवा के लिए खुला रहता है।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष ने बंगाली मार्केट में रात के विशेष सफाई अभियान का नेतृत्व किया

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने विकसित एनडीएमसी 2047 मिशन के तहत रात के समय बंगाली मार्केट में विशेष सफाई अभियान चलाया। इस चौथे चरण के अभियान का नेतृत्व एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने किया।इससे पूर्व एनडीएमसी द्वारा खान मार्केट, जनपथ और सरोजिनी नगर जैसे प्रमुख बाजारों में भी इसी प्रकार के रात्रिकालीन सफाई अभियान सफलता पूर्वक चलाए जा चुके हैं।एनडीएमसी अब इन सभी व्यस्त बाजारों में हर रात नियमित रूप से गीली सफाई की व्यवस्था लागू कर रहा है। बंगाली मार्केट में हुए इस अभियान में बंगाली मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के मुकेश गुप्ता-प्रेसिडेंट और प्रमोद गुप्ता-सेक्रेटरी के साथ स्थानीय दुकानदारों, स्वास्थ्य और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सफाई कर्मचारी शामिल हुए।अभियान के दौरान रात 11 बजे से पहले सूखी सफाई और फिर हाई-प्रेशर जेट मशीनों की मदद से सड़कों, नालियों व फुटपाथों की गीली सफाई की गई। एनडीएमसी की

14 सदस्यीय टीम ने सफाई सैनिकों व निरीक्षकों के साथ मिलकर इस कार्य को पूर्ण किया । चहल ने कहा कि रात्रिकालीन सफाई अभियान में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए परिषद द्वारा मैकेनिकल रोड स्वीपर, जेट स्प्रेयर जैसी आधुनिक सफाई मशीनें खरीदी जा रही हैं, ताकि इस मॉडल को अन्य प्रमुख बाजारों और परिषद की आवासीय कॉलोनियों में भी शीघ्रता से लागू किया जा सके।

शहजाद पूनावाला का आरजेडी पर निशाना, कहा- 'इंडी अलायंस अब रावलपिंडी अलायंस बन चुका है'

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्जिकल स्ट्राइक पर आरजेडी नेताओं की ओर से सवाल खड़े करने पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह इंडी अलायंस नहीं बल्कि रावलपिंडी अलायंस बन गया है। सोमवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इंडी अलायंस के अंदर यह होड़ लग गई है कि कौन पाकिस्तान का सबसे ज्यादा साथ दे सकता है। पहले कांग्रेस पार्टी ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी और सेना के मनोबल पर हमला किया। अब उन्हीं की राह पर चलते हुए आरजेडी चल रही है। इनके नेता सुधाकर सिंह, सांसद मनोज झा जैसे लोग जो सर्जिकल स्ट्राइक के मुद्दे पर कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थन में आ जाते हैं, तो एक नेता इनका पुलवामा कैसे हुआ इस पर सवाल उठाते हैं। इनके बयान पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि यह इंडी अलायंस नहीं बल्कि रावलपिंडी अलायंस है और ये लोग लंबे समय से इसी प्रकार काम कर रहे हैं जिससे सेना के मनोबल को कमजोर किया जाए।'राफेल' पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के बयान पर इनका एक ही उद्देश्य है पाकिस्तान की भाषा बोलना। सुरक्षा बलों का अपमान करना ही इन्हें यही करना आता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस के कई नेताओं ने

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के बेहद करीबी कांग्रेस नेता अजय राय ने राफेल के खिलौने से ही नहीं, बल्कि देश की सेनाओं के मनोबल से भी खिलवाड़ किया है। उनके बयान पाकिस्तान में सुर्खियों में हैं। कांग्रेस नेता ने भारत की सैन्य ताकत का मजाक उड़ाया है इसीलिए कांग्रेस अब सिर्फ कांग्रेस नहीं रही, बल्कि देश विरोधी कांग्रेस बन गई है। पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि चन्नी सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े करते हैं और अजय राय ने जिस प्रकार से राफेल का मजाक बनाया है, इससे कांग्रेस पार्टी का सेना विरोधी चेहरा सामने आया है। ऑल पार्टी मीटिंग में इंडी अलायंस कहती है कि हम सरकार के साथ हैं और बाहर निकलते ही पाकिस्तान को क्लीन चिट दी जाती है।

सिद्धार्थ विहार प्रतीक ग्रांड सोसायटी में बवाल, करोड़ों की संपत्ति जलमग्न, बिल्डर के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी

नई दिल्ली। सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रांड सोसायटी में जारी निर्माण कार्य में बिल्डर्स की लापरवाही उजागर हुई है। इस लापरवाही से सोसायटी में रहने वाले करीब दो हजार लोगों की करोड़ों की संपत्ति बेसमेंट में भरे गंदे पानी में जलमग्न हो गई। नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और महापौर सुनीता दयाल के निर्देश पर आवास विकास परिषद के अवर अभियंता योगेंद्र कुमार गुप्ता ने प्रतीक ग्रांड सोसायटी के बिल्डर प्रशांत तिवारी और कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी कविनगर रितेश त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को प्रतीक ग्रांड सोसाइटी के बेसमेंट में निर्माण कार्य चल रहा था। गड्ढा खोदने के दौरान गंगाजल प्लांट की दीवार ढह गई और नाले की दीवार क्षतिग्रस्त होने से सोसाइटी के बेसमेंट में नाले का गंदा पानी भर गया। बेसमेंट में तीन दर्जन से अधिक कार, बाइक व

अन्य वाहन खड़े थे। बेसमेंट में गंदा पानी भरने से सोसायटी में रहने वाले लोगों की करोड़ों की संपत्ति जलमग्न हो गई। इस मामले में विजयनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। अवर अभियंता का आरोप है कि बिल्डर प्रशांत तिवारी की लापरवाही की वजह से नाले की दीवार टूटी और बेसमेंट में पानी भरने से काफी नुकसान हुआ है।

इसके साथ ही प्रतीक बिल्डर्स के टावरों के बेसमेंट में गंदा पानी भर गया। बेसमेंट में भरे पानी से सोसायटी के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। एसीपी ने बताया कि योगेंद्र कुमार गुप्ता की तहरीर पर बीएनएस के अंतर्गत सरकारी कार्य में बाधा की धारा 290, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा 324(4) और लापरवाही से जीवन को खतरे में डालने की धारा 125 में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

उप विकास आयुक्त ने बड़कागांव प्रखंड का दौरा कर विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा की

आदिवासी एक्सप्रेस

बड़कागांव। को प्रखंड बड़कागांव के सभागार में उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद द्वारा मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास का समीक्षात्मक बैठक किया गया। इस बैठक में जिला स्तर से परियोजना पदाधिकारी जिला कोऑर्डिनेटर आवास एवं प्रखंड स्तर से प्रखंड विकास पदाधिकारी,सभी पर्यवेक्षक,सभी कनीय अभियंता, सभी पंचायत सचिव, सभी ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप विकास आयुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप बागवानी की योजना का क्रियान्वन करने,योजनाओं को ससमय पूर्ण करने एवं नई योजना को लेना का निर्देश दिया। उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना को जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने बड़कागांव प्रखंड के भ्रमण के क्रम में कई योजनाओं का निरीक्षण भी किया।

विश्वकर्मा समाज के गौरव थे ज्ञानी जैल सिंहः विकास राणा

- पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की जयन्ती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस

हज़ारीबाग। सोमवार को झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज,जिला कमेटी, हज़ारीबाग द्वारा भारत के सातवें राष्ट्रपति स्व. ज्ञानी जैल सिंह की जयन्ती मनाया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हज़ारीबाग में निवास करनेवाले प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी, जिला कमेटी के सभी पदाधिकारी, प्रखण्ड अध्यक्ष, प्रखण्ड सचिव, प्रखण्ड कोषाध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्व... ज्ञानी जैल सिंह के चित्र पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किया। श्रद्धांजलि सभा के इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वकर्मा विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा उपस्थित हुए ! कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वकर्मा समाज के हज़ारीबाग जिला अध्यक्ष यदु राणा ने किया तथा मंच संचालन विश्वकर्मा समाज के जिला महासचिव बृजलाल राणा ने किया। विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने अपने सम्बोधन में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति स्व ज्ञानी जैल सिंह विश्वकर्मा समाज के गौरव थे ! जीवन में संघर्ष करके विधायक से भारत के राष्ट्रपति तक का सफर प्राप्त किया ! मेट्रिक पास करने के बाद विशेष रूप से धार्मिक ग्रंथो का अध्ययन किया उसके बाद ही उनको ज्ञानी की उपाधि दी गई ! झारखण्ड के सभी जिला मुख्यालयों में आज के दिन भारत के सातवें राष्ट्रपति स्व ज्ञानी जैल सिंह के जन्मदिवस पर विश्वकर्मा समाज द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इसके साथ साथ खपरियावां नवादा निवासी स्व नरसिंह प्रसाद राणा के छोटे सुपुत्र जगन्नाथ राणा के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया गया और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

हज़ारीबाग जिला अध्यक्ष यदु राणा के ईमली कोठी (शिवम् नर्सिंग होम के पास) स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्ज ज्ञानी जैल सिंह की श्रद्धांजलि सभा के कार्यक्रम मे मुख्य रूप से विश्वकर्मा समाज के बासुदेव राणा, कौलेश्वर शर्मा, भुवनेश्वर शर्मा, परमेश्वर राणा, प्रदेश महासचिव संजय लाल राणा, जिला सचेतक महावीर राणा, पूर्व कोषाध्यक्ष उमेश राणा, रामगढ के पूर्व जिला अध्यक्ष त्रिवेणी राणा, विनोद राणा, अनिल राणा, अशोक कुमार राणा, सन्तोष राणा, महादेव विश्वकर्मा, राजेश कुमार शर्मा, मनोज कुमा शर्मा, नन्हू राणा, संजय राणा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

राष्ट्र निर्माण और व्यक्तिगत विकास में एनसीसी प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैः ब्रिगेडियर राजेश कारेल

आदिवासी एक्सप्रेस

हज़ारीबाग। 22 झारखंड बटालियन एनसीसी हजारीबाग के तत्वाधान में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सिलवार हजारीबाग में 01 मई से लेकर 10 मई तक दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है इसमें विभिन्न बटालियनों और शैक्षणिक संस्थानों के 597 एनसीसी कैडेटों, 50 प्रशिक्षकों और सपोर्ट स्टाफ की भागीदारी शामिल हैं। शिविर का उद्देश्य राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करना है।

सोमवार को आयोजित शिविर में बतौर मुख्य अतिथि कमांडर हजारीबाग ग्रुप हेड क्वार्टर ब्रिगेडियर राजेश कारेल शरीक हुए। ब्रिगेडियर राजेश कारेल ने आयोजित शिविर में उपस्थित एनसीसी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए एनसीसी के मूल्यों और इसकी राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल प्रशिक्षण का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र को मजबूत करने की प्रयोगशाला है। जब युवा कैडेट अनुशासन, सेवा और नेतृत्व की भावना से ओत प्रोत होते हैं, तभी एक विकसित भारत की नींव वास्तव में मजबूत होती है।

सभी कैडेट्स की हौसला अफजाई करते हुए ब्रिगेडियर राजेश कारेल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण और व्यक्तिगत विकास में एनसीसी प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए एनसीसी कैडेटों के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कैडेटों को शिविर की विविध गतिविधियों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप में हम बच्चों का सिलेक्शन करते हैं जो ऑल इंडिया कैंप होता है कैंप में बच्चों के अंदर हम 26 जनवरी 2026 को लेकर जो परेड होने वाली है उसके लिए बच्चों को तैयार कर रहे हैं जिसमें लड़के लड़कियों जूनियर सीनियर डिवीजन दोनों का चयन कर रहे हैं। इसके अलावा फायरिंग कंपटीशन होना है उसके लिए भी बच्चों का चयन किया जा रहा है ताकि वह ज्यादा से ज्यादा बेहतर प्रदर्शन कर सके और राष्ट्र स्तर पर आगे के लिए अपना बेस्ट प्रदर्शन करें। इस कैंप का यही उद्देश्य है। कैडेट्स को अच्छा नागरिक बनाने के लिए भी सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही महिला सशक्तिकरण को लेकर कहा कि हमारे देश की महिलाएं सशक्त हैं तो हमारा देश सशक्त है। पीएम मोदी ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है कहा कि आज देश में सर्वोच्च पद पर महिला राष्ट्रपति हैं।

उन्होंने कैडेटों से आह्वान किया कि वे इस शिविर में मिलने वाले विविध प्रशिक्षण और अवसरों का भरपूर लाभ उठाएं। कहा कि शिविर के दौरान एनसीसी कैडेट्स को शारीरिक प्रशिक्षण,हथियार संचालन, मैप रीडिंग, ड्रिल, समूह चर्चा, फील्ड क्राफ्ट और बुनियादी सैन्य व्यवहार के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों, सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में भी गहन अनुभव प्राप्त हो रहा है।

22 झारखंड बटालियन एनसीसी हजारीबाग के तत्वाधान में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में

कमांडिंग ऑफिसर 22 झारखंड बटालियन एनसीसी लेफ्टिनेंट कर्नल एंटोनी हेनरी सेलवेन, सब मेजर जगदीश चंद, पीआई स्टाफ के जैसीओ/एनजीओ, एएनओ, टी/ओ चंदन, अरिन्दम, सीटीओ पुनम, जीसीइ बीमा, रौशनी सहित तकरीबन 600 एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे।

सदर प्रखण्ड के कानीमुण्डवार में भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ पांच दिवसीय शिव पार्वती रुद्र महायज्ञ का हुआ शुरूआत

- 251 कलश यात्री, पारंपरिक ढोल एवं गाजे- बाजे के साथ हर हर महादेव के जयघोष करते हुए निकली भव्य व विराट शोभायात्रा

आदिवासी एक्सप्रेस

हज़ारीबाग। हजारीबाग सदर प्रखण्ड अंतर्गत सखिया पंचायत स्थित ग्राम कानीमुण्डवार शिवमंदिर से भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ सोमवार को पांच दिवसीय शिव पार्वती रुद्र महायज्ञ का शुरूआत हुआ। यज्ञ मंडप से 251 कलश यात्री पंक्तिबद्ध होकर पारंपरिक ढोल, गाजे-बाजे एवं परिधान के साथ भव्य व विराट शोभायात्रा निकली। कलश यात्रियों ने हर हर महादेव एवं ओम नमः शिवाय का पट्टा धारण कर माथे में कलश लेकर भगवत जयकारा का उद्घोष किया। उद्घोष से संपूर्ण कानीमुण्डवार ग्राम भक्तिमय के वातावरण में सरोबार हो उठा। पारंपरिक भक्ति गीतों की गुनगुनाहट के साथ भक्तिमय महौल बन गया। जुलजुल स्थित लुधरा बांध से कलश यात्री जलभरनी कर पूरे गांव का भ्रमण किया। इस दौरान कई प्रमुख लोगों ने शामिल होकर कलश यात्रियों का स्वागत व अभिनंदन किया। यज्ञशाला में कलश रखकर पांच दिवसीय शिव पार्वती रुद्र महायज्ञ का पूजन कार्य प्रारंभ हुई। मौके पर शिव पार्वती रुद्र महायज्ञ समिति के अध्यक्ष अध्यक्ष प्रेमचंद गोप, उपाध्यक्ष सह पंचायत समिति सदस्य रवि राम, सतेन्द्र यादव, सचिव तुलसी यादव, कोषाध्यक्ष पवन कुमार पप्पू, आचार्य दिवाकर पांडे, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष अरुण यादव, मुक्त सेवा संघ के जिला अध्यक्ष अमरदीप कुमार, कौलेश्वर गोप, शंभु गोप, भोला गोप, दिनेश यादव, खेमपाल यादव, पंकज राम, अनील राम, मनोज राम, उमाशंकर यादव, कुलदीप यादव, सेवा गोप, नरेश यादव, सोहन गोप, राजेन्द्र कुमार मेहता, पप्पू कुमार, तुलसी यादव, रमेश यादव, सन्नी यादव, आशीष यादव, सुधीर यादव, अर्जुन महतो, धूलेश्वर यादव, सोनु कुमार, रौशन कुमार, राजा यादव, राहुल यादव, आकाश राम, अनूज यादव, धीरज यादव, राजेश मेहता, विक्की कुमार, मोहन यादव, अमन यादव, आनंद कुमार, अनील यादव, क्रांति यादव, गोविन्द यादव, मनोज यादव, उमेश लाल भगत, नवीन यादव, कविता देवी, मीना देवी, पूर्णिमा देवी, रेखा देवी, मनीषा देवी, राखी कुमारी, सविता देवी, चांदनी कुमारी, एकता देवी, खुशबू कुमारी, पूजा देवी, कौशल्या देवी, गुड़िया देवी, धानो देवी, सोनी देवी एवं देवंती देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष शामिल रहे।

सम्मेद शिखरजी को धार्मिक स्थल के रूप में मान्यता, हाईकोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

- जैन समाज की आस्था को मिला न्यायिक सम्मान, पर्वत की पवित्रता बनी रहेगी

आदिवासी एक्सप्रेस

हज़ारीबाग। झारखंड हाईकोर्ट ने जैन समाज की ऐतिहासिक धार्मिक आस्था को मान्यता देते हुए सम्मेद शिखरजी (Parasnath Hill) को पूर्णतः धार्मिक स्थल घोषित किया है। कोर्ट ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार को 2019 की अधिसूचना और 2023 के कार्यवृत्त को कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। फैसले के प्रमुख बिंदुः

पर्वत क्षेत्र में पर्यटन और इको-पर्यटन गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक।

किसी भी प्रकार के मांसाहारी भोजन, शिकार या पशु हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध।

अवैध निर्माणों की जांच और विधिक कार्रवाई का आदेश। धार्मिक महत्व को सुरक्षित रखते हुए व्यावसायिक और गैर-धार्मिक गतिविधियों पर नियंत्रण। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) को 21 जुलाई 2025 तक निगरानी रिपोर्ट देने का निर्देश। सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के आदेश।

जैन समाज की प्रतिक्रियाः

पवन कुमार जैन अजमेरा, महामंत्री, दिगंबर जैन समाज हज़ारीबाग, ने इस ऐतिहासिक निर्णय का हार्दिक स्वागत करते हुए कहाः

यह फैसला हमारी वर्षों की तपस्या और आस्था की जीत है। सम्मेद शिखरजी सिर्फ एक तीर्थ स्थल नहीं, मोक्षभूमि है जहाँ 20 तीर्थंकरों ने निर्वाण प्राप्त किया। अब यह पर्वत अपनी पवित्रता और मर्यादा के साथ सुरक्षित रहेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय न केवल जैन समाज के लिए ऐतिहासिक है, बल्कि समूचे भारत की धार्मिक सहिष्णुता और संवैधानिक मूल्यों की भी जीत है। सार्वजनिक पूजा पर कोई रोक नहीं: कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जैन और अन्य संस्थाओं की धार्मिक गतिविधियों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। जनजातीय समुदाय की धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करते हुए अदालत ने समन्वय की भावना को बनाए रखा है। निरंतर निगरानी और रिपोर्टः

कोर्ट ने मामले की निगरानी जारी रखने और 21 जुलाई 2025 के बाद की रिपोर्ट के आधार पर आगे निर्देश जारी करने की बात कही है। जानकारी जैन समाज मीडिया प्रभारी राजेश लुहाड़िया द्वारा प्रदान की गई।

पाकिस्तानी नागरिकों पर कार्रवाई करने को लेकर भाजपा ने, उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

- वैध एवं अवैध रूप से पाकिस्तानी घुसपैठियों पर त्वरित कारवाई करेः विवेकानंद सिंह
- पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल भारत से बाहर करेः मनोज कुमार यादव

आदिवासी एक्सप्रेस

हज़ारीबाग। 22 अप्रैल 2025 को,जम्मू -कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में ,घटित आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष भारतीय नागरिकों की निर्मम हत्या ने संपूर्ण राष्ट्र को स्तब्ध कर दिया ।इस दुखद घटना के पश्चात केंद्र सरकार द्वारा एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पाकिस्तानी नागरिकों के बीजा रद करने एवं उन्हें देश से निर्वासित करने की प्रक्रिया आरंभ की गई है। इसी नियमित गृह मंत्रालय ,भारत सरकार से प्राप्त आदेश संख्या-25022/ 28 /2025 के आलोक में ,विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 3 (1)के तहत प्रदत शक्तियों का उपयोग करते हुए। पाकिस्तानी नागरिकों की वीजा सेवाओं को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है। जिसके तहत जिले के अलग-अलग क्षेत्र में जो भी पाकिस्तान नागरिक बिना वैध दस्तावेज के या वीजा की अवधि समाप्त हो जाने के बावजूद भारत देश के जिले में निवास कर रहे हैं। उन्हें शीघ्र पहचान करें एवं ऐसी पाकिस्तान की नागरिकों को सूचीबद्ध कर तत्काल आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाए। इसी आलोक में भारतीय जनता पार्टी, हजारीबाग जिला इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह एवं बरही विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा महामहिम राज्यपाल, झारखंड एवं माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उपायुक्त हजारी बाग के माध्यम से ज्ञापन सोपा गया। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरिश श्रीवास्तव ,टुन्नू गोप ,जिला पदाधिकारी आनंद देव ,दामोदर सिंह, रेणुका साहू, जय नारायण प्रसाद, कुणाल किशोर ,मनोज गिरी, इंद्र नारायण कुशवाहा ,राजकरण पांडे ,सैयद तनवीर अहमद, महेंद्र बिहारी ,विवेक बैरियर, ऋषि शर्मा, ज्योत्स्ना देवी, बीजुल देवी, संगीता अग्रवाल, पूनम कसेरा, दिलीप प्रसाद साव ,शिव शंकर कुमार, राजेश चंद्रवंशी प्रदीप पाठक ,मनदीप यादव ,कुलदीप कृष्णा यादि उपस्थित थे। इस आशय की जानकारी जिला मंत्री जय नारायण प्रसाद द्वारा दी गई।

एनटीपीसी पकरी बरवाडीह द्वारा परियोजना प्रभावित गाँवों के छात्रों को IIT-JEE और NEET की मुफ्त कोचिंग की सुविधा देगी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव

बड़कागांव। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने परियोजना प्रभावित गाँवों के मेधावी छात्रों के लिए मुफ्त IIT-JEE एवं NEET कोचिंग कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे प्रतिष्ठित करियर विकल्पों की दिशा में सक्षम बनाना है। प्रथम चरण में इस कार्यक्रम का लाभ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण वे छात्र ले सकेंगे जो एनटीपीसी पकरी बरवाडीह की परियोजना से प्रभावित गाँवों के निवासी होंगे। तत्पश्चात सीट रिक्त होने पर परियोजना सीमावर्ती गांव के बच्चों को लिया जाएगा। यह प्रशिक्षण एनटीपीसी पकरी बरवाडीह द्वारा संचालित माइनिंग एवं औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, ढेंगा में आयोजित होगा। बड़कागांव एवं आसपास के क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग सुविधाओं की अनुपलब्धता के कारण छात्रों को अब तक दूरदराज़ के शहरों का रुख करना पड़ता था। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, NTPC प्रबंधन ने यह महत्वाकांक्षी योजना जल्द आरंभ करने का निर्णय लिया है ताकि स्थानीय छात्र बिना अपने घर-परिवार से दूर हुए भी उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर सकें और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकें। इस कार्यक्रम का लाभ लेने के लिए इच्छुक छात्र पकरी बरवाडीह के सीएसआर विभाग में अपना आवेदन दे सकते हैं। अन्य जानकारी के लिए कमला राम रजक (सीनियर मैनेजर, सी एस आर) से संपर्क कर सकते हैं।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में चौथा समर्थ भारत कॉन्क्लेव संपन्न

उद्यमियों को मिले वित्तीय समावेशन और कौशल विकास के नए अवसर

आदिवासी एक्सप्रेस

हज़ारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस सभागार में सोमवार को चौथे समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2025 के अंतर्गत एक दिवसीय राज्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े लघु उद्यमियों को वित्तीय समावेशन, कौशल विकास तथा सामाजिक उद्यमिता के उभरते अवसरों की जानकारी देना और उन्हें सशक्त बनाना था। बता दें कि यह सम्मेलन आईसेक्ट द्वारा 2 मई से 5 जून तक 15 राज्यों के 16 शहरों में आयोजित किए जा रहे राज्य सम्मेलनों की श्रृंखला का हिस्सा है।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, प्रति कुलपति डॉ गौरव शुक्ला, आईसेक्ट ग्रुप के बिहार एवं झारखंड हेड अम्ब्रीश कुमार, आईसेक्ट के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट अरविंद चतुर्वेदी, जनरल मैनेजर अभिषेक गुप्ता, सीवीआरयू वैशाली के कुलसचिव डॉ ब्रजेश सिंह सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

इस मौके पर आईसेक्ट की 40 वर्षों की यात्रा आईसेक्ट के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट अरविंद चतुर्वेदी ने डॉक्युमेंट्री फिल्म के जरिए पेश की। कार्यक्रम में शरीक बतौर खास मेहमान आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नायक ने कहा कि कौशल विकास और सामाजिक उद्यमिता देश में समावेशी विकास प्राप्त करने के दो मजबूत स्तंभ हैं। आज के युग में स्वरोजगार की संभावनाओं को पहचानकर ही हम आर्थिक प्रगति की नई राहें खोल सकते हैं। वहीं आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने उद्यमियों को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें इन उभरते क्षेत्रों में सजगता और सक्रिय भागीदारी दिखानी चाहिए।

दोपहर के ज्ञान सत्र में नीरज सतपुड़े, शशि भूषण द्विवेदी, आईसेक्ट जीएम अभिषेक गुप्ता, केतन श्रोत्रिय और प्रशांत बेसरा ने वित्तीय समावेशन, सीएसआर/सरकारी योजनाएं, बी.वॉक कार्यक्रम, प्लेसमेंट और अप्रेंटिसशिप से जुड़े अवसरों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

इसके अतिरिक्त आईसेक्ट के नए उत्पादों और सेवाओं जैसे एनिमेशन के लिए आईसेक्ट अकादमी, एनसीएसडीई, एनईपी-एलईएपी, आईसेक्ट लर्न पोर्टल, रमन ग्रीन उत्पाद, बालशाली पाइप्स आदि पर कार्य करने के अवसरों पर भी चर्चा की गई। इसके बाद सहायक प्रबंधक अरुण शुक्ला द्वारा बैनी बेयर फ्रैंचाइज़ी पर विशेष सत्र लिया गया, जिसमें बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा क्षेत्र में उद्यम के अवसरों को रेखांकित किया गया। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के साथ कार्य के अवसरों की संभावनाओं को लेकर डिप्टी रजिस्ट्रार विजय कुमार व सहायक कुलसचिव चांदनी कुमारी ने विस्तृत जानकारी प्रदान की। सम्मेलन के अंतिम सत्रों में प्रभाकर सिन्हा, अनिल रावत, कुलदीप पटनाकर, सोनू कुमार सहित वक्ताओं ने जीटूसी/बीटूसी सेवाएं, बीमा, प्रकाशन और फास्टैग जैसे क्षेत्रों में भागीदारी की संभावनाओं पर चर्चा की। समापन सत्र में अरविंद चतुर्वेदी और अम्बरीश कुमार ने सभी उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह सम्मेलन न केवल जानकारी देने का मंच है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। सम्मेलन के अंत में एसकेपी श्रेणी में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार वितरित किए गए। दरअसल यह आयोजन स्थानीय उद्यमियों को सशक्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में याद किया जाएगा। बताते चलें कि इस मौके पर बिग कंट्री लिटिल बिजनेस नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। साथ ही वित्तीय समावेशन पर केंद्रित फिल्म और यूनिसेफ से जुड़ी परियोजना रिपोर्ट का भी विमोचन हुआ। मंच संचालन तौहीद आलम व परितोष पाण्डेय ने किया।

संक्षिप्त समाचार

मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन लोग घायल, एक रेफर

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बालूमाथ हेरहंज सड़क मार्ग पर झाबर गांव के समीप बेलोरो वाहन के चक्में से बाइक में सवार तीन लोग घायल हो गए हैं। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार झाबर लोहरा टोला निवासी अमरजीत उरांव उम्र 19 वर्ष,श्रीकांत उरांव उम्र 13 वर्ष एवं निशांत उरांव उम्र 12 वर्ष एक बाइक पर सवार होकर अपने घर से कुछ आवश्यक कार्य के लिए झाबर बस स्टैंड जा रहा था कि इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बेलोरो वाहन चक्मे से बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिससे बाइक सवार सभी तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों के मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर चिकित्सक सुरेंद्र कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार की गई वहीं स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए श्रीकांत उरांव को रिम्स रेफर कर दिया गया। इलाज कर रहे चिकित्सक ने बताया कि घायलों के सर पैर सहित शरीर के अंग में चोट आई है।

बस स्टैंड में जिप परिषद मद से पीसीसी एवं नवनिर्मित दुकान का जिप उपाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित न्यू बस स्टैंड में लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी सोमवार को जिला परिषद विभाग मद से परिसर में बने निर्मित पीसीसी एवं 11 आदद दुकान भवन का विधिवत पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहीं की पीसीसी निर्माण से राहगीरों एवं यात्रियों को सुविधा मिलेगी साथ ही साथ 11 आदद दुकान निर्माण होने से स्थानीय लोगों को रोजगार करने में सुविधा मिलेगी। आगे उन्होंने कहा कि जिला परिषद उपाध्यक्ष बनने के बाद मैं हमेशा प्रयासरत रही हूं कि क्षेत्र की मूलभूत सुविधा लोगों को उपलब्ध हो सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों को मिले मैं इस पर आगे भी काम करती रहूंगी। इस दौरान अनूप सिंह,राजेश साव,सुनील कुमार,पिंटू साव,विक्रांत कुमार,मो0एहसान,मो0 शाहनवाज,मो0 इमरान,मो0अनवर अंसारी,मो0जुबेर कुरैशी,पिंकू अंसारी,मो0शाहिद अंसारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

बीसीए ए ने जीता तीसरा अभ्यास मैच

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

गिद्धौर (चतरा)। बिरसा क्रिकेट एकेडमी के तत्वाधान में रविवार को एकेडमी के बच्चों के बीच तीसरा अभ्यास मैच कराया।जिसमे दो टीम बीसीए ग्रुप ए व बीसीए ग्रुप बी के बीच मैच में बीसीए ग्रुप बी के शुभम ने टॉस जीतकर कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।पहले बल्लेबाजी करते हुए बीसीए ग्रुप बी की टीम ने 18 ओवर में सभी विकेट खो कर 100 रन बनाया। बीसीए ग्रुप बी की ओर से पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक रन फरहान ने 33 गेंद में 24 रन, शुभम ने 09 गेंद में 14 रन बनाया।बीसीए ग्रुप ए की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए संजीव ने पांच व सत्यम एवं आयुष ने एक एक विकेट लिया। जवाबी पारी खेलने उतरी बीसीए ग्रुप ए ने 15 ओवर में पांच विकेट खो कर महज 102 रन बना कर मैच जीत लिया।जिसमें अनंत वर्मा ने 29 गेंद में 30 रन,राजा सिंह ने 21 गेंद में 14 रन का योगदान दिया। इस तरह बीसीए ग्रुप ए ने बीसीए ग्रुप बी को पांच विकेट से हराया। मैच में बेहतर प्रदर्शन करने वाले संजीव कुमार को मैंन ऑफ द मैच बीसीए संचालक मिथिलेश उफे बडे न दिया चैंपियन टीम को ट्रॉफ़ी देवकर सम्मानित किया गया।मौके पर गिद्धौर के संतोष कुमार निराला, चतरा के सह संचालक चंदन यादव व जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सरोज सिन्हा थे।

हुसैनाबाद प्रखंड सभागार में केसीसी ऋण माफी योजना की शिविर का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्री यशवंत कुमार के अध्यक्षता में पैक्स अध्यक्ष, जनसेवक, किसान मित्र, एवं FPO के साथ एक बैठक आयोजित की गई बैठक में मुख्य रूप से सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही महत्वकांक्षी योजना केसीसी, ऋण माफी योजना, एवं ब्लॉकचेन में किसानों को रजिस्ट्रेशन करने लिए विशेष रूप से चर्चा की गई। कृषि

पदाधिकारी यशवंत कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार के निर्देशानुसार सभी किसानों को केसीसी योजना से आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, और हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत 640 किसानों का ऋण माफी का लिस्ट आया हुआ है ,सभी को kyc कराना अनिवार्य है। बीटीएम जयगोविंद यादव जी के द्वारा भी सरकार द्वारा किसान हित में चलाई जा रही, किसान समृद्धि योजना, पीएम किसान योजना, ड्रिप, स्प्रिंकलर योजनाओं पर चर्चा किया गया। हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष पैक्स अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने कहा कि किसान अन्नदाता है ,किसान अगर खेती करना छोड़ दें तो मानव जीवन संचालित करना असंभव हो जाएगा ।इसलिए सरकार को चाहिए कि किसानों को खेती किसानी के लिए सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाय ताकि किसान का आमदनी बढ़े और आत्म निर्भर बन सके ।किसान मित्र एवं पैक्स अध्यक्ष को कहा कि अपने अपने क्षेत्र में किसानों को जागरूक करने का प्रयास कीजिए ताकि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ किसान उठा सके और केसीसी और ऋण माफी की कल दिनांक 06/5/2025को प्रखंड स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें किसान आए और योजना का सीधा लाभ उठाए। मौके पर जन सेवक सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ,मनोज कुमार राम, जनसेवक सह AGM अनिल कुमार, एग्री क्लिनिक सहायक चौबे जी, पैक्स अध्यक्ष, सुरेश प्रसाद यादव, सुजीत कुमार मेहता, विश्वनाथ सिंह, किसान मित्र सुदर्शन सिंह, राजीव सिंह, संतोष चौहान, नवल किशोर उपाध्याय, जितेंद्र सिंह, जनेश्वर राम, नागेंद्र सिंह, रामाशीष सिंह, सुनील सिंह, राजकुमार यादव, अनिल यादव, सुदामा यादव, संतोष राम, अखिलेश सिंह, सुनील कुमार पाठक, राजेंद्र सिंह, बिपिन सिंह, राजकुमार पाल, लवकुमार सिंह, कन्हैया राम, आदि काफी संख्या में कृषि कर्मी उपस्थित थे।

पहलगाम आतंकी घटना पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागरः वाजपेयी

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांचीः झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने झारखंड के सभी जिलों में प्रदर्शन कर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा है. ज्ञापन में मांग की गई कि केंद्र सरकार के निर्देशानुसार राज्य में रह रहे पाकिस्तानियों को चिन्हित कर अविलंब वापस पाकिस्तान भेजा जाए.

डॉ. वाजपेयी ने कहा कि पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानियों को दिए गए 14 प्रकार के वीजा रद्द कर दिए हैं और अटारी बॉर्डर को इसी उद्देश्य से खोला गया है. लेकिन देश के जिन राज्यों में इंडी गठबंधन की सरकारें हैं, वहां पाकिस्तानियों को चिन्हित कर उन्हें देश से निकालने को लेकर राज्य सरकारें तत्परता नहीं दिखा रहीं. यह तुष्टिकरण की राजनीति का परिणाम है.

वाजपेयी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के बयान रोज बदलते हैं. भारत सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में ये नेता आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ केंद्र सरकार की कार्रवाई का

समर्थन करते हैं.

वहीं कुछ वरिष्ठ नेता सेना और सरकार पर सवाल उठाते हैं, जो कांग्रेस की पुरानी आदत रही है. उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी और उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि ये बयान सेना का अपमान है.

उन्होंने कहा कि अजय राय ने राफेल जैसे उच्च गुणवत्ता वाले लड़ाकू विमान को खिलौना बताया, जबकि हाल ही में हाईवे पर राफेल की सफल लैंडिंग कर सेना ने देश का गौरव बढ़ाया है. राफेल पर स्वास्तिक बनाकर की गई पूजा का भी मजाक उड़ाया गया, जो कांग्रेस के सनातन विरोधी चरित्र को दर्शाता है. यही पार्टी राम और रामसेतु के अस्तित्व को काल्पनिक बताती रही है.

डॉ. वाजपेयी ने कहा कि पहलगाम में हिंदू पहचान के आधार पर धर्म पूछकर आतंकियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी. लेकिन कांग्रेस इन शहीदों और सेना का अपमान करने से नहीं चूक रही. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पहले भी सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए थे.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अब भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर संविधान बचाओ की बात कर रहे हैं, जबकि यही कांग्रेस बार-बार संविधान और संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान करती रही है. इन्होंने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की, अनुच्छेद 370 को बनाए रखकर राष्ट्र की एकता पर चोट पहुंचाई और देश के विभाजन को स्वीकार किया.

वाजपेयी ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून, झारखंड जैसे शेड्यूल-5 क्षेत्रों में आदिवासी जमीन की सुरक्षा के लिए एक मजबूत कवच है. लेकिन कांग्रेस अपनी तुष्टीकरण की नीति के चलते इसके खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है.

राहुल गांधी पर सीधा हमला न्उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब कांग्रेस के पाप याद आने लगे हैं. अगर उन्हें माफी मांगनी है, तो टुकड़ों में नहीं, पूरी जिम्मेदारी लेकर माफी मांगें, देश के विभाजन को स्वीकार करने के लिए, करोड़ों लोगों के नरसंहार के लिए, आपातकाल लगाने, आरक्षण समाप्त करने की सोच, तुष्टीकरण की राजनीति, राम के अस्तित्व को नकारने, चुनी हुई राज्य सरकारों को गिराने और राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश को लूटने और गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं किया है.

सीएम के विदेश दौरे में निवेश के लिए मिले नौ प्रस्ताव: उद्योग सचिव

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांचीः उद्योग सचिव अरवा राजकल ने कहा कि सीएम के नेतृत्व में हुए विदेश दौरे में झारखंड को निवेश के लिए नौ प्रस्ताव मिले हैं. विदेश यात्रा का उद्देश्य राज्य में विदेशी निवेश बढ़ाकर देश के जीडीपी में राज्य के बराबर अतिरिक्त सहयोग पहुंचाना है. वे सोमवार को सूचना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे.

उन्होंने बताया कि आधारभूत संरचना के लिए स्पेन की कंपनी फेरा डी बार्सिलोना ने 120-170 मिलियन यूरो निवेश का प्रस्ताव दिया है. टेस्ला ग्रुप ने एनर्जी स्टोरेज सिस्टम(बैटरी) के लिए 150 मिलियन यूरो के निवेश का प्रस्ताव दिया है. एबर्टीज ने सड़क निर्माण के क्षेत्र में पीपीपी मोड पर सहयोग करने का प्रस्ताव दिया है. स्पैनल ने स्पोर्ट्स के क्षेत्र में

पार्टनरशिप के आधार पर ट्रेनिंग देने की बात कही है. जिट्रोन ने उत्पादन के क्षेत्र में रिलोकेशन ऑफर दिया है. नोवार्गी और ग्रेन सोलर ने क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में ज्वाइंट वेंचर के रूप में सहयोग करने की सहमति दी है. कैटालुनियार ने उद्यमिता और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करने की सहमति दी है. आइवीएल स्वीडेन ने पानी और उर्जा के क्षेत्र में तकनीकी मदद देने पर सहमति दी है.

क्या था विदेश दौरे का उद्देश्य

- खनन, इस्पात और इवी में हरित प्रौद्योगिकी साझेदारियों की पहचान करना.
- औद्योगिक क्षेत्रों (आदित्यपुर, बोकारो, संथाल परगना, रांची) के लिए निवेश की संभावनाएं तलाशना.
- खदान सुधार और स्वच्छ ऊर्जा को लागू करने हेतु सर्वोत्तम प्रथाओं को जानने का अवसर प्राप्त करना.
- खाद्य प्रसंस्करण, प्रदर्शनी केन्द्रों और खेल अवसंरचना में संयुक्त उद्यम और ज्ञान हस्तांतरण की संभावनाएं तलाशना.
- यूरोपीय निवेशकों के लिए निवेश के अवसर प्रस्तुत करना.
- आर्थिक कूटनीति के लिए स्थायी संस्थागत और लोगों के बीच समनवय स्थापित करना.
- महिला उद्यमिता, लिंग समानता और कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल एवं कल्यान क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करना.

राम मंदिर न्यास बोर्ड अयोध्या के अध्यक्ष के उतराधिकारी महंत कमल नयन दास जी महाराज ने की माता भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। राम मंदिर न्यासबोर्ड अयोध्या के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज का उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास जी महाराज ने सोमवार सुबह माता भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान महाराज ने मुख्य मंदिर समेत सभी देवालयों में पूजा अर्चना की। पूजा के दौरान इन्होंने कहा कि

यह एक शक्तिशाली भद्रकाली देवी का मंदिर है। यहां पहुंचने के बाद इंसान माता के भक्ति में लीन हो जाता है। बहुत ही खूबसूरत स्थान है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह क्षेत्र तीनों धर्मों का संगम है। इस मौके पर चतरा जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष अरविंद सिंह, संवेदक सुबोध सिंह, भाजपा के पूर्व जिला मंत्री सतीश सिंह समेत कई अन्य मौजूद थे।

झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष बने पूर्व मंत्री बैधनाथ राम लोगों ने दी बधाई

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। लातेहार विधायक क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं मंत्री रह चुके बैद्यनाथ राम को झारखंड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय कार्यकारिणी में केंद्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।इस आश्य का कार्यकारिणी पत्र आज जारी कर दिया गया है। जिसमें दिशोम गुरु शिबू सोरेन को संस्थापक संरक्षक एवं हेमंत सोरेन को केंद्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। जारी पत्र में 63 कार्यकारिणी सदस्य में पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम को पुनः केंद्रीय उपाध्यक्ष बनाते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने केंद्रीय कार्यकारिणी में लातेहार जिला को महत्वपूर्ण स्थान दिया है।केंद्रीय उपाध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई देने वालों मे प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंझू बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष नागदेव उरांव,युवा प्रखंड अध्यक्ष मो0औरंगजेब खान,लल्लू उरांव,राजेश यादव,राजन यादव,मो0 इमरान,ईश्वर उरांव,रीना उरांव,मो0 सनाउल्लाह,मो0मुनाजिर हुसैन, मो0साबिर,जीतराम गंझू सहित कई झामुमो कार्यकर्ताओं शामिल है।

मानसिक विक्षिप्त वृद्ध का तालाब में तैरता मिला शव, दो दिनों से था लापता

आदिवासी एक्सप्रेस/ संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र के नवाडीह पनारी पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत जजलो बजार के समीप रविवार देर शाम वृद्ध का शव तालाब में तैरता मिला। ग्रामीणों ने देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को ग्रामीणों के सहयोग से तालाब से बाहर निकलवाया। और पंचनामा कर शव को परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौप दिया। वृद्ध की पहचान जबड़ा पंचायत के खिजुरिया गांव निवासी मुंशी दास 60 वर्षीय के रुप में हुई। ग्रामीणों ने बताया कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त था। दो दिन पहले घर से बगैर बताए निकला था। उसके बाद से कोई पता नहीं चल रहा था। बगल गांव के माइनिंग तालाब में शव तैरने की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी ली। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि परिजनों ने शव पोस्टमार्टम से साफ इंकार कर दिया है। परिजनों ने बताया कि उनका मानसिक स्थिति खराब था । जो दो दिनों से लापता चल रहे थे।

वित्त मंत्री के आदेश के बावजूद भी नहीं हटाया गया नौडीहा बीडीओ वाहन चालक

- **भ्रष्टाचार के अड्डा बना नौडीहा ब्लॉक कार्यालय**
- **जमीन म्यूटेशन, चेक स्लीप, माईश संचालकों से पैसा लेने, गलत व्यवहार करने का लगा आरोप**
- **नौडीहा ब्लॉक के कर्मी को डेरवाकर काम करवाने एव हटाने का आरोप**

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। जिले के नौडीहा बाजार ब्लॉक का भ्रष्टाचार का मामला आया सामने नौडीहा बीडीओ के वाहन चालक मनीष कुमार पर लगा गंभीर आरोप नौडीहा बाजार प्रखंड प्रमुख रेशमी कुमारी ने स्थानीय विधायक सह वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर को लेटर पैड पत्रांक 07/25 की आलोक में दिनांक 30 मार्च को एक लिखित आवेदन विधायक सह मंत्री राधा कृष्ण किशोर को देकर नौडीहा बीडीओ वाहन चालक को आचरण अच्छा नहीं एवं गलत व्यवहार प्रखंड कार्यालय में आम जनता से रिश्वत लेकर मनीष कुमार के द्वारा काम करने का प्रलोभन को लेकर प्रखंड प्रमुख ने इसकी शिकायत कई बार प्रखंड कार्यालय में प्राप्त होने के बाद मनीष कुमार को समझने के बावजूद भी इसके बाद व्यवहार एवं आचरण में परिवर्तन नहीं हुआ इस सभी बातों को लेकर प्रखंड प्रमुख रेशमी कुमारी ने वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से लिखित आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की थी मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने संज्ञान लेते हुए तत्काल पलामू डीडीसी मोहम्मद शाबिर अहमद को जांच करते हुए कार्य मुक्त करने का आदेश दिया था लेकिन नौडीहा बाजार बीडीओ रामनारायण खलखो ने वाहन चालक मनीष कुमार को बचाने के लिए पलामू उप विकास आयुक्त के नाम से लगभग 23 अप्रैल को पत्रांक 301 लगभग एक लेटर जारी कर वाहन चालक मनीष कुमार रवि को स्थानांतरण करने के लिए लेटर जारी किया गया है आखिरकार सवाल उठता है की नौडीहा बाजार के बीडीओ क्यों बचना चाहते हैं मनीष कुमार को क्या है राज, वित्त मंत्री के आदेश के वजूद भी क्यों नहीं मुक्त किया गया कार्य, भ्रष्टाचार करने वाला व्यक्तियों को मनोबल दे रहे हैं बीडीओ यह बात नौडीहा बाजार के ग्रामीण पूछता है.. लेटर जारी करने के पश्चात 10 दिन बीत गए लेकिन आज भी नौडीहा बाजार बीडीओ का वाहन चालक करता है मनीष कुमार.. ग्रामीण।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में चार घायल, चारो रेफर

नींद की झपकी बन सकता है मौत का कारण

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में सोमवार को चार लोग घायल हो गए। पहली सड़क दुर्घटना अहले सुबह करीब 3 बजे डुमरी पंजाब नेशनल बैंक के पास घटी। जहां बैंड बाजा बजाने के लिए हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के हरली ताशा पार्टी पिकअप वाहन में सवार होकर बिहार बैंड बजाने जा रहें थे। इसी दौरान डुमरी पंजाब नेशनल बैंक के समीप चतरा

डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर पिकअप वाहन चालक को नींद की झपकी आने से पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर पुल से जा टकराई, जिससे पिकअप में सवार जागेश्वर भुईयां, 32 चुरामण भुईयां 50 , अमित कुमार रवि 29 तीनो हरली निवासी जमीन पर जा गिरे और घायल हो गए वही राहगीरों की मदद से हंटरगंज समुदायिक स्वास्थय केन्द्र में भर्ती करवाया जहां चिकित्सको ने प्राथमिक ईलाज कर बेहतर ईलाज के लिए चतरा सदर रेफर कर दिया।वही दर्जनों सवारी समेत ड्राइवर बाल बाल बच गया। वही दुसरी दुर्घटना चतरा - डोभी मुख्य पथ स्थित सोहद मोड पर घटी जहां एक मोटरसाइकिल के द्वारा एक टोटो में जोरदार टक्कर मार दिया जिसमें टोटो पर बैठे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए घायल व्यक्ति शेरघाटी थाना क्षेत्र चिलीम गॉव निवासी रामा महतो 60 वर्ष है ग्रामीणों के सहयोग से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद पैर टूट जाने के कारण बेहतर ईलाज हेतु गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया घायल व्यक्ति के द्वारा बताया गया कि वह हंटरगंज थाना क्षेत्र के कोरोना गांव निवासी महेंद्र महतो के घर शादी के कार्ड देने आ रहे थे इसी दौरान दुर्घटना घटी और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों से अपील पत्रकार विकास यादव ने की। नींद की एक झपकी हादसे की वजह बन सकती है। इसलिए वाहन चलाते वक्त जरा सी भी सुस्ती महसूस हो तो तुरंत गाड़ी सड़क किनारे खड़ी कर लें। और अपना तथा अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने सांसद निधि, विधायक निधि योजना की प्रगति के कार्यों की समीक्षा की

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सांसद निधि योजना एवं विधायक निधि योजना में लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित डी.सी विपत्र पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि उक्त सभी फंड विकास कार्यों के क्रियान्वयन से जुड़ी हैं जिसमें कार्यों के गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखें तथा जो कार्य अपूर्ण है उनमें कार्य कराते हुए ससमय कार्य पूर्ण करायें। विधायक निधि एवं सांसद निधि अंतर्गत पूर्ण हुए कार्यों की डीसी बिल की यूटिलाइजेशन सार्टिफिकेट जल्द से जल्द जमा करना का निर्देश दिया गया।
बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया मंडलकारा का औचक निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मनीष कुमार ने मंडलाकारा पाकुड़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडलकारा के लिए सीसीटीवी फुटेज, विजिटर रजिस्टर, कारा परिसर, भोजनालय, दवाईयों की उपलब्धता की भी जांच की गई, जिसमें किसी भी प्रकार का कोई आपत्तिजनक सामान जेल के अंदर नही पाई गई।

जल जीवन मिशन के तहत पाईप लाईन के कार्य से ग्रामीण सड़क हो रहा है क्षतिग्रस्त

- जोरों से किया जा रहा हैं काम, तो टूटे हुए सड़क के मरम्मती नहीं होने से दुर्घटना की बन रही आशंका, कंपनी हैं मौन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर (पाकुड़) प्रखंड के बरमसिया पंचायत अंतर्गत विभिन्न गांव में जल जीवन मिशन के तहत एलएनटी कंपनी के द्वारा झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में से एक जल जीवन मिशन को पूरा करने के लिए तीव्र गति से खुदाई करके पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। जिस के चलते ग्रामीणों के मन में खुशी भी है। लेकिन कुछ ग्रामीणों का कहना है कि सड़क को तोड़कर जो पाइप लाइन बिछाया जा रहा है। तो टूटा हुआ सड़क की मरम्मत कौन करेगा । एलएनटी कंपनी या ऐसे ही छोड़ देगा ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्र होने के चलते सड़क की स्थिति ऐसे ही बहुत खराब रहती है, बड़ी मुश्किल में हाल फिलहाल में इस गांव में नया सड़क बना है। करोड़ों की लागत से बना हुआ सड़क को इस प्रकार से तोड़ना कदाचित सही नहीं है, सड़क में मिट्टी का ढेर लगा देना दुर्घटना घटित होने की संभावना इससे बनी हुई रहती है। वही इस मामले को लेकर जल जीवन कंपनी मौनसादे हुए हैं।

हत्याकांड के नकाबपोश अपराधियों की तलाश में संथाल परगना के आईजी पहुंचे साहिबगंज

- ताबड़तोड़ छापामारी अपराधियों की तलाश में

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। साहिबगंज जिले में आए दिन अपराधियों का मनोबल बढ़ता ही जा रहा है. कभी भी अपराधी किसी भी घटना को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं. जहां रविवार की बीते रात नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शराब दुकान की निकट नकाबपोश अपराधियों ने इलेक्ट्रॉनिक दुकानदार को गोली मारकर हत्या कर दी. और अपराधी मौके से फरार हो गया.
बताया जा रहा है कि इलेट्रॉनिक दुकान के मालिक संजीव कुमार शाह उर्फ गुड्डू साह की दुकान में चढ़कर घटना को अंजाम दिया. घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन में घायल दुकानदार को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया. चिकित्सक ने संजीव कुमार को मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

संथाल परगना के आईजी पहुंचे साहिबगंज
साहिबगंज संथाल परगना के आईजी श्री क्रांति कुमार गडिदेसी एसपी कार्यालय पहुंचकर जिले के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के साथ पुलिस पदाधिकारी के बैठक कर अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर कई निर्देश दिए. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हत्याकांड के अपराधियों की तलाश में पुलिस लगातार कई जगह कर रही है छापेमारी. जिले के पुलिस बल छापेमारी में चुपचे चुपचे पर मौजूद है।

पालोजोरी प्रमुख उषा किरण मरांडी ने बीडीओ पर लगाया दुर्व्यवहार के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने को लेकर गंभीर आरोप

- बीडीओ ने प्रमुख को अपने कार्यालय से निकला बाहर
- पंचायत समिति सदस्यों ने 7 मई से अनिश्चितताकालीन धरना प्रदर्शन करने का किया एलान

आदिवासी एक्सप्रेस/देवघर
कृष्णा गोस्वामी

पालोजोरी बीडीओ के द्वारा आदिवासी महिला प्रमुख उषा किरण मरांडी के साथ दुर्व्यवहार के साथ साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर अपने चैंबर से बाहर निकाले जाने का प्रकाश में आया है। वहीं उन्होंने बताया की प्रमुख उषा किरण मरांडी इधर कुछ काम को लेकर बीडीओ ऑफिस जैसे ही इन किये को इसी बीच बीडीओ आमिर हमजा ने उन्हें कड़ी लहजे में फटकार लगाते हुवे दुर्व्यवहार पूर्ण तरीके के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए बाहर निकलने को कहा वहीं प्रमुख महोदया विनम्र विनती करते हुवे किसी काम को लेकर अर्जी लगाई जा रही थी। वहीं इस मामले को लेकर संबंधित विषयों को आकृष्ट करतें हुए सभी पंचायत समिति सदस्यों ने आवेदन पत्र प्रमुख की अगुवाई में पंचायत समिति सदस्यों की एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा एसडीओ मधुपुर के नाम पालोजोरी सीओ को ज्ञापन दिया गया है। वहीं उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि पालोजोरी बीडीओ के द्वारा काफी मनमानी की जाती है। जिसको लेकर हमलोगों के साथ ऐसा रवैया है तो आमजनों के साथ कैसा होता होगा समझने वाली बात है। प्रमुख उषा किरण मरांडी ने कहा कि मनरेगा जैसे योजनाओं में काफी लूट खसोट मची हुई है जिसको लेकर हमने कई बार बीडीओ साहब को ये चीजें बताने का प्रयास की परंतु प्रखंड कार्यालय में तो और भी ज्यादा मनमानी देखने को मिल रहा है। इन्हीं सब चीजों को लेकर बीडीओ आमिर हमजा को रास नहीं आई और प्रखंड प्रमुख के साथ एक आदिवासी महिला को जलील करने का काम किया गया। जिसको लेकर उन्होंने अपने मांग पत्र सौंपते हुए कहा की आगामी 7 मई को प्रखंड कार्यालय के बाहर बीडीओ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने की बात कही गई। वहीं इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य बबलू महतो, अजरुद्दीन अंसारी, खालिद जिया, जाकिर अंसारी, सगीर अंसारी, उपप्रमुख पायल साधु ,उपप्रमुख प्रतिनिधि सुशील साधु,पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि शंकर टुडू, जितेंद्र कुमार राय, सरफराज अंसारी,प्रमुख प्रतिनिधि दिनेश मुर्मू, शमशुल अंसारी, जितेंद्र महतो, गनी मियाँ सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

गैस पाइप फटने से लगी भीषण आग, पूरा घर जलकर हुआ खाक— लाखों की संपत्ति नष्ट

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। महेशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत धनजोरी गांव में सोमवार की दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक घर में खाना बनाते समय गैस पाइप से अचानक गैस लीक होने के कारण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही मिनटों में पूरा घर धू-धू कर जलने लगा और घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, धनजोरी निवासी मोहम्मद हाबिद के घर में उनकी पत्नी खाना बना रही थीं। इसी दौरान गैस सिलेंडर से जुड़े पाइप में रिसाव होने लगा और चूल्हे से निकली लौ ने पाइप में आग पकड़ ली। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा घर उसकी चपेट में आ गया। घटना इतनी तेजी से घटी कि जब

तक मोहल्ले के लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग पूरे घर में फैल चुकी थी। स्थानीय लोगों ने किसी तरह आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उनका हर प्रयास विफल हो गया। घटना में घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, पंखा, पलंग, फ्रिज समेत लगभग 1.5 लाख रुपये से अधिक की संपति जलकर नष्ट हो गई। घर का पूरा ढांचा भी आग में तबाह हो गया, जिससे पीड़ित परिवार अब खुले आसमान के नीचे आ गया है।

प्रशासन से की मुआवजे की मांग
पीड़ित मोहम्मद हाबिद ने घटना के बाद प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। उन्होंने बताया कि आग ने उनके जीवनभर की जमा पूंजी को पल भर में छीन लिया। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि उन्हें यथाशीघ्र आर्थिक सहायता प्रदान की जाए ताकि वे अपने परिवार को फिर से बसाने में सक्षम हो सकें।

स्थानीय लोगों की मांग - अग्निशमन सुविधा हो सुदृढ़
घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि अगर गांव के आसपास फायर ब्रिगेड की व्यवस्था होती, तो शायद आग पर समय रहते काबू पाया जा सकता। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ग्रामीण इलाकों में भी अग्निशमन सेवाएं सुलभ कराई जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

सड़क किनारे से उठाकर अस्पताल पहुंचाया, इसके पूर्व ही रास्ते में ही मौत हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बरहेट थाना क्षेत्र के भाया बरहेट-शिवगादी सड़क स्थित सिंचाई विभाग कार्यालय समीप से बरहेट थाना पुलिस ने एक अचेत अवस्था में एक 30 वर्षीय युवक को सड़क किनारे से उठाकर अस्पताल पहुंचाया। इसके पूर्व ही रास्ते में ही मौत हो गई। युवक की पहचान थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव निवासी 30 वर्षीय दुर्गा मुर्मू,पिता गंगू मुर्मू के रूप में की गई। घटना की जानकारी पाकर युवक के परिजन, झामुमो केंद्रीय कार्य समिति सदस्य राजाराम मरांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट पहुंचे जहां घटना की जानकारी ली। बताया जाता है कि मृतक के पिता गंगू मुर्मू झारखंड पुलिस हजारीबाग में तैनात है। मृतक के भाइयों ने मिर्गी से मौत की आशंका जताया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 137 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ प्रखंड के ईशाकपुर, हाटपोखर एवं महेशपुर प्रखंड के लौंगांव में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 137 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया।
डॉ0 सौरव विश्वास, डॉ मो अबुतालिब शेख, डॉ राजेश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन/संतुलित आहार/व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया।

डीसी ने प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत कारा बंदियों के लिए 20 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा मंडल कारा पाकुड़ के बंदियों का प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत जिला प्रशासन के सहयोग से 20 दिवसीय अचार, पापड़ और मसाला पाउडर निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसका विधिवत उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार, निदेशक आरसेटी पाकुड़ श्री राजेश कुमार मिश्रा, मंडल कारापाल श्री दिलीप कुमार और वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने बंदियों को संबोधित करते हुए कौशल प्रशिक्षण

के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का अधिकाधिक लाभ प्राप्त कर स्वावलंबी बने। उपायुक्त ने जेल में विभिन्न कौशल प्रशिक्षण को लगातार संचालित करने के लिए आरसेटी पाकुड़ को आवश्यक निर्देश दिए। मंच का संचालन करते हुए वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने बंदियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार कर अपने जीवन को परिवर्तन करने की सलाह दी। जिला प्रशासन के अभूतपूर्व सहयोग से ही जेल बंदियों का प्रशिक्षण संचालित करना संभव हो रहा है। अपने जीवन को आर्थिक समृद्धि बनाने के लिए प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण हैं और यह जिला प्रशासन के सहयोग से संभव हो पाया है।जेल से बाहर निकलने पर अपना हुनर का उपयोग कर स्वालंबी बन सकती हैं। पाकुड़ जिला की युवाओं और सखी मंडल की महिलाएं स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं।
लाभुकों को इस प्रशिक्षण के साथ साथ विपणन, उद्यमी योग्यता, समय प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंकिंग, बीमा आदि से संबंधित जानकारी दी जाएगी।

तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से बाइक चालक गंभीर रूप से घायल

सुस्मित तिवारी

पाकुड़। पाकुड़ बरहरवा मुख्य सड़क पर आज एक तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आकर बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के विक्रमपुर की है, जब एक खाली हाईवा तेज गति से पाकुड़ से बरहरवा की ओर जा रहा था। यह हादसा तब हुआ जब बाइक सवार कोकिल साहा, जो देवपुर के रहने वाले हैं, सेजा ईट भट्ठा से लौट रहे थे।हाईवा ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे युवक का एक पैर और हाथ टूट गए। घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत इसकी सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। पुलिस और एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंची और घायल युवक को सोना जोड़ी सदर अस्पताल ले जाया गया।अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायल युवक की स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए बंगाल रेफर कर दिया गया। स्थानीय पुलिस ने हाईवा को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रखंड के पंचायत सचिव एवं मुखिया के साथ वीडियोकॉन सर्विसिंग के माध्यम से बैठक किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) सोमवार को प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक, ई0 पंचायत आनंद प्रकाश द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पंचायत सचिव एवं मुखिया के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक किया। बैठक में डीपीएम ने सभी ग्राम पंचायतों को ग्रीष्मऋतु में पेयजल की समस्या को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया जिसमें ग्राम पंचायत को तीन जोन में रेड, येलो एवं ग्रीन जोन में विभाजित करने का निर्देश दिया गया। रेड जोन

में वैसे क्षेत्र जहाँ पेयजल का स्रोत नहीं के बराबर है। वहाँ टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। उक्त क्षेत्रों में जल के स्टोरेज हेतु जगह -जगह पर स्टोरेज टैंक बनाने का निर्देश दिया गया। येलो जोन में वैसे क्षेत्र आयेंगे जहाँ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है परंतु पर्याप्त नहीं है उन क्षेत्रों में पेयजलापूर्ति हेतु जलस्रोतों को बढ़ाने यथा पाइपलाइन विस्तारीकरण, जल स्रोतों का सुदृढ़ीकरण करने का निर्देश दिया गया। ग्रीन जोन में वैसे क्षेत्र जहाँ पेयजल की समस्या अत्यंत कम है वही जल संरक्षण से संबंधित कार्य करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत व्यय, पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना में व्यय, उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा किए जाने के स्थिति की भी समीक्षा की गई।
उपरोक्त बैठक में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद समेत अन्य उपस्थित थे।

जिला समन्वय समिति की बैठक में उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश, विकास कार्यों की गहन समीक्षा

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजित की गयी। इस बैठक में जिले के विकास कार्यों, विधि व्यवस्था, खनन, स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग समेत सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सभी खनन पट्टों की प्रशाखीय नापी पूरी कर ली गई है और

जल्द ही इसका प्रतिवेदन खनन कार्यालय को सौंपा जाएगा। उपायुक्त ने अवैध खनन, अवैध ईट भट्ठा संचालन और बालू उठाव पर कड़ी निगरानी रखने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में सड़क निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभाग को कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा मानकों के पालन पर बल दिया। उपायुक्त ने दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने और यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। जिला कारा एवं न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी बैठक में विशेष चर्चा की गई। उपायुक्त ने मुलाकातियों के रजिस्टर पर निगरानी रखने, जेल वार्डों में नियमित छापामारी करने और सुरक्षा मानकों को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कारा परिसर में आम बागवानी करने, कैदियों को स्किल ट्रेनिंग देने और उन्हें खेती में व्यस्त रखने के लिए भी संबंधित पदाधिकारियों को आदेश दिए।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने मुख्यमंत्री रखखखाव योजना के तहत हो रहे निर्माण कार्यों, जोड़ों के सुधार कार्यों और चिकित्सीय खर्च की जानकारी ली। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रोगी कल्याण समिति की नियमित बैठक आयोजित करने और हर महीने अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक सुनिश्चित करें। बिजली विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने नए विद्युत कनेक्शन देने के कार्य को युद्ध स्तर पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना के तहत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में जिले की विधि व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने थाना दिवस को सुचारू रूप से संचालित करने और आम जनों की शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही, उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों को सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत सभी प्रखंडों में ओपन जिम और बागवानी विकसित करने को कहा। उन्होंने इसे ग्रामीण युवाओं के स्वास्थ्य और रोजगार से जोड़ने का प्रयास बताया। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालिया, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष समेत सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

पाकिस्तान जैसी समस्या के समाधान का प्रश्न

विचार

“अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ताजा टिप्पणियों में वही घबराहट झलक रही है, जो 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान बिल क्लिंटन के ब्यानों में थी, जब वे महसूस करने लगे थे कि कहीं टकराव बढ़कर ‘परमाणु युद्ध’ में न बदल जाए। वीरवार को फॉक्स न्यूज को दी गई वेंस की टिप्पणी उसी पुरानी याद जैसी थी। उन्होंने कहा, ‘निश्चित रूप से, मुझे चिंता है कि कहीं मामला बढ़ न जाए, खासकर दो परमाणु शक्तियों के बीच’। वेंस ने आगे कहा : ‘हम उम्मीद करते हैं कि भारत इस आतंकवादी हमले का जबाव कुछ इस तरह से दे कि यह विस्तृत क्षेत्रीय संघर्ष का रूप न ले पाए और हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान, जहां तक वह जिम्मेदार हैं।

ज्योति मल्होत्रा

पहलगाम नरसंहार पर मध्य मार्ग अपनाने की कोशिश करने में लगे अमेरिकी फिर से वही कर रहे हैं, जिसमें उन्हें महारत है, यह कहकर कि प्रधानमंत्री मोदी को ‘हमारा पूर्ण समर्थन’ है, लेकिन ठीक इसी वक्त पाकिस्तान की आलोचना एक हद से परे जाकर करने से बच रहे हैं। आखिरकार, अमेरिकी प्रशासन में यह तर्क चला हुआ है कि अगर आप अपराधी की मदद करने वालों पर खुलेआम इल्जाम लगा देंगे, तो भविष्य में उन्हीं से मदद कैसे मांग पाएंगे? यहां कोई मुगालता न रहे, अंततः युद्ध कोई नहीं चाहता। न अमेरिकी, न ही यूरोपीय। रूसियों को इतनी परवाह नहीं है, क्योंकि वे तीन साल से युद्धरत हैं और अपने बहुत लोगों को खो चुके हैं, लेकिन व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के उस हिस्से को पाने के लिए दृढ़संकल्प लगते हैं, जिस पर उनकी नजर है। जहां तक चीनियों का सवाल है, वे भी युद्ध नहीं चाहते क्योंकि, जैसा कि जैबिन टी जैकब ने लिखा है, वे चाहेंगे कि ‘युद्ध को छोड़कर’ भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहे, जो धीरे-धीरे एक-दूसरे को निपटा देगा। पहलगाम के बाद की स्थिति निश्चित रूप से असामान्य है। सर्वप्रथम, 2016 में उड़ी और 2019 में पुलवामा कांड में सैनिकों के शहीद होने के विपरीत, इस बार निदोष नागरिक मारे गए हैं। भारत ने उड़ी हमले का जवाब नियंत्रण रेखा के पार ‘सर्जिकल स्ट्राइक’ करके और पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा के काफी अंदर घुसकर बालाकोट स्थित आतंकी शिविरों पर मिसाइलें दागकर किया था। दूसरा, कारगिल में संघर्ष सहित भारत और पाकिस्तान के बीच सभी पिछले युद्ध जो भारत ने लड़े हैंझऔर जीते हैं-भले ही शुरुआत भारत ने कभी नहीं की। इस बार, पीएम मोदी ने सार्वजनिक रूप से सबक सिखाने की बात कही है। इस वादे से लेकर कि उनकी सरकार हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को खोजने के लिए ‘दुनिया के अंतिम छोर तक जाएगी’, गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिंदी में यह कहने तक कि ‘चुन-चुन के जवाब दिया जाएगा’, ऐसा साफ लगता है कि बदला लिया जाएगा। स्पष्टतः प्रधानमंत्री पाकिस्तान का व्यवहार हमेशा के लिए बदलना चाहते हैं। पिछली सरकारों, भाजपा और कांग्रेस दोनों की, ने अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, जवाब देने की अलग-अलग शैली आजमाई थी। कारगिल में युद्ध लड़ने से लेकर आगरा में वार्ता के लिए परवेज मुशर्रफ को आमंत्रित करना, लेकिन उनके साथ समझौता अंतिम क्षण पर सिरे न चढ़ने तक और मुंबई हमलों के बाद संबंध तोड़ने से लेकर दिल्ली से रावलपिंडी के लिए सीधे विशेष विमान से विदेश मंत्री को भेजकर संबंध बहाल करने तक झ पिछले 30 सालों में तमाम नुस्खे आजमाए जा चुके हैं। सवाल यह है कि पाकिस्तान जैसी समस्या का समाधान कैसे किया जाए? इस सवाल से जूझने वाले हर प्रधानमंत्री की तरह मोदी को इल्म है कि इतिहास में उनकी याद इस बात से प्रभावित होगी कि वे भारत के पश्चिमी पड़ोसी के साथ किस प्रकार बरत पाए। उन्होंने न केवल 2014 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को दिल्ली आमंत्रित किया बल्कि 2015 में उनके घर पहुंचकर भी हाथ मिलाने की कोशिश की। अगले कुछ दिन और सप्ताह सबसे कठिन होने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण कारकों में अमेरिका का रुख अहम रहेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों पर, काफी प्रभाव रखने वाली एकमात्र शक्ति के रूप में, ट्रम्प प्रशासन भावनाओं को शांत करने की आस में दोनों पक्षों के संपर्क में है। लेकिन तथ्य यह है कि कोई अमेरिकी विशेष दूत अब तक सूटकेस पैक करके नई दिल्ली या इस्लामाबाद के लिए रवाना नहीं हुआ झ भले ही भारत सार्वजनिक रूप से ‘तीसरे पक्ष’ को बीच में डालने के विचार मात्र को नापसंद करता है झ यह दर्शाता है कि भारत के अलावा दुनिया भर के देशों के साथ टैरिफ पर सौदेबाजी करने में उलझे अमेरिका के पास और भी काम हैं। वास्तव में, उम्मीद है कि टैरिफ पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले शुरुआती देशों में भारत-अमेरिका संधि एक हो सकती है, जिससे आर्थिक चिंता कुछ कम हो पाएगी, जोकि पहलगाम घटना से पहले एक बड़ा मुद्दा रही। फिर, पहलगाम घटना पर डोनाल्ड ट्रम्प की शुरुआती टिप्पणियों पर गौर करें, जब उन्होंने एक सप्ताह पहले प्रेस रिपोर्टरों से कहा : ‘मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के भी बहुत करीब हूं, जैसा कि आप जानते हैं। और कश्मीर को लेकर वे 1,000 वर्षों से झगड़ रहे हैं। कश्मीर का मसला 1,000 वर्षों से जारी है, शायद उससे भी अधिक समय से’। लेकिन जिस प्रकार भारत की ओर से बयानबाजी में तेजी आई, जिसमें देश भर के परिवारों के दुख की गूंज भी शामिल है, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ताजा टिप्पणियों में वही घबराहट झलक रही है, जो 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान बिल क्लिंटन के ब्यानों में थी, जब वे महसूस करने लगे थे कि कहीं टकराव बढ़कर ‘परमाणु युद्ध’ में न बदल जाए। वीरवार को फॉक्स न्यूज को दी गई वेंस की टिप्पणी उसी पुरानी याद जैसी थी। उन्होंने कहा, ‘निश्चित रूप से, मुझे चिंता है कि कहीं मामला बढ़ न जाए, खासकर दो परमाणु शक्तियों के बीच’। वेंस ने आगे कहा : ‘हम उम्मीद करते हैं कि भारत इस आतंकवादी हमले का जबाव कुछ इस तरह से दे कि यह विस्तृत क्षेत्रीय संघर्ष का रूप न ले पाएङ्घ और हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान, जहां तक वह जिम्मेदार हैं, भारत के साथ सहयोग करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसके क्षेत्र से कभी-कभार गतिविधियां चलाने वाले आतंकवादियों का पता लगाया जा सके और उनसे निबटा जाए’। गिलास आधा भरा या आधा खाली? तमाम बड़ी शक्तियों का वह खेल, जो वे दोनों पक्षों के साथ खेलना चाहती हैं, जहां वेंस भारत के प्रति सहानुभूति दर्शा रहे हैं वहीं स्पष्ट रूप से यह भी चाहते हैं कि वह संयम बरते। इसी बीच, वे पाकिस्तान को ‘भारत के साथ सहयोग’ करने के लिए भी कह रहे हैं, जबकि खुद अमेरिका को अंतर्राष्ट्रीय जांच में शामिल होने से दूर रखना चाह रहे हैं और यही पाकिस्तान चाहता है। यहां गौरतलब है कि वेंस को अभी शक है कि आतंकवादी हमेशा पाकिस्तानी इलाके से ही गतिविधियां चलाते हैं-यानि केवल ‘कभी-कभार’। फिर अरब दुनिया का आलम है। पहलगाम घटना पर सऊदी अरब की प्रतिक्रिया में पिछले 10 दिनों में काफी बदलाव आया है झ सनद रहे, नरसंहार के वक्त प्रधानमंत्री मोदी रियाद के दौरे पर थे। उस समय, शक्तिशाली क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में ‘सीमा पार आतंकवाद’ की निंदा की गई थी और कहा गया था कि ‘आतंकी कृत्यों को किसी तरह न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता’। लेकिन जिस प्रकार पाकिस्तान स्थिति का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की कोशिश में लगा है, और इस बीच अपनी रक्षा तैयारियां बढ़ा रहा है और उसने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, अब सऊदी अरब कह रहा है कि दोनों देशों को ‘टकराव आगे बढ़ाने से बचना चाहिए और कूटनीतिक तरीकों से विवादों का हल निकालना चाहिए’। अब आगे क्या? दुनिया ने चाहे प्रधानमंत्री मोदी को कुछ भी कहा हो, लेकिन उन्होंने और उनकी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, खासकर अमेरिकियों को यह स्पष्ट कर दिया होगा कि अगर पाकिस्तान दोषियों को जल्द सजा नहीं देगा, तो भारत के पास मामले को अपने हाथ में लेने के सिवाय कोई विकल्प नहीं होगा। सवाल यह है कि भारत कब तक इंतजार करने को तैयार है और क्या इस फैसले में मानसून अपनी ओर से समय सीमा तय करवाएगा। अगले कुछ दिन और हफ्ते अहम होने वाले हैं।

संपादकीय

जानलेवा परीक्षा

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में तीन छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है। विडंबना ये है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजरअंदाज करते हैं। जो बताता है कि ये प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक संजाल बन जाते हैं। निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए। कोचिंग संस्थानों में नामांकन से पहले अनिवार्य परामर्श और योग्यता परीक्षण मददगार हो सकता है। यह विडंबना ही है कि वर्ष 2018 के दिशा-निर्देश, जिनका मकसद छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और निजी संस्थानों को विनियमित करना था, वे आज अप्रासंगिक हो गए हैं। यह एक हकीकत है कि सख्त निगरानी के बिना नये कानून का भी प्रतीकात्मक बनने का जोखिम बना रहता है। युवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। यदि वे एक परीक्षा या पाठ्यक्रम में सफल नहीं होते तो रोजगार के असंख्य विकल्प उनका इंतजार कर रहे होते हैं।

हमारे संस्कार ही हैं सबसे बड़ी पूंजी

डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा ‘अरुण’

निरंतर आत्मकेंद्रित होते समाज में व्यक्ति का चरम भौतिकतावादी होना किसी भी समाज के लिये खतरे की घंटी है। जीवन मूल्यों का यह पराभव कालांतर में हमारे रिश्ते-नातों को लीलता है। लोक उपकार की भावना तिरोहित होती है। कुल मिलाकर मानवता का हनन होता है। व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य में कमी कालांतर में समाज की दिशा-दशा भी प्रभावित करती है। आज समाज में आर्थिक उपलब्धियों को तो सफलता का पर्याय मान लिया जाता है, लेकिन किसी को भी ‘संस्कारों’ के खोने की कोई चिंता नहीं! अक्सर विभिन्न समाचार-पत्रों व सूचना के अन्य माध्यमों में यह सुनने को मिलता है कि किसी बेटे-बहू ने अपनी मां को घर से निकाल दिया या पिता के साथ रहने से उन्हें परेशानी है तो सहज ही लगता है कि हम अपने मूल भारतीयता के संस्कार पीछे छोड़ते जा रहे हैं! समाज में जीवन मूल्यों और संस्कारों को पराभाव से उपजी टीस के बीच एक प्रेरक और मार्मिक प्रसंग पढ़ने को मिला है, जिसने मुझे उद्वेलित कर दिया है। वह प्रसंग मैं सुधी पाठकों से साझा करना चाहता हूं! एक समय की बात है कि एक बहुत ही गरीब पिता ने मेहनत-मज़दूरी करके अपने बेटे को पढ़ाया-लिखाया और बेटे ने भी पिता की प्रेरणा से जमकर परिश्रम किया। फिर एक दिन ऐसा आया कि बेटा आईएएस की परीक्षा पास कर विभिन्न पदों से गुजरता हुआ ‘जिलाधिकारी’ बन गया! पिता की प्रसन्नता का कोई ठिकाना नहीं था! बेटे की सफलता से पिता का सीना गर्व से फूल गया। लेकिन उसने सोचा कि क्या मेरे दिए संस्कार बेटे में विद्यमान हैं। बड़ा अधिकारी बनने के साथ उसमें मानवीय मूल्य पहले की तरह ही विद्यमान हैं? उसने बेटे की परीक्षा लेनी चाही। फिर जिस दिन बेटा ‘जिलाधिकारी’ की कुर्सी पर बैठा तो गर्वित पिता वहां पहुंचा और उसने अपने बेटे के सिर पर हाथ रखकर पूछा, ‘बेटे, संसार में सबसे बड़ा कौन है?’ पिता के सवाल के जवाब में बेटे ने कहा, ‘पिता जी, मुझसे बड़ा कोई नहीं है!’ पिता को अपने बेटे का उत्तर सुनकर एक झटका-सा लगा। उन्हें लगा कि बेटा विभागीय तरक्की की परीक्षा में तो पास हो गया है, लेकिन लगता है संस्कारों की परीक्षा में सफल नजर नहीं आता। वे निराश भाव से लौटने लगे तो बेटे ने पिता से कहा, ‘पिताजी, अब फिर से अपना सवाल मुझसे नहीं पूछेंगे?’ पहले तो पिता को बेटे के सवाल पर आश्चर्य हुआ। लेकिन फिर उन्होंने बेटे से पूछ ही लिया कि ‘संसार में सबसे बड़ा कौन है?’ तो बेटे ने उत्तर दिया’ ‘पिताजी, आपसे बड़ा कोई भी नहीं है!’ लौटते पिता ने रुक कर पूछा, ‘कुछ देर पहले तो तुमने कहा था कि तुमसे बड़ा और कोई नहीं है, तो अब क्या हुआ?’ बेटे ने शांत भाव से उत्तर दिया, ‘पिताजी, आपने सवाल किया था, तब आपका हाथ मेरे सिर पर रखा हुआ था, इसीलिए मैंने कहा था कि मुझसे बड़ा संसार में कोई नहीं है! लेकिन यह एक हकीकत है कि पिता जी ‘आपसे बड़ा’ तो हो ही नहीं सकता क्योंकि अपने पुत्र को संस्कार देने वाले पिता के अलावा दुनिया में कोई नहीं हो सकता।

निस्संदेह, इस हृदयस्पर्शी मार्मिक प्रसंग ने मेरे हृदय को गहरे तक प्रभावित किया। इसमें दो राय नहीं कि आज की युवा-पीढ़ी को संस्कारों की सच्ची दौलत देने की सख्त आवश्यकता है। इस दिशा में समाज को फिर से प्रयास करने होंगे। निर्विवाद रूप से भारतीय संस्कृति में जिन तीन पूज्य व्यक्तित्वों को शीर्ष स्थान दिया गया है, उनमे माता, पिता और गुरु को रखा गया है। जैसे कहा भी गया है कि ‘मातृदेवो भव, पितृदेवो भव और आचार्यदेवो भव’! इसमें दो राय नहीं किसी भी समाज में माता का ऋण सर्वोपरि है चूंकि मां ही जन्म देकर इस संसार में कुछ करने का अवसर देती है! पिता ही हमें समाज से परिचित कराकर जीवन की ऊंच-नीच से अवगत करते हैं। इसके अलावा हमारे गुरु हमारे जीवन से अज्ञान को मिटाकर हमें ज्ञान देते हैं। तभी हम समाज में कहीं कुछ बन पाते हैं! ये आज के वक्त की विडंबना ही है हम अपनी युवा-पीढ़ी को तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं चांदी-सोना तो खूब देना चाहते हैं, लेकिन संस्कारों को शून्य बनाते जा रहे हैं! महाकवि तुलसीदास ने तो ‘रामचरित मानस’ में स्पष्ट कहा है :-

‘प्रात काल उठि के रघुनाथा!
मातु पिता गुरु नावहिं माथा!’

यह तथ्य विचारणीय है कि आखिर क्यों हम आज पश्चिमी भौतिकता की आंधी में फंस कर अपनी इन संस्कारों की बेशकीमती दौलत को भूल गए हैं? क्यों हमने भारतीय समाज के सबसे बड़े चिंतन को भुला दिया है, जिस में कहा गया था :-

‘गोधन, गजधन, बाजिधन, और रतन धन खान!
जब आवै सन्तोष धन, सब धन धूरि समान!’

निस्संदेह, आज बहुत आवश्यक हो गया है कि ‘सन्तोष धन’ अर्थात ‘आत्म-संतोष’ के उच्चतर जीवनमूल्य को फिर से स्थापित करने के गंभीर प्रयास हम करें! हमें सदैव याद रखना चाहिए कि तमाम सुख और शांति जीवन में भौतिक उपलब्धि हासिल करके नहीं पायी जा सकती बल्कि जीवन के ‘संस्कारों’ से उन्हें पाया जा सकता है! जिस दिन हृदय में ‘सन्तोष का भाव’ आ जाता है, उस दिन हमें सच्चे सुख की अनुभूति सहज ही होने लगेगी!

जंगलों का स्याह सच

आजकल एक किताब पढ़ रहा हूं। इसमें लेखक ने अमेजन नदी के उद्गम से संगम तक की पैदल यात्रा की है। पूरे रास्ते में अत्यधिक घना जंगल पड़ता है, जिसे अमेजन रेनफॉरेस्ट कहते हैं। यह जंगल 5000 किलोमीटर में फैला है। लेखक इस यात्रा में अनगिनत गांवों से होकर गुजरा। ज्यादातर गांववालों का व्यवहार उसके प्रति आक्रामक था। लेकिन एक चीज ने मेरा ध्यान आकर्षित किया। वह यह कि लगभग सभी जनजातीय लोग गोरी चमड़ी वालों को मुंहनोचवा और सिरकाटवा कहते थे। बहुत सारे लोगों ने लेखक को भी मुंहनोचवा माना। लेखक ने लिखा कि उनका यह व्यवहार केवल गोरी चमड़ी वालों के लिए ही था। अमेजन के दुर्गम जंगलों में रहने वाले आदिवासी लोग क्यों इतने आक्रामक हुए? इसका जवाब दिया प्रवीण वाधवा की एक फेसबुक सीरीज ने। उन्होंने भी खूब यात्राएं कीं। ध्यान रहे कि जब कोलंबस भारत के लिए चला, तो अमेरिका पहुंच गया। उसे इंडिया नाम दिया और वहां के निवासियों को कहा– इंडियन। उनकी चमड़ी पर लालिमा थी, तो उन्हें रेड इंडियन भी कहा गया। बाद में स्पष्ट हो गया कि यह इंडिया नहीं है। खैर, स्पेन ने दक्षिण अमेरिका पर कब्जा करना शुरू कर दिया। स्पेनिश सेनाएं गईं और जंगलों से लकड़ी, मसाले व चांदी लूटकर स्पेन भेजने लगीं। स्पेनिशों की कालोनियां बसीं, लोगों को ईसाई बनाया गया, भाषा–परिवर्तन और संस्कृति परिवर्तन भी हुए। स्थानीय निवासी अमेजन के जंगलों में भाग गए। बाद में बहुत सारे स्पेनिशों ने स्थानीय युवतियों से विवाह किए, बच्चे पैदा किए और स्थायी रूप से यहीं बस गए। चूंकि गोरे लोगों ने कई सौ वर्षों तक स्थानीय निवासियों पर भयंकर अत्याचार किए थे, इसलिए वे गोरों के दुश्मन बन गए। इसलिए गोरों के प्रति बहुत सारी किंवदंतियां भी बन गईं, जिन्हें वे आज भी सच मानते आ रहे हैं। आज जहां जंगल में बड़े शहर हैं, वहां तो गोरों का उतना विरोध नहीं होता, लेकिन दूर जंगलों में गोरों को देखते ही मार डालने की प्रथा है। एक और कारण है शिक्षा और रोजगार के अवसरों की कमी के कारण स्थानीय लोग जंगलों में अफीम आदि उगाते हैं। जंगलों का बहुत बड़ा हिस्सा पुलिस और कानून व्यवस्था से दूर है। स्थानीय लोग अपने रास्तों से ड्रग को शहर तक पहुंचा देते हैं। एजेंटों के जरिये नशे की यह सारी खेप मेक्सिको तक पहुंच जाती है और आखिर में अमेरिका। यानी जंगलों में ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क बहुत मजबूत है।

ब्लॉग चर्चा

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है ?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है ? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें ? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लेकेनहोरस्ट ने कहा, हरी पत्तेदर सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द ?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है ? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

संक्षिप्त समाचार

शादी से लौट रही स्कॉर्पियो को ट्रक ने मारी टक्कर

● सात से ज्यादा लोग घायल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत डाकबंगला के पास सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जब मधुपुर एनएच मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो सड़क पर पलट गई और उसमें सवार सात से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल मधुपुर के रहने वाले हैं और रांची में एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही बेंगाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को स्कॉर्पियो से बाहर निकाला गया। जेसीबी मशीन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाया गया और सभी घायलों को इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल एवं नवजीवन हॉस्पिटल भेजा गया। घायलों में मो. मोईन, मो. गुड्डू, फरजाना परवीन, गौस रज़ा और शाहिदा खातून शामिल हैं, जिनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

गिरिडीह में श्रीमद्भागवत कथा को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा

● श्रद्धा और भक्ति का दिखा अनुपम संगम

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के अरगाघाट सार्वजनिक दुर्गा मंडप में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर सोमवार को शहर में एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें करीब 501 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर पूरे शहर का भ्रमण किया। इस धार्मिक आयोजन में महिलाओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु, आयोजन समिति के सदस्य तथा स्थानीय लोग भी शामिल हुए। गाजे-बाजे, भजन-कीर्तन और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक रविंद्र कृष्ण महाराज भी यात्रा में सम्मिलित रहे और भक्तों के साथ नगर भ्रमण किया। कलश यात्रा अरगाघाट नदी तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महिलाओं ने कलश में पवित्र जल भरा और पुनः दुर्गा मंडप लौटीं, जहाँ कथा से पूर्व धार्मिक विधि-विधान आरंभ किए गए। इस आयोजन में भाजपा नेता प्रकाश दास, नवीन सिन्हा सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे। अब आने वाले सात दिनों तक भक्तगण श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

बीएन साहा डीएवी स्कूल नए भवन में स्थानांतरित, शिक्षा में आधुनिक युग की शुरुआत

● बी एन साहा डीएवी पब्लिक स्कूल ने नए भवन में किया स्थानांतरण, शिक्षा के नए युग की शुरुआत

गिरिडीह, प्रतिनिधि। बुलाकी रोड बी एन साहा डीएवी पब्लिक स्कूल ने अपने पुराने भवन से स्थानांतरित होकर नए, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन में प्रवेश किया। इस अवसर पर स्कूल परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, नए भवन में स्मार्ट क्लासरूम, उन्नत विज्ञान प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय और बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे विद्यार्थियों को एक बेहतर और समग्र शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा। स्थानांतरण का उद्देश्य न केवल विद्यालय के भौतिक विस्तार को बढ़ावा देना है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक प्रेरणादायक और आधुनिक शैक्षणिक ढांचा उपलब्ध कराना भी है। इस विशेष अवसर पर क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. प्रबीर हाज़रा, प्राचार्य योगेश्वर शर्मा, सभी शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने इस नई शुरुआत पर खुशी जाहिर की और विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तोड़ाई नदी में बरामद हुआ अज्ञात शव, नहीं हो पाई शिनाख्त

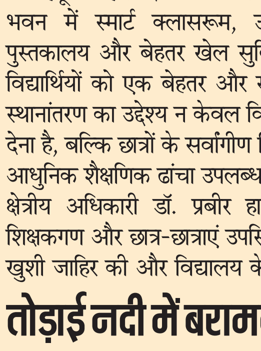

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र स्थित ईशाकपुर के पास तोड़ाई नदी में एक अज्ञात शव बरामद हुआ है। शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, जिसके कारण स्थानीय पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।सूत्रों के अनुसार, स्थानीय निवासियों ने नदी में शव को देखा और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शव की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और इस मामले में जल्द ही कुछ ठोस जानकारी सामने आने की संभावना है।पुलिस का कहना है कि इस घटना के पीछे हत्या, दुर्घटना या अन्य किसी कारण का अभी तक कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला है। फिलहाल, शव की पहचान और मामले के कारण की जांच की जा रही है।मृतक की पहचान होने पर ही इस मामले की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस इस मामले में आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और यह भी जांच रही है कि शव नदी में कैसे पहुंचा।

प्रियदर्शी आईएएस अकादमी दिल्ली के गिरिडीह सेंटर का शुभारंभ

साइंस वर्ल्ड के साथ हुआ प्रारम्भ

गिरिडीह, प्रतिनिधि। होटल गिरनार इन में भव्य सेमिनार व शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे प्रो. जय प्रकाश वर्मा, पूर्व विधायक गांडेय गिरिडीह जैसे विकास से दूर इलाके के बच्चों के आईएएस/आईपीएस व अधिकारी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी हेतु यूपीएससी द्वारा चयनित अधिकारी और योग्य टीम द्वारा होटल गिरनार में 4 मई को एक भव्य सेमिनार व स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस अकादमी के मुख्य मेंटर आईएएस रिटायर्ड के.एस. सरोज हैं। साथ ही सलाहकार के रूप में डॉ सुरेश वर्मा, अधिकारी गृह मंत्रालय, भारत सरकार हैं। प्रियदर्शी अकादमी के छात्र रहे सोनू कुमार साह , झारखण्ड वित् सेवा में चयनित हुए हैं. उसने भी गिरिडीह सेंटर उद्धघाटन पर हर्ष व्यक्त किया है। सेमिनार के दौरान गिरिडीह के साइंस वर्ल्ड के निदेशक रविंद्र विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। इस दौरान सैकड़ों प्रतियोगी छात्र उपस्थित रहे। जिसमें सेमिनार के दौरान सिविल सेवा की तैयारी व रणनीति पर गहन जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया की दिल्ली के फैकल्टी भी इस सेण्टर में आकर सिविल सेवा की तैयारी करवाएंगे। इस दौरान दिल्ली में सिविल सेवा की तैयारी कर रही सुम्मी परवीन ने भी अपने विचार साझा किए। परवीन ने इस अकादमी के उद्घाटन पर बेहद खुशी जाहिर की। मुख्य अतिथि प्रो जय प्रकाश वर्मा ने इस अकादमी को गिरिडीह के लिए एक वरदान बताया। उन्होंने प्रियदर्शी आईएएस अकादमी दिल्ली की गिरिडीह शाखा के उद्घाटन करते हुए अत्यन्त प्रशंसा व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अकादमी आपके बच्चों का भविष्य संवारेगी। जिनके बच्चे सिविल सेवा की तैयारी करना चाहते हैं, यह उनके लिए उनका निःशुल्क सहयोग और विशेषज्ञ मार्गदर्शन आपकी और आपके बच्चों की सफलता सुनिश्चित करेगा। अकादमी के दिल्ली सेंटर के निदेशक अर्चित आनंद गिरिडीह केंद्र के उद्घाटन पर हर्ष व्यक्त किया और बताया कि उनका संकल्प शत प्रतिशत रिजल्ट देना है। इस कार्यक्रम में विद्याकुलम् ट्यूटोरियल के निदेशक मिथलेश कुमार ने भी इस कदम को गिरिडीह के छात्रों के हित में बताया। 11वीं और 12वीं, स्नातक या स्नातकोत्तर करने वाले छात्रों के लिए, दिल्ली के संकायों के साथ निःशुल्क डेमो क्लास के साथ बैच की घोषणा भी इस दौरान की गई। इस दौरान पार्श्वनाथ कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। जिसमें गिरिडीह, देवघर के नामचीन साहित्यकारो ने भाग लिया जिसमें प्रो महेश अमन, उदय शंकर उपाध्याय, सोनम झा देवघर, अंत्रिका सिंह, भीम कुमार, तुलसी विश्वास, डॉ. सुरेश वर्मा, नेतलाल यादव, हलीम असद, प्रदीप गुप्ता, विशाल पंडित इत्यादि। प्रियदर्शी आईएएस अधिकारी ग्रामीण कंटेंट क्रिएटर के उत्साहवर्धन हेतु उन्हें झारखंड कंटेंट क्रिएटर अवार्ड से सम्मानित किया। जिसमें अजय तरवे, विवेक वर्मा, अजय वर्मा, सिद्धार्थ सिंह, खुशी शॉर्ट्स, प्रतिभा शॉर्ट्स, सिंगर अजय राज यादव, बरुन कुमार, अनिल कश्यप, रोहित, गौतम राणा, सचिन कुमार इत्यादि। सेमिनार के दौरान स्कॉलरशिप टेस्ट का भी आयोजन हुआ जिसमें प्रथम स्थान निशा कुमारी को मिला जिसे शुल्क में 80 प्रतिशत की छूट मिली। कार्यक्रम का संचालन ओज कवि विशाल पंडित और अंत्रिका सिंह रविंद्र विद्यार्थी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने आठ योजनाओं का रखा आधारशिला

● कहा बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र का संपूर्ण विकास ही है हमारा उद्देश्य

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने बड़कागांव प्रखंड में आठ विकाश योजनाओं की आधारशिला रखी। जिसमें से ग्रामीण कार्य विभाग से सीसीएल उरीमारी चेक पोस्ट से तिलैया तक सड़क सुदृदीकरण कार्य जिसका लंबाई 2.300 किलोमीटर है। भवन प्रमंडल हजारीबाग से डीएमएफटी मद अंतर्गत बड़कागांव प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय जरजरा, शिवाड़ीह पंचायत में पीएम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय शिवाडीह एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय नालापार हरली बड़कागांव के उन्नयन कार्य योजना का शिलान्यास।

ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल हजारीबाग द्वारा प्रखंड के पुंदौल से मरदूसोती तक पथ सुदृदीकरन कार्य जिसकी लंबाई 2.020किमी है। लघु सिंचाई विभाग प्रमंडल हजारीबाग डीएमएफटी मद अंतर्गत प्रखंड बड़कागांव के ग्राम अंबाजीत में राजकीय मध्य विद्यालय का उन्नयन कार्य। लघु सिंचाई प्रमंडल विभाग से चंदौल पंचायत के ग्राम महंगाई खुर्द में रानी तालाब का जीर्णोद्वार कार्य।

ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल हजारीबाग टी 02 से सुकुल खपिया तक पद का सुदृदीकरण कार्य जिसकी लंबाई 2.800 किमी है। इन सभी योजनाओं का विधायक रोशन लाल चौधरी ने शीलान्यास किया। स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा सभी शिलान्यास स्थलों पर ढोल नगाड़े के साथ स्वागत किया गया। विधायक ने कहा कि हमारा एक ही उद्देश्य है बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र का संपूर्ण विकास कराना।

विधानसभा क्षेत्र के किसी भी ग्रामीणों को कोई भी समस्या हो तो हमसे संपर्क करें उनकी हर समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

मौके पर मुख्य रूप से आजसू रामगढ़ जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी, आजसू केंद्रीय सचिव कोलेश्वर गंझू, मुखिया बेबी देवी,भाजपा पूर्वी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा,रामचंद्र साहू, पूर्व जिप सदस्य टुकेश्वर प्रसाद, पूर्व मुखिया भीखन महतो, आजसू जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र कुमार,जिला सचिव वीरेंद्र प्रसाद, आजसू प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, सचिव मनोज दांगी, दिनेश दागी, मुरली दांगी, केदार महतो, जगदीश महतो, सनित महतो, चिंतामणि महतो, अशोक महतो सहित सैकड़ो भाजपा आजसू कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

उपायुक्त कार्यालय बना शराबी जवान का अखाड़ा

● भाजपा नेता ने की बर्खास्तगी की मांग

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के समाहरणालय परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब उपायुक्त कार्यालय के बाहर एक पुलिस जवान ने शराब के नशे में हंगामा शुरू कर दिया। जवान की बेतुकी हरकतों से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मुफ्फसिल थाना प्रभारी और पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद जवान को काबू में किया और कार्यालय से हटाया। सवाल ये है कि प्रशासनिक भवन में इस तरह की लापरवाही कैसे हुई और इसकी जवाबदेही किसकी है। घटना के समय भाजपा नेता कामेश्वर पासवान अपने दल के साथ डीसी को ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि वे गिरिडीह में रह रहे पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर कार्रवाई की मांग कर रहे थे, तभी एक ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी नशे में गाली- गलौज करने लगा। भाजपा नेता ने ऐसे जवान को तुरंत बर्खास्त करने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना ये है कि प्रशासन इस शर्मनाक घटना पर कितनी गंभीरता दिखाता है।

गिरिडीह की जाम और अतिक्रमण से मुक्ति की कवायद तेज़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने उपायुक्त से की बड़ी मांग

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह शहर की जाम और अतिक्रमण से जूझती सड़कों को लेकर अब निर्णायक पहल की मांग उठने लगी है। गिरिडीह जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने उपायुक्त को पत्र लिखकर नगर निगम क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त और सुगम यातायात वाला बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ तात्कालिक बैठक बुलाने की अपील की है। यह मांग 3 मई को पुलिस अधीक्षक और चेम्बर के पदाधिकारियों के बीच हुई लंबी बैठक के बाद सामने आई, जिसमें शहर की दुर्दशा और यातायात व्यवस्था पर गंभीर चर्चा हुई। चेम्बर अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला ने प्रस्ताव दिया है कि उपायुक्त की अध्यक्षता में पुलिस, नगर निगम, परिवहन और पथ निर्माण विभाग सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों जैसे सिविल सोसाइटी, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, बार एसोसिएशन के साथ एक बृहद बैठक कर ठोस निर्णय लिया जाए। उनका कहना है कि यह कदम गिरिडीह की छवि संवारने और नागरिकों को राहत देने के लिए बेहद ज़रूरी है। चेम्बर ने इसे आज़ादी के अमृत महोत्सव का हिस्सा बताते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपील की है।

पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने की मांग को लेकर भाजपा ने निकाला आक्रोश मार्च

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह में पाकिस्तानियों भारत छोड़ो के नारो की आवाज को बुलंद करते हुए प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की ओर से आक्रोश प्रदर्शन मार्च निकाला गया। यह मार्च पपरवाँटांड स्थित दुर्गा मंडप से आरंभ होकर उपायुक्त कार्यालय तक गया। इस आक्रोश प्रदर्शन मार्च में भारतीय जनता पार्टी के जमुआ विधायक डॉ मंजू कुमारी और बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो के अलावा भारी संख्या में भाजपा सैकड़ो की संख्या में महिला व पुरुष कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पपरवाँटांड से उपायुक्त कार्यालय तक पैदल मार्च किया एवं पाकिस्तानियों और बांग्लादेशी घुसपैठियों भारत छोड़ो का नारा लगाया। इस दौरान झारखंड में रह रहे पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों को तत्काल झारखंड सहित पूरे भारत से निकलने की मांग की। मौके पर भाजपा की जमुआ विधायक डॉ मंजू कुमारी ने कहा कि पहलगाम में 28 बेगुनाह को धर्म पूछ कर हत्या करने वाले आतंकी, जो पाकिस्तान से आए थे उनके इस कायरता पूर्ण कार्य को लेकर भारत सरकार ने यहां रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर दिया है। ऐसे में पूरे देश से पाकिस्तानियों की पहचान कर उन्हें वापस पाकिस्तान भेजने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन झारखंड सरकार ने अभी तक किसी भी पाकिस्तानी नागरिकों और बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने की पहल शुरू तक नहीं की है।

अपनी इसी मांग को लेकर राज्यपाल के नाम गिरिडीह उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया है। वहीं बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो ने कहा की भारत में यह ऐसी पहली घटना है जिसमें आतंकवादियों द्वारा नाम और धर्म पूछ कर 26 निर्दोष भारतीयों की ह,त्या की गई है। इस तरह की घटना बड़ी ही चिंता का विषय है इस दौरान उन्होंने आम लोगों से यह अपील की है कि आपके आसपास के क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों और बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करें और नजदीकी थानों में इसकी सूचना दें जिससे उन्हें वापस भेजने का काम किया जा सके। साथ ही उन्होंने झारखंड सरकार और झारखंड के राज्यपाल से मांग की है की गिरिडीह के साथ-साथ पूरे झारखंड में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों और बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उनको वापस उनके देश भेजने का काम करें। मौके पर जमुआ विधायक डॉ मंजू कुमारी, बगोदर विधायक नागेंद्र महतो, जिलाध्यक्ष महादेव दुबे, सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव, भाजपा नेता प्रो जयप्रकाश वर्मा, कामेश्वर पासवान, उषा कुमारी, विनय सिंह, प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा, महिला मोर्चा कि संगीता सेठ, शालिनी वैशखियार, संदीप डंगाईच, रंजन सिन्हा, सुभासचंद सिन्हा, मिथुन चंद्रवंशी समेत कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

खाट पर स्वास्थ्य व्यवस्था : लचर सिस्टम ने ली गर्भवती महिला की जान

संवाददाता द्वारा

दुमका। झारखंड में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था का मामला समय समय पर मीडिया की सुर्खिया बनती है. विपक्षी पार्टियों को मुद्दा मिल जाता है तो शासन और प्रशासन द्वारा जांच की बात कह कर पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है. एक बार फिर झारखंड की उपराजधानी दुमका में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था का मामला सामने आया है. सिस्टम की लापरवाही से गर्भवती महिला की मौत हो गई.

मामला गोपीकांदर थाना क्षेत्र के कुरुम्भा गांव का है. जानकारी के अनुरूप रविवार को गांव की बिनीता हेंब्रम को प्रसव वेदना शुरू हुई. पति सोम मुर्मू का आरोप है कि 10 बजे दिन में एम्बुलेंस के लिए फोन किया ताकि समय पर पत्नी को सीएचसी गोपीकांदर में भर्ती कराया जा सके. घरवाले एम्बुलेंस का इंतजार करते रहे। 11.30 तक एम्बुलेंस नहीं पहुंचने पर गांव की सहिया ने एम्बुलेंस के लिए कॉल किया. उसके बाद एम्बुलेंस पहुंची। गर्भवती महिला को सीएचसी गोपीकांदर ले जाया गया जहां डॉ ने उसे मृत घोषित कर दिया. शव घर ले जाने के लिए परिजन को निजी वाहन करना पड़ा. घर तक वाहन पहुंचने का रास्ता नहीं होने के कारण मुख्य सड़क से घर तक खाट के सहारे शव पहुंचाया गया. परिजनों का आरोप है कि अगर समय पर एम्बुलेंस पहुंच जाता तो बिनीता और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की जान बच सकती थी। बिनीता की मौत से 4 बच्चों के सर से मां का साया उठ गया.

इस बाबत सिविल सर्जन डॉ बच्चा प्रसाद सिंह ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है. किस परिस्थिति में समय पर एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाया इसकी जांच की जाएगी.जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है. सवाल उठता है कि बिनीता की मौत का जिम्मेवार कौन? बिनीता के चार बच्चों का परवरिश कैसे होगा? कब तक झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था खाट पर टंगी रहेगी? स्वास्थ्य मंत्री इसी संताल परगना प्रमंडल के एक विधान सभा क्षेत्र से चुनकर विधायक बने है, जो खुद डॉक्टर है। मंत्री अपने बड़बोलेपन और लंबी चौड़ी बातों के लिए जाने जाते है। क्या इस मामले पर भी स्वास्थ्य मंत्री संज्ञान लेंगे?

जिला खनन कार्यालय का कंप्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) रिश्वतखोरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है राजधानी रांची में इस वर्ष का छठा ट्रैप केस सामने आया है। जिसमें 2 हजार रुपए रिश्वत लेते डिस्टिक माइनिंग ऑफिस के कंप्यूटर ऑपरेटर बिन्देश तिर्की को गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी को रांची अनगड़ा थाना क्षेत्र के पीड़ित अश्वन तिर्की ने लिखित आवेदन देकर सूचित किया था कि इनका एक ट्रैक्टर जिसका रजिस्टेशन नं0-जेएच01एफई-8096 है। उसे उनका ड्राइवर सोमरा मुण्डा की ओर से सरकारी कार्य के लिए तिलमीसेरेन घाटी से बालू लादकर जोन्हा ले जा रहा था। बालू ले जाने के क्रम में राहे अंचल अधिकारी की ओर से ट्रैक्टर को पकड़ लिया गया और सिल्ली थाना को सौंप दिया गया।

बीते 28 अप्रैल को सिल्ली थाना के प्रभारी की ओर से फोन पर बताया गया कि ट्रैक्टर का चालान खनन विभाग, रांची को भेज दिया गया है और वहीं जाकर फाईन भरकर ट्रैक्टर को छुड़वा सकते है। रांची जिला खनन कार्यालय में खनन विभाग के कर्मचारी अब्दुल हाफिज की ओर से ट्रैक्टर छोड़ने के मामले को लेकर बोला गया कि काम हो जायेगा। 10 हजार रुपया ऑनलाइन फाइन और 42 हजार रुपया नगद रिश्वत के रूप में देना होगा। रिश्वत की मांग किए जाने के बाद पीड़ित की ओर से एसीबी को आवेदन दिया गया। आवेदन का विधिवत सत्यापन के बाद जिला खनन ऑफिस के कर्मचारी अब्दुल हाफिज पर लगे आरोपों को सत्य पाया गया। फिर एसीबी के टीम ट्रैप की गई। जैसे ही ट्रैप करने के लिए एसीबी की टीम पहुंची। आरोपी अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित नहीं पाया गया।

उसके बदले जिला खनन कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर बिन्देश तिर्की की ओर से बोला गया कि वह काम कर देगा। उसकी ओर से कार्य करने का 2 हजार रुपया हिस्सा बनता है। उसको दे दें और बाकी पैसा अब्दुल हाफिज लेगें। इसके बाद एसीबी ने पीड़ित अश्वन तिर्की से रिश्वत की राशि 2 हजार रुपये लेते हुए बिन्देश तिर्की जिला खनन कार्यालय से रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

5 दिन पूर्व आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बुगो यादव की गई मौत पर विधायक पीड़ित परिवार से मिलकर दी सांत्वना

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट

सोमवार को बेलहर के जदयू विधायक मनोज यादव शाम 5:00 बजे फुल्लीडुमर प्रखंड के कैथा पंचायत अंतर्गत जगतपुर इटहरी गांव 5 दिन पूर्व आकाशीय बिजली गिरने से स्वर्गीय गुलाब यादव के 70 वर्षीय पुत्र बूगो यादव की मौत पर पीड़ित परिवार से मिलने उनके पैतृक आवास पहुंचे। वहीं विधायक ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाते हुए पंडित परिवार को हर संभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। वहीं विधायक ने पीड़ित परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य से काम लेने की बात कहते हुए उन्हें सांत्वना दी। वहीं इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख गौतम प्रकाश,उप प्रमुख बेनी शंकर यादव,प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष चंदन कुमार, भाजपा के मंडल अध्यक्ष अनुजानंद अनुज, समाजसेवी इंजीनियर लखनलाल देव, पैक्स अध्यक्ष राजेश यादव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अनंत कुमार, पंसस प्रणव कुमार मंडल, उप मुखिया राजकुमार देव, पूर्व सैनिक परमेश्वर यादव सहित दर्जनों गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

ऑटो पलटने से 4 लोग जख्मी, 2 रेफर

सं सू पंकज कुमार ठाकुर।

चांदन (बांका) चांदन देवघर मुख्य सड़क मार्ग के सरसा मोड़(झारखंड) के समीप ऑटो पलटने से चार लोग जख्मी हो गए। जानकारी के अनुसार चांदन पंचायत के नावाडीह गांव निवासी ऑटो चालक महेश तुरी उम्र करीब 30 वर्ष पिता कालेश्वर तुरी आज दोपहर को सूर्याहु पर्व में घर आये मेहमान को नावाडीह गांव से जसीडीह रेलवे स्टेशन पहुंचाने के दौरान सरसा मोड़ के समीप पहुंचते ही तीखी मोड़ पर ऑटो पलट गई।जिसके चपेट में आने से ऑटो चालक महेश तुरी पिता कालेश्वर तुरी व ब्यूटी कुमारी उम्र 19 वर्ष पिता नंदलाल तुरी सा0भुदा (बरमसिया)धनवाद निवासी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जबकि कविता देवी पति नुनलाल तुरी सा0 मुदा बरमसिया (धनवाद)निवासी व नुनलाल तुरी मामूली रूप से जख्मी हो गई। घटना की सुचना पर पहुंचे स्वजनों ने इलाज हेतु आनन-फानन में सभी जख्मियों को सीएचसी चांदन पहुंचाया। जहां ऑन ड्यूटी डॉ शशिकांत कुमार,डॉ प्रति कुमारी ने जख्मी ब्यूटी कुमारी व महेश तुरी को प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल देवघर रेफर कर दिया।

शिवराज ने की उत्तराखंड की खेती किसानी की समीक्षा

देहरादून/नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को उत्तराखंड में खेती किसानी की समीक्षा की और राज्य को सभी प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। श्री चौहान ने राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के साथ देहरादून में उत्तराखंड की कृषि व्यवस्था पर विचार विमर्श किया। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद श्री चौहान ने कहा कि विचार-विमर्श का मुख्य केंद्र उत्तराखंड की कृषि में केंद्र सरकार के योगदान और उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित रहा। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में %हाउस ऑफ हिमालयाज को एक मुख्य संस्थान के रूप में स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कृषि के क्षेत्र में अद्भुत काम हुआ है। जब नया राज्य बना तो खेती का क्षेत्रफल में कम हो गया, लेकिन उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महिलाओं के स्व सहायता समूह, किसान उत्पादक संघ, कृषि उत्पादों के एकत्रीकरण, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, जीआईटेक जैसे मसलों पर राज्य को हर प्रकार का सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए लाल चावल, बाजरा और जंगली शहद का उल्लेख किया। इसके एक विशेष दल राज्य में भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास के लिए पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में व्यापक सर्वेक्षण किया जा रहा है। कच्चे आवासों में भी रहने वाले लोगों को पक्का मकान प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में सब बसाहटों को सम्मिलित कर लिया जाएगा। लखपति दीदी अभियान पर उत्तराखंड सरकार बहुत तेजी से काम कर रही है। इसके लिए भी आवश्यक धनराशि प्रदान की जाएगी।

गृह मंत्रालय ने कई राज्यों से किसी भी हमले की तैयारी के लिए 'मॉक ड्रिल' करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच कई राज्यों से सात मई को 'मॉक ड्रिल' आयोजित करने को कहा है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि ड्रिल के दौरान किए जाने वाले उपायों में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन और नागरिकों को किसी भी हमले की स्थिति में खुद को बचाने के लिए सुरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षण देना शामिल है। अन्य उपायों में दुर्घटना की स्थिति में 'ब्लैकआउट' के उपाय, महत्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की रक्षा तथा निकासी योजनाओं को अद्यतन करने एवं उनका पूर्वाभ्यास करने के प्रावधान शामिल हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा अपने विकल्पों पर विचार करने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शीर्ष रक्षा अधिकारियों सहित कई उच्चस्तरीय बैठकें कर रहे हैं। इस हमले में 26 नागरिक मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। मोदी ने हमले को अंजाम देने वालों और साजिश करने वालों का ''दुनिया के आखिरी छोर तक पीछा करने'' और ''उनकी कल्पना से भी'' ज्यादा कठोर सजा देने का संकल्प जताया है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया जापान के संसदीय प्रतिनिधिमंडल का अपने राज्य में स्वागत

पंकज नाथ
आदिवासी एक्सप्रेस, असम

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कल शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर असम आए जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष नुकागा फुकुशिरो और उनके उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का राज्य में भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री सरमा ने इस यात्रा को असम और जापान के बीच संबंधों के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। कल शनिवार शाम को लोक सेवा भवन में अपने कार्यालय में अध्यक्ष और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, ÷मैं हमारे खूबसूरत राज्य असम में अध्यक्ष और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करना अपना सम्मान मानता हूं । यह

यात्रा असम और जापान के बीच संबंधों को गहरा करने का एक प्रमाण है। यह यात्रा जापानी कंपनियों को सहयोग बढ़ाने के लिए असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों की ओर देखने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी। अध्यक्ष के सम्मान में बोलते हुए, मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि यह यात्रा एडवांटेज असम 2.0 की पृष्ठभूमि में सहयोगी पहलों के माध्यम से जापान के साथ असम की रणनीतिक साझेदारी को नई गति देगी। मुख्यमंत्री ने नुकागा फुकुशिरो को असम में व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र से अवगत कराया। निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन से पहले इस साल फरवरी में अपनी जापान यात्रा और स्पीकर के साथ अपनी बैठक का जिक्र करते हुए असम के युवाओं को जापान में लाभकारी रोजगार के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कामरूप जिले के अमीनगांव में आसियान वन तकनीकी केंद्र में जापानी भाषा और परीक्षण केंद्र शुरू करने के लिए असम की तत्परता से अवगत कराया। असम की यात्रा के लिए स्पीकर को धन्यवाद देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह सिर्फ एक यात्रा नहीं है- यह लोगों के बीच आपसी जुड़ाव और भविष्य के सहयोग का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जापानी प्रतिनिधिमंडल की असम यात्रा पर अपना विश्वास व्यक्त किया है और कहा कि यह यात्रा असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को भारत और जापान के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों से लाभ उठाने में मदद करेगी। इससे पहले, असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने असम के समृद्ध व्यापार परिदृश्य और सहयोग के संभावित क्षेत्रों को प्रदर्शित करते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने असम की रणनीतिक स्थिति को भी प्रस्तुत किया जो दुनिया की 35 प्रतिशत आबादी के लिए एक खिड़की है। उन्होंने उद्योग, पर्यटन, कौशल, रोजगार आदि, खान एवं खनिज, पर्यावरण एवं वन, शिक्षा, एक्ट ईस्ट पॉलिसी, नवाचार, इनक्यूबेशन एवं स्टार्टअप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आदि क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री नंदिता गारलोसा, मुख्य सचिव रवि कोटा, भारत में जापान के राजदूत केइची ओनो सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कल मुख्यमंत्री द्वारा जापान के प्रतिनिधि मंडल की भव्य स्वागत के बाद आज प्रतिनिधि मंडल ने कामरूप जिले में स्थापित आईआईटी गुवाहाटी के साथ साथ आज सुबह कामरूप जिले के अमीनगांव में आसियान-वन टेक्निकल सेंटर का भी दौरा किया जहां उनलोगों का स्वागत राज्य के पर्यटन, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास और खेल और युवा कल्याण मंत्री नंदिता गारलोसा ने किया।

'पाकिस्तान साइबर फोर्स' का सैन्य प्रतिष्ठानों का डेटा हैक करने का दावा, भारत ने बढाई साइबर सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान समर्थित एक सोशल मीडिया अकाउंट ' पाकिस्तान साइबर फोर्स' के भारतीय सैन्य इंजीनियरिंग सेवा और मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस से संवेदनशील डेटा की हैकिंग के दावे के बाद भारतीय सैन्य साइबर सुरक्षा तंत्र सुरक्षा ढांचे और डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के साथ साथ साइबर घुसपैठ के प्रयासों से सुरक्षा के लिए उचित और आवश्यक उपाय कर रहा है।

सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि ट्विटर अकाउंट 'पाकिस्तान साइबर फोर्स' समूह ने दावा किया है कि उसने कथित तौर पर भारतीय सैन्य इंजीनियरिंग सेवा और मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस से संवेदनशील डेटा तक पहुंच प्राप्त

कर ली है। इस दावे के अनुसार साइबर हमलावरों ने लॉगिन क्रेडेंशियल सहित रक्षा कर्मियों से संबंधित व्यक्तिगत जानकारी भी संभवत हासिल की है।

यह भी दावा किया गया है कि समूह ने रक्षा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की आधिकारिक वेबसाइट से भी छेड़छाड़ की और उसे विरूपित करने का प्रयास किया। वेबसाइट पर पाकिस्तान के झंडे और अल खालिद टैंक का उपयोग करके उसे खराब करने की बात कही गयी है।

एहतियाती उपाय के रूप में आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की वेबसाइट को पूरी तरह से और जानबूझकर ऑडिट के लिए ऑफ़लाइन कर दिया गया है, ताकि खराब करने के प्रयास से होने वाले किसी भी संभावित नुकसान की सीमा का आकलन किया जा सके और वेबसाइट की अखंडता सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एजेंसियां किसी भी अतिरिक्त साइबर हमले का पता लगाने के लिए साइबरस्पेस की सक्रिय रूप से निगरानी कर रही हैं।

पाकिस्तान से जुड़े खतरनाक तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इस निरंतर निगरानी का उद्देश्य साइबर हमलावरों द्वारा भविष्य में उत्पन्न होने वाले किसी भी जोखिम जल्दी से पता लगाकर उसे कम करना है। सूत्रों ने कहा है कि इस स्थिति में सुरक्षा ढांचे और डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने तथा साइबर घुसपैठ के प्रयासों से सुरक्षा के लिए उचित और आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य सेनाओं को भविष्य के साइबर खतरों से बचाने के लिए तैयार करना है।

मुखिया पति के आकस्मिक निधन से पंचायत में शोक

आदिवासी एक्सप्रेस/रूपेश कुमार राज/भागलपुर

सन्हौला प्रखंड स्थित महेशपुर-घनश्यामचक पंचायत के मुखिया गीता देवी के पति सह मुखिया प्रतिनिधि अजय कुमार मंडल (55) का आकस्मिक निधन हो गया। अजय मंडल अपने पीछे दो पुत्र संतोष कुमार एवं सूरज कुमार छोड़ गए हैं। सोमवार को कहलगांव शमशान घाट पर अजय मंडल के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया। बड़े पुत्र संतोष कुमार ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। स्वजनों ने बताया कि अजय मंडल बीमार चल रहे थे, रविवार को अचानक तबियत ज्यादा बिगड़ गया, स्वजनों ने तुरंत मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां ईलाज के दौरान अजय ने अंतिम सांसे ली। इस मौके पर जदयू नेता शुभानंद मुकेश, सन्हौला बीडीओ शेखर सुमन, प्रमुख अनिल पासवान, पूर्व जिप सदस्य विकास मंडल, सन्हौला व्यापार मंडल अध्यक्ष सह महेशपुर-फरिदमपुर पैक्स अध्यक्ष चंदन कुमार, पोठिया मुखिया कुंजबिहारी चौधरी, माधोपुर-बथानी मुखिया मंजर आलम, श्रीचक-कमालपुर मुखिया प्रतिनिधि फजलू रहमान, मु. हिबजुल, मु. इरफ़ान, अनिल मंडल सहित पंचायत व प्रखंड के काफी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एलओसी पर तनाव के बीच रक्षा सचिव ने पीएम मोदी से की मुलाकात, सैन्य तैयारियों की दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी लगातार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री पूरे मामले पर तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक भी कर चुके हैं।

माना जा रहा है कि रक्षा सचिव ने सोमवार को हुई इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री को ताजा हालात और सैन्य तैयारियों की जानकारी दी। वहीं, सोमवार को ही नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री ने भारत के रक्षा मंत्री से मुलाकात की।

इससे पहले रविवार को भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को मौजूदा स्थिति और एयरफोर्स की तैयारियों से अवगत कराया। यह मुलाकात करीब 40

मिनट तक चली।

वहीं, शनिवार को नौसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। इस बीच सोमवार को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान जापानी रक्षा मंत्री ने भारत को अपना समर्थन दिया।

उन्होंने बताया कि जापान भारत के साथ खड़ा है। भारत और जापान के रक्षा मंत्रियों की इस महत्वपूर्ण बैठक में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भी चर्चा हुई। जापान के रक्षा मंत्री नाकातानी ने पहलगाम हमले के मामले में भारत के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। इससे पहले भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने रक्षा सचिव से मुलाकात की थी। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से यह मुलाकात हुई थी। इस बैठक के दौरान जापान के राजदूत ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की थी। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले समेत आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी सेना नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का लगातार उल्लंघन कर रही है। जापान के रक्षा मंत्री फिलहाल भारत में हैं और इस बीच 4-5 मई की रात के दौरान भी पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी की है। पाकिस्तान बीते 11 दिनों से नियंत्रण रेखा पर इस तरह की फायरिंग कर रहा है। सेना के मुताबिक 4-5 मई की रात को पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार से गोलीबारी की है।

विदेश मंत्री जयशंकर से मिले जापानी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा, पहलगाम हमले के खिलाफ जताया समर्थन

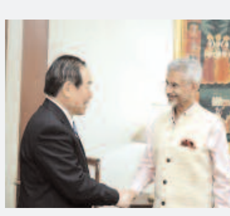

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा ने सोमवार को नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फुकुशिरो नुकागा से मुलाकात करने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, आज दिल्ली में जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से उनके संसदीय सहयोगियों और व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर प्रसन्नता हुई। आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए जयशंकर ने धन्यवाद कहा। उन्होंने लिखा, ÷पहलगाम आतंकवादी हमले पर एकजुटता और समर्थन व्यक्त करने के लिए उनका धन्यवाद। जापान के साथ भारत के रिश्ते को मजबूत करने की बात करते हुए जयशंकर ने लिखा, ÷भारत और जापान के बीच इस स्वाभाविक संबंध को विकसित करने में उनके नेतृत्व की सराहना करता हूं। प्रतिभाओं के आदान-प्रदान को बढ़ाने, व्यापार संबंधों को बढ़ाने और प्रौद्योगिकी साझेदारी बनाने के एजेंडे को विकसित करने पर सहमति हुई। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया था। इस हमले 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

नए सीजेआई के नेतृत्व वाली पीठ वक्फ अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर 15 मई को सुनवाई करेगी: न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अगले प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई के नेतृत्व वाली पीठ 15 मई को विचार करेगी। मौजूदा प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना 13 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ जैसे ही सुनवाई के लिए बैठी, सीजेआई ने कहा, ''कुछ ऐसे पहलू हैं, जिनसे आप (केंद्र) निपट चुके हैं, लेकिन उस पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। मैं इस अंतरिम चरण में कोई निर्णय या आदेश सुरक्षित नहीं रखना चाहता। इस मामले की सुनवाई यथोचित रूप से शीघ्र करनी होगी और यह मेरे समक्ष नहीं होगी।''

न्यायमूर्ति खन्ना के 13 मई को सीजेआई पद से सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद न्यायमूर्ति गवई अगले सीजेआई के रूप में उनका स्थान

लेंगे। सीजेआई ने कहा, ''हमने (केन्द्र के) जवाबी हलफनामे का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है। हां, आपने पंजीकरण (वक्फ संपत्तियों के) के संबंध में कुछ बिंदु उठाए हैं और कुछ विवादित आंकड़े दिए हैं, जिन पर कुछ विचार करने की आवश्यकता होगी।''

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई की सेवानिवृत्ति का जिक्र करते हुए कहा, ''हम आपके (सीजेआई) सामने आकर इस मामले को उठाना पसंद करते, क्योंकि हर सवाल का जवाब होता है। हालांकि, हम आपको परेशान नहीं कर सकते, क्योंकि समय नहीं है।'' विधि अधिकारी ने कहा, ''माननीय न्यायाधीश को (सेवानिवृत्ति के बारे में) याद दिलाना कष्टदायक है।'' सीजेआई ने जवाब दिया, ''नहीं नहीं, मैं इसका इंतजार कर रहा हूं।'' उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि केन्द्र का हलफनामा विस्तृत है और इसमें पिछली तारीख पर व्यक्त की गई चिंताओं से संबंधित अधिकतर मुद्दों पर बात की गई है। सीजेआई ने कहा कि केंद्र द्वारा संदर्भित और दूसरे पक्ष की ओर से विवादित कुछ आंकड़ों से निपटना पड़ सकता है तथा मामले की सुनवाई किसी भी उचित समय पर पहले करनी होगी।

हालांकि, उन्होंने कहा कि समय की कमी के कारण उनके नेतृत्व वाली पीठ के समक्ष यह संभव नहीं होगा। उन्होंने याचिकाओं पर आगे की सुनवाई मनोनीत प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति गवई की पीठ के समक्ष 15 मई के लिए सूचीबद्ध कर दी।

इससे पहले, केंद्र ने 17 अप्रैल को शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि वह 5 मई तक न तो वक्फ संपत्तियों को ''वक्फ बाय यूजर'' के रूप में चिह्नित करेगा, और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्तियां करेगा।

केंद्र ने पीठ को यह आश्वासन देते हुए कहा कि संसद द्वारा ''उचित विचार-विमर्श'' के साथ पारित किए गए कानून पर सरकार का पक्ष सुने बिना रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। इसने केंद्रीय वक्फ परिषदों और बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने की अनुमति देने वाले प्रावधान पर रोक लगाने के अलावा, 'वक्फ बाय यूजर' सहित वक्फ संपत्तियों की अधिसूचना रद्द करने के खिलाफ अंतरिम आदेश पारित करने के शीर्ष अदालत के प्रस्ताव का भी कड़ा विरोध किया। बाद में 25 अप्रैल को, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने 2025 के संशोधित वक्फ अधिनियम का बचाव करते हुए 1,332 पृष्ठ का एक प्रारंभिक हलफनामा दायर किया तथा संसद द्वारा पारित कानून पर अदालत द्वारा किसी भी ''पूर्ण रोक'' का विरोध किया। केंद्र ने शीर्ष अदालत से वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह किया, जिसमें कुछ प्रावधानों के बारे में ''शरारतपूर्ण झूठे विमर्श'' की ओर इशारा किया गया। इसने पीठ से कानून के प्रावधानों पर रोक न लगाने का आग्रह किया और दावा किया कि 2013 से वक्फ संपत्तियों में 116 प्रतिशत की ''चौंकाने वाली वृद्धि'' हुई है।

केंद्र ने 8 अप्रैल तक 'वक्फ बाय यूजर' संपत्तियों के आवश्यक पंजीकरण पर तर्कों का भी विरोध किया और कहा कि यदि इस प्रावधान में अंतरिम आदेश द्वारा हस्तक्षेप किया गया, तो यह ''न्यायिक आदेश द्वारा विधायी व्यवस्था का निर्माण'' होगा।

हलफनामे में इन दलीलों का खंडन किया गया कि कानून में बदलाव के कारण केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में मुसलमान अल्पसंख्यक हो सकते हैं। इसमें 'वक्फ बाय यूजर' संपत्तियों के प्रावधान को उचित ठहराते हुए कहा गया कि किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप ''न्यायिक आदेश द्वारा विधायी व्यवस्था'' का निर्माण करेगा।

'वक्फ बाय यूजर' से तात्पर्य ऐसी प्रथा से है, जिसमें किसी संपत्ति को धार्मिक या धर्मार्थ बंदोबस्ती (वक्फ) के रूप में मान्यता उसके ऐसे प्रयोजनों के लिए दीर्घकालिक, निर्बाध उपयोग के आधार पर दी जाती है, भले ही मालिक द्वारा वक्फ की कोई औपचारिक और लिखित घोषणा न की गई हो।

लिट्टन दास की अगुवाई में बंगलादेश की टीम यूएई और पाकिस्तान का करेगी दौरा

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने यूएई और पाकिस्तान के आगामी दौरों के लिए लिट्टन दास की अगुवाई में वाली 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है।लिटन दास को सभी प्रारूपों में कप्तान के अनुभव को देखते हुए बंगलादेश की टी-20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। साथ ही ऑफ स्पिनर मेहदी हसन को उप कप्तान बनाया गया है। दास को अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए भी टीम नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान अस्थाई कप्तान के रूप में बंगलादेश की टीम को विदेशी धरती पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने में मदद की। उन्होंने अब तक एक टेस्ट, सात एकदिवसीय और चार टी-20 में बंगलादेश की कप्तानी की है। बंगलादेश क्रिकेट के अध्यक्ष नजमुल आबेदीन ने कहा कि लिटन दास अगले साल टी-20 विश्वकप तक टीम की कप्तानी करेंगे। लिटन के लिए अनुभव एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। दास टेस्ट और एकदिवसीय कप्तानी के लिए दावेदार हैं, लेकिन इन पदों पर निर्णय कुछ समय के लिए नहीं लिया जाएगा।

मांडविया ने शिक्षकों के साथ चलाई साइकिल

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अगुवाई में सुबह आयोजित फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के नवीनतम संस्करण में शिक्षकों, एथलीटों, फिट इंडिया प्रभावितों और फिटनेस प्रेमियों सहित 750 प्रतिभागियों ने भाग लिया।आज यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित 'शिक्षकों के साथ साइकिल चलाना' विषय पर लेकर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मांडविया ने कहा कि शिक्षक हमारे छात्रों के नायक हैं और अब आपको विकसित भारत के नायक बनना है। आप सभी साइकिल चलाना एक फैशन बना सकते हैं और मैं सभी शिक्षकों से आग्रह करता हूं कि वे स्वयं साइकिल का उपयोग फिर से शुरू करें और छात्रों से भी इसका अनुकरण करने को कहें। हम डिजिटल युग में हैं लेकिन हमें अपनी शारीरिक फिटनेस में भी सुधार करने की जरूरत है। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई), माई भारत और राज्य सरकारों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में खेल सचिव हरि रंजन राव, टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया, ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता दीपक पुनिया, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक रोहताश चौधरी (भारत के पुश-अप मैन) और प्रसिद्ध पर्वतारोही नरेंद्र कुमार के साथ राष्ट्रीय स्तर की कई हस्तियों, स्कूलों, विश्वविद्यालयों और निजी संस्थानों सहित शहर भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षक, सलाहकार और अकादमिक प्रशिक्षक ने साइकिल चलाई।

सात साल में पहली बार श्रीलंका महिला टीम ने भारत को हराया

कोलंबो। चामरी अट्टापट्टू और सुगंधिका कुमारी (तीन-तीन विकेट) के अच्छे प्रदर्शन के बाद हर्षिता समाराविक्रमा (53) और नीलाक्षी डिसिल्वा (56) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर श्रीलंका महिला टीम ने त्रिकोणीय श्रृंखला के चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को पांच गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया। सात सालों में श्रीलंका की भारत पर यह पहली एकदिवसीय जीत है। 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 30 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट हसिनी परेरा (22) रनआउट के रूप में गवां दिया। इसके बाद हर्षिता समाराविक्रमा ने विष्मी गुणारत्ने के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में अरुंधति रेड्डी ने विष्मी गुणारत्ने (33) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद 27वें ओवर में प्रतिका रावल ने हर्षिता समाराविक्रमा (53) को आउटकर भारत को चौथी सफलता दिलाई। कप्तान चामरी अट्टापटू (23), कविशा दिलहारी (35) और देवमी विहंगा (एक) रन बनाकर आउट हुईं। नीलाक्षी डिसिल्वा ने 33 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (56) रनों की पारी खेली। आखिरी ओवर में भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी कर मैच को रोमांचक बना दिया था। अनुष्का संजीवनी (23) और सुगंधिका कुमारी (19) रन बनाकर नाबाद रहीं। श्रीलंका ने 49.1 ओवर में सात विकेट पर 278 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया।

श्रीपर्णा डे ने जिमनास्टिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीते चार स्वर्ण पदक

अगरतला। त्रिपुरा की जिमनास्ट श्रीपर्णा डे ने कलात्मक जिमनास्टिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राज्य के लिए चार प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीते। पुणे में आयोजित चैंपियनशिप में श्रीपर्णा ने 42.40 अंकों के शानदार समग्र स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। वॉल्टिंग टेबल (11.55), अनइवन बार्स (8.30), बैलेंसिंग बीम (11.35) और फ्लोर एक्सरसाइज (11.20) में कुशलता और संयम का परिचय दिया। श्रीपर्णा ने तीन श्रेणियों- वॉल्टिंग टेबल, बैलेंसिंग बीम और फ्लोर एक्सरसाइज में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन अतिरिक्त स्वर्ण पदक हासिल किए। लगभग दोषरहित निष्पादन के साथ श्रीपर्णा ने वॉल्टिंग टेबल में 11.800, बैलेंसिंग बीम में 11.033 और फ्लोर एक्सरसाइज में 10.300 स्कोर किया। हालांकि असमान बार्स में पदक उसके हाथ से निकल गया, लेकिन चैंपियनशिप में उसके कुल स्वर्ण पदकों की संख्या बढ़कर चार हो गई।

पंजाब किंग्स की जीत पर कोच पोंटिंग ने कहा-धर्मशाला का माहौल शानदार, घरेलू मैच जीतते रहना जरूरी

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अपने होम लेग की शुरुआत पंजाब किंग्स ने जोरदार अंदाज़ में की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने प्रभसिमरन की तारीफ करते हुए कहा, वो पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल रहा है। मैंने आज दोनों ओपनर्स (प्रियांशु और प्रभसिमरन) को चुनौती दी थी कि कोई एक शतक बनाए। दुर्भाग्य से प्रभसिमरन थोड़े रन से चूक गए, लेकिन उनका इरादा साफ था। वह इस टीम को सफल बनाना चाहता है और आज उसकी झलक भी मिली।

जॉश इंग्लिस को ऊपर भेजने की रणनीति पर बोले पोंटिंग

कोच ने बताया कि जॉश इंग्लिस को नंबर 3 पर भेजना कप्तान श्रेयस अय्यर की सोच थी। उन्होंने कहा, हमें लगा था कि लखनऊ की ओर से

मयंक यादव शुरुआत में गेंदबाज़ी करेंगे और वह आमतौर पर शॉर्ट गेंद फेंकते हैं। ऐसे में इंग्लिस को ऊपर भेजना सही रहेगा क्योंकि पुल शॉट उनकी ताकत है, जैसा कि आज उन्होंने दिखाया।

अर्शदीप को बताया टीम की ताकत

पोंटिंग ने अर्शदीप की गेंदबाज़ी की भी सराहना की और कहा, अर्शदीप हर मैच के साथ बेहतर होता जा रहा है। वह अब नई गेंद से पावरप्ले में विकेट लेने लगा है, जो हमें उसकी क्षमता पर पहले से भरोसा था। आज का उनका पहला ओवर ही मैच की लय तय कर गया। वह एक स्टार गेंदबाज़ है और हमारे लिए बेहद अहम खिलाड़ी है।

धर्मशाला की भीड़ से हुए प्रभावित

धर्मशाला की भीड़ और माहौल की तारीफ करते हुए पोंटिंग ने कहा, आज का माहौल कमाल का था। यह स्टेडियम बेहद खूबसूरत है और हम चाहते हैं कि हमारे सभी घरेलू मैचों में जीत हासिल करें। हमारा अगला मुकाबला दिल्ली के खिलाफ इसी मैदान पर है और हमें उम्मीद है कि वहां भी शानदार समर्थन मिलेगा और खिलाड़ी फिर वही प्रदर्शन दोहराएंगे। पंजाब किंग्स अब 8 मई को धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। टीम का लक्ष्य घरेलू मैदान पर लगातार जीत दर्ज कर विपक्षी टीमों पर दबाव बनाना है।

भारत में खेलों में एआई क्रांति का मार्ग प्रशस्त कर रहे फैंटेसी स्पोर्ट्स: प्रो. विशाल मिश्रा का श्वेत पत्र जारी

एजेंसी

मुंबई। भारत को वैश्विक एआई हब बनाने के दृष्टिकोण के तहत कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और एफआईएफएस स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन के विशेषज्ञ सलाहकार प्रो. विशाल मिश्रा ने खेलों में भारत की एआई क्रांति के लिए उत्प्रेरक के रूप में फैंटेसी स्पोर्ट्स शीर्षक से एक श्वेत पत्र जारी किया। यह विमोचन मुंबई में आयोजित वेव्स 2025 (विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन) के तहत किया गया। यह श्वेत पत्र एफआईएफएस (फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स), गूगल क्लाउड और ड्रीम11 की साझेदारी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की खेल एआई चुनौती स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन पर आधारित है। इसका उद्देश्य भारत की तकनीकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए, एआई/एमएल मॉडल के माध्यम से वास्तविक खेल समस्याओं के समाधान विकसित करना था। प्रो. मिश्रा के अनुसार, फैंटेसी स्पोर्ट्स केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि वे डेटा-संचालित नवाचार का प्रवेशद्वार हैं। ये प्लेटफ़ॉर्म न केवल प्रशंसकों को जोड़ता है, बल्कि एथलीट के प्रदर्शन, रणनीति और निर्णय लेने में भी क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं।- उन्होंने यह भी बताया कि इस पहल ने इंडिया एआई के कौशल विकास और एप्लिकेशन निर्माण लक्ष्यों को मजबूती से आगे बढ़ाया है। -फैंटेसी स्पोर्ट्स को एक व्यापक एआई प्रयोगशाला और नवाचार मंच के रूप में मान्यता देने की आवश्यकता है। -स्पोर्ट्स डेटा गेमथॉन को कौशल निर्माण और वास्तविक समय मॉडल तैनाती के लिए एक स्केलेबल मॉडल के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

प्रीमियर लीग 2024-25 : चेल्सी ने गत चैंपियन लिवरपूल को 3-1 से हराया

एजेंसी

लंदन। प्रीमियर लीग 2024-25 के एक अहम मुकाबले में चेल्सी ने चैंपियन लिवरपूल को 3-1 से हराकर चैंपियंस लीग क्वालिफिकेशन की अपनी उम्मीदों को ज़िंदा रखा। चेल्सी के लिए एनजो फर्नांडीज, कोल पाल्मर और एक आत्मघाती गोल स्कोरिंग में शामिल रहे।

शुरुआत से ही हावी रही चेल्सी

मैच की शुरुआत से ही चेल्सी ने आक्रामक खेल दिखाया और तीसरे मिनट में ही बढ़त बना ली। कोल पाल्मर के पास पर नेटो ने गेंद एनजो फर्नांडीज को दी, जिन्होंने गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी।

क्वांसाह का आत्मघाती गोल और पाल्मर की वापसी

दूसरा गोल भी पाल्मर की चालाकी से आया, जब उनकी एक क्रॉस को क्लीयर करने की कोशिश में लिवरपूल के डिफेंडर जारेल क्वांसाह ने अपने ही गोल में बॉल डाल दी। मैच के अंतिम पलों में पाल्मर ने पेनल्टी के जरिए अपना पहला गोल जनवरी के बाद किया। यह पेनल्टी क्वांसाह द्वारा मोइसेस कैइसेडो को गिराने के बाद मिली।

वैन डाइक ने की कोशिश, लेकिन देर हो चुकी थी

84वें मिनट में वर्जिल वैन डाइक ने कॉर्नर पर गोल कर लिवरपूल को एकमात्र संजीवनी दी, लेकिन टीम इस बढ़त को पाट नहीं सकी।- **चेल्सी पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर:** एंजो मारेस्का की कोचिंग में चेल्सी अब 63 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और चौथे स्थान पर मौजूद न्यूकैसल से केवल गोलों के आधार पर पीछे है। दोनों टीमें तीसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे हैं, जबकि तीन मुकाबले शेष हैं।

मेड्रिड ओपन 2025: कैस्पर रूड ने जैक ड्रेपर को हराकर जीता पहला मास्टर्स खिताब

एजेंसी

मैड्रिड। नॉर्वे के टेनिस स्टार कैस्पर रूड ने रात को मैड्रिड ओपन 2025 का खिताब जीतते हुए इतिहास रच दिया। 14वीं वरीयता प्राप्त रूड ने खिताबी मुकाबले में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 7-5, 3-6, 6-4 से मात दी। यह रूड का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। 26 वर्षीय रूड ने इस खिताब को अपने 18वें क्लेकोर्ट फाइनल में हासिल किया।

चोट के बावजूद दिखाया जज्बा, दिग्गजों को दी मात

रूड ने सेमीफाइनल में पसली में चोट लगने के बावजूद दमदार प्रदर्शन किया और ड्रेपर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने टेलर फ्रिट्ज, दानिल मेदवेदेव और फ्रांसिस्को सेरुंडोलो जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को हराया था।

ड्रेपर से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी

पहले सेट में रूड 3-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने दो बार ड्रेपर की सर्विस तोड़कर सेट 7-5 से अपने नाम किया। हालांकि ड्रेपर ने दूसरा सेट 3-6 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। तीसरे सेट में रूड ने 3-2 की बढ़त बनाते हुए अंत में 6-4 से सेट और मैच अपने नाम कर लिया।

ड्रेपर बने वर्ल्ड नंबर 5, रूड को दी बधाई

हालांकि जैक ड्रेपर को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अब आज जारी होने वाली नई एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वोच्च रैंकिंग यानी विश्व

नंबर 5 पर पहुंच जाएंगे। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, कैस्पर, तुम्हें बहुत-बहुत बधाई। तुमने मुश्किल पलों में मुझसे ज्यादा हिम्मत दिखाई। यह खिताब तुम्हारे मेहनत का फल है।

एफ1 मियामी जीपी 2025: पियास्त्री ने लगाई जीत की हैट्रिक

एजेंसी

मियामी। ऑस्कर पियास्त्री ने मियामी ग्रां प्री जीतकर न केवल अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की, बल्कि मैकलॉरेन टीम को भी एक और यादगार वन-टू फिनिश दिलाया। चौथे स्थान से रेस शुरू करने वाले ऑस्ट्रेलियाई ड्राइवर ने शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए जीत दर्ज की और अब वह चैंपियनशिप में टीममेट लैंडो नॉरिस से 16 अंकों से आगे हैं। दो साल पहले मियामी में सबसे धीमी टीम कही जाने वाली मैकलॉरेन ने अब वही रेस 35 सेकंड से ज्यादा के अंतर से जीत ली।

पियास्त्री ने जीत के बाद कहा, यह अविश्वसनीय है कि हम वहीं हैं जहां पहले हम लैप डाउन होते थे।

वेरस्टैपेन की पोल से जीत न होने की परंपरा बरकरार

रेड बुल के मौजूदा चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन पोल पोजिशन से रेस शुरू करने के बावजूद चौथे स्थान

पर रहे। मैकलॉरेन के दोनों ड्राइवरों ने उन्हें ओवरटेक किया और मियामी में पोल पोजिशन से जीत नहीं होने की परंपरा को कायम रखा। मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन वह भी विजेता से 37.644 सेकंड पीछे रहे। विलियम्स के एलेक्स एल्बोन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि मर्सिडीज के किमी एंटोनेली और फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर व लुईस हैमिल्टन क्रमशः छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे।

रेस की शुरुआत में ही नॉरिस और वेरस्टैपेन की भिड़ंत

रेस की पहली लैप में ही रोमांच देखने को मिला जब लैंडो नॉरिस और मैक्स वेरस्टैपेन के बीच टर्न-2 पर टक्कर हुई, जिससे नॉरिस को ट्रैक से बाहर जाना पड़ा और तीन स्थानों का नुकसान हुआ। हालांकि, स्टीवर्ड्स ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। नॉरिस ने कहा, अगर मैं आगे नहीं जाता तो लोग शिकायत करते, और अगर जाता हूं तो भी शिकायत होती है। मैक्स के साथ तो या टक्कर होगी या ओवरटेक नहीं हो पाएगा।

फ्लॉलेस ड्राइव से पियास्त्री ने रचा इतिहास

पियास्त्री ने एंटोनेली को लैप-4 में ओवरटेक किया और फिर वेरस्टैपेन को भी पीछे छोड़ा। नॉरिस ने भी शानदार वापसी करते हुए लैप-17 तक वेरस्टैपेन को पार किया और दूसरे स्थान पर आए। रेस के दौरान तीन बार वर्चुअल सेफ्टी कार आई, जिसमें अल्पाइन, हास और सोबर की गाड़ियों ने रेस छोड़ी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी मैच में 1-0 से दर्ज की जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की ओर से एक मात्र गोल नवनीत कौर (21वें मिनट) ने किया। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने सीरीज का अंत मजबूती से किया। मैच के पहले क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने दबदबा बनाया और दो पेनल्टी कॉर्नर जीते लेकिन भारतीय टीम के मजबूत डिफेंस ने उन्हें गोल करने से रोक दिया। दूसरे क्वार्टर के छह मिनट बाद भारतीय टीम ने उप कप्तान नवनीत कौर के फील्ड गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में दोनों टीमें गोल करने के लिए बेताब थीं, लेकिन भारतीय टीम ने संयम बनाए रखा और अपनी बढ़त का सफलतापूर्वक बचाव किया। अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया को एक महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, उन्होंने बराबरी करने का मौका गंवा दिया और अंत में भारतीय टीम ने 1-0 से जीत दर्ज की। दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो हार और सीनियर टीम के खिलाफ दो हार के बाद भारतीय टीम ने अंतिम मैच में मेजबान टीम के खिलाफ जीत दर्ज की। इस तरह भारतीय टीम ने जीत के साथ सीरीज का अंत किया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता रिकॉर्ड 34वां बुंडेसलीगा खिताब, लेवरकुसेन की ड्रॉ से तय हुई जीत

एजेंसी

बर्लिन। जर्मन फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख ने बिना कोई मैच खेले ही अपना 34वां बुंडेसलीगा खिताब जीत लिया। यह उनकी लगातार 12वीं और कुल मिलाकर रिकॉर्ड 34वीं बार जर्मन लीग खिताब पर कब्जा है। खिताब की यह स्थिति तब बनी जब उनकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बायर लेवरकुसेन फ्राइबर्ग के खिलाफ 2-2 की बराबरी पर रुक गई। बायर्न म्यूनिख ने आरबी लाइपजिग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला था, जिससे लेवरकुसेन को खिताबी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए जीत दर्ज करनी जरूरी थी। लेकिन फ्राइबर्ग ने शानदार खेल दिखाते हुए उन्हें रोक दिया।

फ्राइबर्ग ने पहले ही हाफ में बना ली बढ़त

फ्राइबर्ग ने मुकाबले में आक्रामक शुरुआत की। 44वें मिनट में मैक्सिमिलियन एगेस्टीन के

डिफ्लेक्टेड शॉट से टीम ने पहला गोल किया। दूसरे हाफ के चौथे मिनट में लेवरकुसेन के डिफेंडर पिएरो हिंकापी ने आत्मघाती गोल कर फ्राइबर्ग को 2-0 की बढ़त दिला दी।

देर से आया लेवरकुसेन का जवाब, लेकिन नहीं बचा सका खिताब

लेवरकुसेन ने मैच के अंतिम मिनटों में वापसी की कोशिश की। 82वें मिनट में फ्लोरियन विट्ज़ ने शानदार गोल किया और फिर स्टॉपेज टाइम में जोनाथन ताह ने बराबरी दिलाई। लेकिन तीसरा गोल नहीं कर पाने के कारण वे जीत से चूक गए।

बायर्न के नाम अब 34 बुंडेसलीगा खिताब

इस ड्रॉ के बाद लेवरकुसेन 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रह गई, जबकि बायर्न म्यूनिख 76 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

दो मुकाबले शेष होने के बावजूद कोई टीम अब बायर्न को नहीं पछाड़ सकती, और इसी के साथ बायर्न ने 1963 में बुंडेसलीगा की शुरुआत के बाद से अपना रिकॉर्ड 34वां खिताब जीत लिया।

भोपाल की ग्रैपलिंग टीम ने जीते 30 पदक

भोपाल। राजधानी भोपाल की टीम ग्रैपलिंग ने राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में धुआंदार प्रदर्शन दिखाते हुए 30 पदक जीतकर तीसरी चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर ली है. इस प्रतियोगिता का आयोजन इंदौर में एमेच्योर ग्रैपलिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश एवं इंदौर जिला ग्रैपलिंग एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से किया गया, जिसमे देश भर के 150 से ज्यादा खिलाडी हिस्सा लेने पहुंचे थे. भोपाल की टीम के खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 17 रजत, और 5 कांस्य पदक हासिल किये इस प्रतियोगिता के समापन में मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष, एवं मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी और विक्रम पुरस्कार विजेता ओमप्रकाश खत्री उपस्थित रहे. भोपाल टीम के कोच निखिल यादव ने टीम के प्रदर्शन पर प्रसन्नता और गौरव व्यक्त किया।

आईपीएल 2025: पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजाएंट्स को 37 रनों से हराया

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 54वें मुकाबले में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजाएंट्स को हाई स्कोरिंग मुकाबले में 37 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसके पास 11 मैचों में 15 अंक हैं।पंजाब की ओर से मिले 237 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पारी के तीसरे ओवर में ही मिचेल मार्श बिना खाता खोले आउट हो गए। फिर इसी ओवर की पांचवी गेंद पर दूसरे ओपनर एडन मार्करम भी 13 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद टीम को हर थोड़े अंतराल पर झटका लगता रहा। निकोलस पूरन ने 6 रन, कप्तान ऋषभ पंत 18 रन, डेविड मिलर 11 बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि टीम के लिए थोड़ा संघर्ष आयुष बडोनी और अब्दुल समद ने किया। जिन्होंने छठे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की। अब्दुल समद 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद

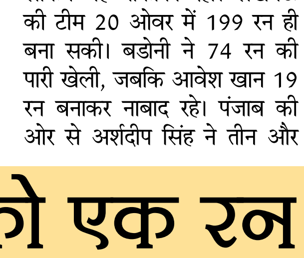

बडोनी ने आवेश खान के साथ 34 रन की एक छोटी पार्टनरशिप की लेकिन वह नाकाफी रही। लखनऊ की टीम 20 ओवर में 199 रन ही बना सकी। बडोनी ने 74 रन की पारी खेली, जबकि आवेश खान 19 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन और अजमतुल्लाह ओमरजाई ने दो विकेट चटकाए। जबकि मार्को यानसेन और युजवेंद्र चहल को एक-एक सफलता मिली।इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 236 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंजाब के लिए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 91 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने जोश इंग्लिश (30 रन) और कप्तान श्रेयश अय्यर (45 रन) का भरपूर साथ मिला। वहीं, आखिर में शशांक सिंह ने 15 गेंदों में 33 रन और मार्कस स्टॉयनिस ने 5 गेंदों में 15 रन जड़कर टीम के स्कोर को 236 तक पहुंचा दिया।लखनऊ के लिए आकाश सिंह और दिग्वेश राठी को दो-दो सफलता मिली। जबकि प्रिंस यादव के खाते में एक विकेट आया।

आईपीएल 2025 : रोमांचक मुकाबले में केकेआर ने आरआर को एक रन से हराया

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 53वां मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में केकेआर ने आरआर को मात्र एक रन से हरा दिया। कोलकाता के ईडन गार्डेंस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 206 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 205 रन ही बना सकी और एक रन से मुकाबला हार गई। इस मुकाबले में जीत के साथ कोलकाता की टीम 11 मैचों में 5 में जीत और 5 हार के साथ अंक तालिका में छठे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं राजस्थान की टीम 12 मैचों में तीन में जीत और नौ में हार के साथ 8वें नंबर पर मौजूद है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल की पहले ही ओवर में वैभव सूर्यवंशी के रूप में बड़ा झटका लगा। वैभव इस मैच में जल्दी आउट हो गए और मात्र 4 रन बना सके। अगले ओवर में कुणाल सिंह राठौर बिना खाता खोले आउट हो गए। दो विकेट जल्दी गंवाने के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान रियान पराग ने अच्छी साझेदारी की और छह ओवर की समाप्ति तक टीम के स्कोर को 50 रन के पार पहुंचा दिया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 50 रन से ज्यादा

की साझेदारी हो गई थी, इस बीच यशस्वी बड़ा शॉट मारने की कोशिश में कैच आउट हो गए। यशस्वी ने 21 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाए। फिर आठवें ओवर में राजस्थान को दो झटके लगे। पहले ध्रुव जुरेल और फिर वानिंदु हसरंगा बिना खाता खोले आउट हो गए। आधी टीम के पवेलियन लौटने के बाद रियान पराग ने शिमरॉन हेटमायर के साथ पारी को आगे बढ़ाया। पराग ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की और हेटमायर के साथ शानदार साझेदारी कर टीम का स्कोर 15 ओवर में 150 के पार पहुंचा दिया। यह साझेदारी हेटमायर का विकेट गिरने के साथ टूटी। हेटमायर 23 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। बाद में पराग भी बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच आउट हो गए। पराग ने 45 गेंदों पर 6 चौके और 8 छक्कों की मदद से 95 रन की शानदार पारी खेली। आखिरी में शुभम दुबे और जोफ्रा आर्चर ने टीम को जीताने की भरपूर कोशिश की, लेकिन जीत से मात्र एक रन दूर रह गए। जोफ्रा ने आठ गेंदों पर 12 रन बनाए। शुभम 14 गेंदों में 25 रन बनाकर नाबाद रहे। केकेआर की तरफ से वरुण चक्रवर्ती, मोईन अली, हर्षित राणा ने 2-2 विकेट लिए, जबकि वैभव अरोड़ा को एक विकेट मिला। इससे पहले कोलकाता की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 206 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और 13 रन के स्कोर पर पहला विकेट गिर गया। सुनील नरेन 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे और रहमानुल्लाह गुरबाज ने पारी को आगे बढ़ाया।

2029 तक 17 अरब डॉलर का होगा स्क्रीन एंटरटेनमेंट बाजार

एजेंसी
नई दिल्ली। देश में स्क्रीन मनोरंजन बाजार 2029 तक 17 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह डिजिटल प्लेटफार्मों से संचालित और टेलीविजन और फिल्मों द्वारा समर्थित होगा। मीडिया पार्टनर्स एशिया (एमपीए), आईपी हाउस और भारतीय उद्योग परिसंघ यानी सीआईआई की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन वीडियो 8.6 अरब डॉलर का योगदान देगा, जो 2029 तक सबसे बड़ा राजस्व सेगमेंट बन जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेलीविजन सेगमेंट के राजस्व में गिरावट आएगी फिर भी 6.8 अरब डॉलर के साथ यह दूसरा सबसे बड़ा सेगमेंट बना रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्में 1.9 अरब डॉलर की कमाई करने के लिए तैयार हैं, जो हाइब्रिड रिलीज रणनीतियों और मल्टीप्लेक्स पुनरुद्धार के माध्यम से लगातार बढ़ रही हैं। तीनों प्रारूप एक साथ मिलकर पारंपरिक से डिजिटल की ओर बदल रहे हैं जबकि ये हाइब्रिड, मल्टी-स्क्रीन भविष्य में भी अस्तित्व में रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, 2029 तक भारत की स्क्रीन अर्थव्यवस्था की कमाई में प्रत्येक दो डॉलर में से एक डॉलर ऑनलाइन वीडियो से आएगा। यह टेलीविजन से आगे निकल जाएगा और यह देश में कहानियों को देखने के तरीके को पुनः परिभाषित करेगा। रिपोर्ट का अनुमान है कि 2029 तक कुल सामग्री निवेश 7.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। ऑनलाइन वीडियो पर होने वाला खर्च पहली बार टेलीविजन के बराबर होगा।

आधिकारिक रिकॉर्ड से हटेंगे 3300+ कंपनियों के नाम; एक साल में भी कारोबार शुरू नहीं, अब दिया आवेदन

नई दिल्ली। कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय 3,300 से अधिक कंपनियों के नाम आधिकारिक रिकॉर्ड से हटा देगा। मंत्रालय के पास उपलब्ध ताजे आंकड़ों के अनुसार, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) ने कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अप्रैल में इन कंपनियों के नाम हटाने के संबंध में सार्वजनिक नोटिस जारी किए। उपरोक्त 3,300 कंपनियों में से महाराष्ट्र में 700 से अधिक, दिल्ली में लगभग 500, कर्नाटक में 350 से अधिक, गुजरात, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 200-200 से अधिक कंपनियां हैं। कंपनी रजिस्ट्रार को कंपनी अधिनियम की धारा 248(2) के तहत कुछ आधारों पर कंपनियों से आवेदन मिले थे। इनमें यह भी शामिल था कि वे अपनी स्थापना के एक वर्ष के भीतर कारोबार शुरू करने में विफल रहीं या उन्होंने दो वित्त वर्षों की अवधि के दौरान कोई कारोबार नहीं किया। इस वर्ष मार्च के अंत तक देश में कुल 28.52 लाख पंजीकृत कंपनियों में से 18.51 लाख सक्रिय कंपनियां थीं। धारा 248(2) के तहत, कोई कंपनी अपनी सभी देनदारियों को समाप्त करने के बाद विशेष प्रस्ताव या 75 प्रतिशत सदस्यों की चुकता शेयर पूंजी की सहमति से कुछ शर्तों के अधीन नाम हटाने के लिए आवेदन कर सकती है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर वार्ता में लग सकता है और समय, अभी भी अनसुलझे हैं कुछ मुद्दे

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित एफटीए सहित तीन समझौतों पर वार्ता पूरी होने में कुछ और समय लग सकता है। दोनों पक्षों को अभी कुछ लंबित मुद्दों को सुलझाना है। चार या पांच मुद्दे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। जिन तीन समझौतों पर बातचीत चल रही है, उनमें मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईटी) और सामाजिक सुरक्षा समझौता शामिल हैं। पिछले हफ्ते लंदन में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बैठक की थी। बैठक के दौरान वार्ता की प्रगति की समीक्षा की गई थी। एक सूत्र ने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। कुछ और बैठकें होंगी। जिन मुद्दों पर कुछ और चर्चा की आवश्यकता हो सकती है, उनमें बीआईटी में सनसेट क्लॉज, ब्रिटेन का नया कार्बन कर और डाटा स्थानीयकरण शामिल हैं। दोनों पक्ष 29 अप्रैल को लंदन में इन वार्ताओं के समापन की घोषणा करने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन अंतिम समय में मतभेद उभर आए। गोयल ने 29 अप्रैल को लंदन की अपनी दो दिवसीय यात्रा पूरी की। इसके बाद उन्होंने दो मई को ओस्लो (नॉर्वे) और ब्रसेल्स का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री राष्ट्रीय राजधानी पहुंच रहे हैं।

केवाईसी सिस्टम को केंद्रीकृत किया जा रहा, सेबी अध्यक्ष बोले- वित्त मंत्रालय कर रहा इस काम में मदद

नई दिल्ली। बाजार नियामक संस्था सेबी, केंद्रीय वित्त मंत्रालय और अन्य बाजार नियामकों के साथ मिलकर केवाईसी सिस्टम को केंद्रीकृत करने की दिशा में काम कर रहा है। सेबी अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने यह जानकारी दी। केंद्रीय KYC एक ऑनलाइन डेटाबेस है जो ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड को केंद्रीकृत तरीके से रखता है, जिसका उद्देश्य वित्तीय संस्थानों में अनुपालन को आसान करना है। सेबी अध्यक्ष ने बताया कि केंद्रीकृत केवाईसी सिस्टम बनाने के लिए काम कर रही समिति की अध्यक्षता वित्त सचिव कर रहे हैं और प्रक्रिया को तेज करने की कोशिश हो रही है। हालांकि उन्होंने इसकी कोई समयसीमा तय नहीं की, लेकिन कहा कि ये जल्द हो जाना चाहिए। उन्होंने केंद्रीकृत केवाईसी सिस्टम की खूबी बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था बहुत प्रभावी रहेगी, जहां एक जगह केवाईसी होगी और वो सभी जगह अपने आप हो जाएगी।

परिवर्तित-जीनोम वाली चावल की किस्में विकसित करने वाला भारत बना पहला देश

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जीनोम में परिवर्तन कर तैयार चावल की दो किस्मों के विकास की घोषणा की। यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। यह वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है। इन नई फसलों के विकास से न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। इससे सिंचाई के पानी की बचत होगी और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण पर दबाव कम होगा। यहां एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित राष्ट्र के लिए भारत का सपना साकार हो रहा है और किसान समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। आज की उपलब्धि स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी। मंत्री ने कहा, आजादी का अमृत

महोत्सव' के दौरान, पीएम मोदी ने किसानों से कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने का आह्वान किया था। उनके शब्दों से प्रेरित होकर, आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) के वैज्ञानिकों ने इन नई किस्मों के निर्माण के साथ कृषि के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं।+ चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले समय में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, पौष्टिक उत्पादन बढ़ाने और भारत तथा दुनिया दोनों के लिए भोजन उपलब्ध कराने की जरूरत है। साथ ही भारत को दुनिया की खाद्य टोकरी बनाने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें गर्व है कि हमारे प्रयासों से सालाना 48,000 करोड़ रुपए के बासमती चावल का निर्यात हुआ है। मंत्री ने सोयाबीन, अरहर, तुअर, मसूर, उड़द, तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए और कदम उठाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

चौहान ने माइनस 5 और प्लस 10 फॉर्मूला भी पेश किया, जिसमें बताया गया कि इसमें चावल की खेती के क्षेत्र को पांच मिलियन हेक्टेयर कम करने के बावजूद चावल का उत्पादन 10 मिलियन टन बढ़ाना शामिल है। इससे दलहन और तिलहन की खेती के लिए जगह खाली हो जाएगी। उन्होंने किसानों, खासकर युवा किसानों से उन्नत खेती तकनीक अपनाने का आग्रह किया। चौहान ने कहा, हमें कृषि अनुसंधान को किसानों तक ले जाने की जरूरत है। जब कृषि वैज्ञानिक और किसान मिलकर काम करेंगे, तो चमत्कार होगा।

तीन करोड़ किराना दुकानों को खतरे में डाल रहे 'डार्क स्टोर', अब सड़कों पर उतरेंगे नौ करोड़

एजेंसी
मुंबई। व्यापारी कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), जो देशभर के 9 करोड़ से अधिक छोटे व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करता है, ने 16 से 18 मई 2025 तक नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक निर्णायक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की घोषणा की है। इसका मकसद विदेशी निवेश वाली ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स कंपनियां, जैसे अमेजन, फ्लिपकार्ट, ब्लिंकिट, स्विगी, इंस्टामार्ट, जेप्टो और अन्य इसी तरह की प्रमुख कॉमर्स कंपनियों की कथित अनैतिक व अवैध प्रथाओं के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन की रणनीति बनाना और उसे सक्रिय करना है। कैट का कहना है कि ये कंपनियां, एफडीआई का दुरुपयोग कर रही हैं तो वहीं नियामक उल्लंघन करने से भी पीछे नहीं हट रही हैं। इन कंपनियों की 'डार्क स्टोर्स' जैसी नीतियां, देशभर में 3 करोड़ से अधिक किराना दुकानों की आजीविका खतरे में डाल रही हैं। इसके चलते देशभर के 9 करोड़ व्यापारी सड़कों पर उतरने की योजना बना रहे हैं। यह विरोध सभी राज्यों में किया जाएगा। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा, इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से 100 से अधिक शीर्ष व्यापारिक नेता भाग लेंगे। उन्होंने ई कॉमर्स कंपनियों पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। कैट का आरोप है कि इन कंपनियों ने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का उपयोग बुनियादी ढांचे के विकास के बजाए घाटे की भरपाई और चुनिंदा विक्रेताओं के माध्यम से गहरी छूट देने के लिए किया है, जो एफडीआई मानदंडों का उल्लंघन है। ये प्लेटफॉर्म 'प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002' का उल्लंघन करते हुए विशेष समझौतों में प्रवेश कर रहे हैं।

सोने के भाव में तेजी, चांदी की घटी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। पिछले कुछ दिन से लगातार गिरावट का सामना करने के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 200 रुपये से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये से लेकर 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,750 रुपये से लेकर 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ने रचा इतिहास, अप्रैल में देश का सबसे तेज़ी से बढ़ता बंदरगाह बना

एजेंसी
कोलकाता। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (एसएमपी), कोलकाता ने अप्रैल 2025 में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए देश का सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला प्रमुख बंदरगाह बनने का गौरव हासिल किया है। अप्रैल महीने में एसएमपी ने 45.32 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए 5.967 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कार्गो का संचालन किया, जबकि अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 4.106 एमएमटी था। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और समुद्री व्यापार में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस उल्लेखनीय प्रदर्शन के बाद एसएमपी कोलकाता ने देश के अन्य प्रमुख बंदरगाहों को पीछे छोड़ दिया है। एसएमपी के अध्यक्ष रथेंद्र रमन ने इस उपलब्धि के लिए अपनी टीम की प्रतिबद्धता और मेहनत को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, यह सफलता हमारे एसएमपी परिवार की अटूट प्रतिबद्धता और दक्षता का परिणाम है। मैं बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके मार्गदर्शन और

सहयोग ने इस वृद्धि को संभव बनाया। मैं सभी हितधारकों, पोर्ट यूजर्स और अपनी पूरी टीम का हृदय से धन्यवाद करता हूं। एसएमपी कोलकाता के अंतर्गत दो डॉक सिस्टम हैं - हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (एचडीसी) और कोलकाता डॉक सिस्टम (केडीएस)। अप्रैल 2025 में एचडीसी ने 4.363 एमएमटी कार्गो का संचालन किया, जो अप्रैल 2024 में 2.993 एमएमटी था। यह 45.77 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं केडीएस ने अप्रैल 2025 में 1.604 एमएमटी कार्गो संभाला, जबकि अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 1.113 एमएमटी था, जो करीब 44.12 प्रतिशत की वृद्धि है। कार्गो हैंडलिंग में यह उछाल विभिन्न वस्तुओं के तेज़ी से बढ़ते संचालन के कारण हुआ। अप्रैल 2025 में एसएमपी कोलकाता ने कुल 75,716 टीईयू (ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) कंटेनर हैंडल किए, जिनमें से 62,021 टीईयू केडीएस और 13,695 टीईयू एचडीसी में संभाले गए।

निर्मला सीतारमण करेंगी एडीबी की वार्षिक बैठक में भारत का नेतृत्व

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह बैठक 4 से 7 मई तक इटली के मिलान शहर में आयोजित की जा रही है। निर्मला सीतारमण इस बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के अधिकारियों के भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। इसमें एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडल और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के अधिकारी भाग लेंगे वित्त मंत्री बैठक के मुख्य सत्रों में हिस्सा लेंगी। वे गवर्नर्स के बिजनेस सेशन और

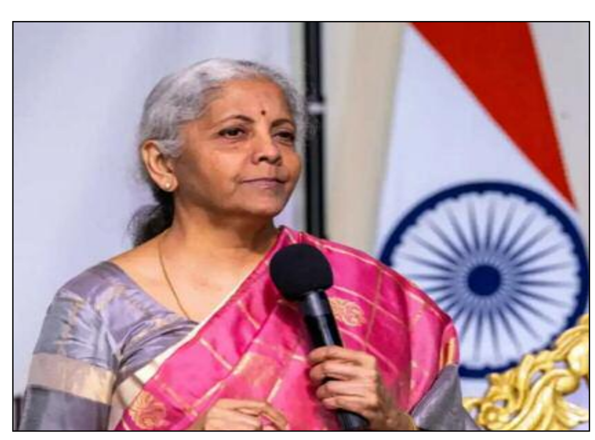

गवर्नर्स प्लेनरी सेशन में भाग लेंगी। इसके अलावा वे भविष्य के लचीलेपन के लिए सीमा पार सहयोग विषय पर गवर्नर्स सेमिनार में पैनलिस्ट के रूप में शामिल होंगी। बैठक के दौरान निर्मला सीतारमण एडीबी के अध्यक्ष से द्विपक्षीय बातचीत करेंगी। वे आईएफएडी के अध्यक्ष और जेबीआईसी के गवर्नर से भी मुलाकात करेंगी। इसके अलावा वे इटली, जापान और भूटान के वित्त मंत्रियों के साथ भी बैठक करेंगी। मिलान प्रवास के दौरान वे भारतीय समुदाय से संवाद करेंगी। वे वैश्विक थिंक-टैंकों, व्यापारिक नेताओं और प्रमुख सीईओ से भी मुलाकात करेंगी। वित्त मंत्री बोकोनी विश्वविद्यालय में आर्थिक और जलवायु लचीलेपन में संतुलन विषय पर आयोजित नेक्स्ट मिलान फोरम के पूर्ण सत्र में भी भाग लेंगी। इस दौरे से भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारत की उदार नीति फार्मा, वाहन व पर्यटन बना वैश्विक निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य; एफडीआई से खुले नए

एजेंसी
नयी दिल्ली। अवसर डेलॉय के अनुसार, भारत ने बीमा, बीमा मध्यस्थ, पर्यटन निर्माण, अस्पताल और चिकित्सा उपकरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित अधिकांश क्षेत्रों में स्वतः मंजूर मार्ग के तहत 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह कदम स्थिरता का संकेत देता है, जो वैश्विक निवेशकों को भारत की विशाल और बढ़ती अर्थव्यवस्था में उतरने के लिए एक बेहतर अवसर प्रदान करता है। 70 अरब डॉलर की राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन और 100 से अधिक शहरों में औद्योगिक गलियारे के विकास के समर्थन से भारत वैश्विक निवेशकों को निवेश के लिए तैयार क्षेत्र प्रदान कर रहा है। पर्यटन (जीडीपी में 199.6 अरब डॉलर से अधिक का योगदान) और आतिथ्य जैसे क्षेत्र अब होटल और मनोरंजन सुविधाओं के निर्माण में 100 प्रतिशत एफडीआई की मंजूरी देते हैं। इससे पारदर्शी और स्थिर निवेश स्थल के रूप में भारत की छवि और मजबूत होती है। रिपोर्ट के अनुसार, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और एफडीआई उदारीकरण से लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और शहरी विकास में अभूतपूर्व अवसर पैदा हो रहे हैं। कुल मिलाकर, पिछले वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान देश में एफडीआई 27 प्रतिशत बढ़कर 40.67 अरब डॉलर हो गया।2023-24 की समान अवधि में यह 32 अरब डॉलर था। इसके अलावा, भारत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों के माध्यम से वैश्विक वाणिज्य में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है।

साप्ताहिक शेयर समीक्षाः लगातार तीसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा शेयर बाजार

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बावजूद साप्ताहिक आधार पर मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। ये लगातार तीसरा सप्ताह है, जब शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा है। माना जा रहा है कि ग्लोबल मार्केट में बने पॉजिटिव सेंटीमेंट्स, टैरिफ वॉर में नरमी आने के संकेत, रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन, कंपनियों के मिले-जुले नतीजे और विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी के कारण घरेलू शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर करीब 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। 2 मई यानी खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में बीएसई का सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 1,289.46 अंक यानी 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80,501.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 307.35 अंक यानी 1.2 प्रतिशत उछल कर 24,346.70 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। मासिक आधार पर देखा जाए तो सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लगभग 3.5 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। 28 अप्रैल से 2 मई तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स करीब 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, मारुति सुजुकी इंडिया और डीएलएफ के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर श्रीराम फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील, अडाणी पावर, श्रीसीमेंट्स, एवेन्यू सुपरमार्ट्स, स्विगी, बजाज फिनसर्व, मैनकाइंड फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडस टावर्स और वारी एनर्जीज के शेयर लार्ज कैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया, विशाल मेगा मार्ट, स्कैफ्लर इंडिया, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, सोना बीएलडब्लू प्रेसीजन फोर्जिंग्स और प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स टॉप गेनर की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर फिनिक्स मिल्स, टाटा टेक्नोलॉजीज, पतंजलि फूड्स, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी, थर्मेक्स और वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम) मिड कैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप और मिडकैप के विपरीत बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स ने पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 1.3 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया। इस इंडेक्स में शामिल पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज, गो फैशन इंडिया, स्पोर्ट किंग इंडिया, प्राइम फोकस, सोनाटा सॉफ्टवेयर, बार्बेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी, गार्डनरिच शिपबिल्डर्स एंड इंजिनियर्स, क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज और जायसवाल निको इंडस्ट्रीज के शेयरों में 15 से 29 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई।

'बर्बाद होने जा रही मुद्रा पर कभी दांव नहीं लगाऊंगा', वॉरेन बफेट की डॉलर पर चेतावनी

एजेंसी
वाशिंगटन। बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन और सीईओ वॉरेन बफेट ने डॉलर को लेकर चेतावनी दी। बफेट ने कहा कि मैं कभी भी ऐसी मुद्रा पर दांव नहीं लगाऊंगा जिसके बर्बाद होने का खतरा हो। वार्षिक शेयरधारक बैठक में बफेट ने वैश्विक मामलों और व्यापार को लेकर शेयरधारकों और निवेशकों से बात की। इस बैठक में उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति की भी घोषणा की। वॉरेन ने कहा कि मैं ऐसी मुद्रा पर कभी दांव नहीं लगाऊंगा, जिसके बर्बाद होने का खतरा हो। मौजूदा स्थितियों को देखते हुए वॉरेन का मानना है कि आने वाले वक्त में डॉलर बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संतुलित व्यापार पूरे विश्व के लिए अच्छा है। व्यापार जितना संतुलित होगा, उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार को कभी हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। व्यापार युद्ध का एक कार्य हो सकता है। लेकिन अमेरिका में इसे लेकर जो रवैया पैदा हुआ है, उसे देखने की जरूरत है। वॉरेन बफेट ने कहा कि हम एक समृद्ध विश्व चाहते हैं। आठ देशों के पास परमाणु हथियार हैं, जिनमें से कुछ काफी अस्थिर हैं, मुझे नहीं लगता कि ऐसी दुनिया की रचना करना एक अच्छा है, जहां कुछ देश कहें कि हम जीत गए। विश्व जितना अधिक समृद्ध होगा, यह हमारी कीमत पर नहीं होगा। हम उतने ही अधिक समृद्ध होंगे और उतना ही अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे।बफेट ने कहा कि अमेरिका में पूंजीवाद ने ऐसी सफलता हासिल की है जैसी हमने पहले कभी नहीं देखी होगी। हम अनसुलझी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों के पैसे से बेवकूफी भरी चीजें करना अपने पैसे से करने से कहीं ज्यादा आसान है। यह सरकार की भी समस्याएं हैं। हम इसे निजी उद्यम के पास नहीं लाना चाहते। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए शर्म आ रही है कि टिम कुक ने बर्कशायर को उससे कहीं अधिक धन कमाया है जितना मैंने बर्कशायर हैथवे को कमाया है। हम बड़ी मंदी से गुजरे हैं, हम विश्व युद्धों से गुजरे हैं, हम परमाणु बम के विकास से गुजरे हैं, जिसके बारे में हमने मेरे जन्म के समय कभी सपने में भी नहीं सोचा था, इसलिए मैं इस तथ्य से निराश नहीं हूं कि ऐसा नहीं लगता कि हमने सभी समस्याओं का समाधान कर लिया है।

'चीन से सामान आयात कर यूएस भेजा तो देना पड़ेगा भारी टैक्स'

एजेंसी
नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने भारतीय निर्यातकों को सख्त चेतावनी दी है कि अमेरिका को माल भेजते वक्त वहां के रूल्स ऑफ ओरिजिन (उत्पत्ति के नियम) का पूरी तरह पालन करें। मंत्रालय ने कहा कि अगर चीन जैसे उच्च-शुल्क

वाले देशों से उत्पाद खरीदकर पर्याप्त मूल्य संवर्धन के बगैर भारत से अमेरिका भेजा गया, तो इसे ट्रांसशिपमेंट माना जाएगा। ट्रांसशिपमेंट एक देश से उत्पादों को खुद के देश में आयात करने और फिर इसे आमतौर पर बगैर खास बदलाव या मूल्य संवर्धन (उत्पाद की कीमत बढ़ाने) के दूसरे देश में निर्यात करने की प्रक्रिया है। मंत्रालय का कहना है कि यह अमेरिका के उत्पत्ति के नियमों के खिलाफ है। इससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है और उन पर भारी टैक्स या प्रतिबंध लग सकते हैं। मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, इस मामले में मंत्रालय उद्योगों के साथ मिलकर काम करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय निर्यातकों को कोई नुकसान न हो।

टॉप 10 में शामिल 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ की वृद्धि

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 18,740.33 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इनमें बजाज फाइनेंस को सबसे ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और आईटीसी के मार्केट कैप में 2,31,177.30 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। 28 अप्रैल से 2 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 20,755.67 करोड़ रुपये उछल कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़ कर के 10,20,200.69 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,514.78 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 14,73,356.95 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 10,902.31 करोड़ रुपये उछल कर 6,25,668.37 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 2,502.82 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 5,38,294.86 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 1,160.20 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 15,470.50 करोड़ रुपये कम होकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये के स्तर पर और आ गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,985.41 करोड़ रुपये घट कर 5,45,845.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,284.42 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,45,996.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,24,235.76 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,73,356.95 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,45,996.98 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,56,029.91 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,20,200.69 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,14,014.23 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,25,668.37 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,50,726.80 करोड़ रुपये) हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,45,845.29 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,38,294.86 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

शुभमन नहीं, इस एक्टर को डेट कर रहीं

सारा तेंदुलकर

अमिताभ बच्चन की नातिन से कनेक्शन!

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में रहती हैं. कभी बॉलीवुड वाले दोस्तों के साथ पार्टी, तो कभी क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ डेटिंग और बेक्रअप की खबरें. हालांकि, सारा तेंदुलकर किसी भी खबर पर कभी रिएक्शन नहीं देतीं. कुछ वक्त पहले खबर आई कि शुभमन गिल से उनका ब्रेकअप हो गया है. वहीं इसकी वजह टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर को बताया गया. लेकिन एक्ट्रेस तो पहले से ही किसी और को डेट कर रही हैं. खैर, इसी बीच सारा की जिंदगी में नए शख्स की एंट्री हो गई है.जिस बॉलीवुड एक्टर से सारा तेंदुलकर का नाम जुड़ रहा है, वो और कोई नहीं, 'गली बॉय' के एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धांत चतुर्वेदी और सारा तेंदुलकर इस वक्त एक दूसरे के साथ वक्त बिता रहे हैं. साथ ही दोनों को एक दूसरे के करीब आते हुए भी देखा गया है.

क्या सिद्धांत को डेट कर रहीं सारा ?

हाल ही में फिल्मफेयर पर एक रिपोर्ट छपी. इसके मुताबिक, सारा और सिद्धांत चतुर्वेदी की दोस्ती फिलहाल शुरुआती स्टेज पर है. हालांकि, दोनों ही नहीं चाहते की उनके रिश्ते के बारे में किसी को भी कुछ पता लगे. यूं तो सिद्धांत चतुर्वेदी

पहले भी अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रह चुके हैं. उनका नाम अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा से जुड़ा था. सिद्धांत उनकी तस्वीरों पर कमेंट भी करते थे. लेकिन फिर एक दिन अचानक एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया. हालांकि, दोनों साथ वक्त बिताते हुए भी दिख चुके हैं.सिद्धांत चतुर्वेदी अपने करियर में 5 फिल्मों में काम कर चुके हैं.

करिश्मा कपूर या रवीना टंडन? अजय देवगन की दोनों एक्स में किसके पास है सबसे ज्यादा पैसा?

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर अजय देवगन और काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं. अजय ने काजोल से साल 1999 में शादी की थी. दोनों का रिश्ता करीब पांच साल के अफेयर के बाद शादी के मंडप तक पहुंचा था. हालांकि काजोल के प्यार में पड़ने से पहले अजय बॉलीवुड की दो दिग्गज हसीनाओं रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के प्यार में पागल थे.अजय देवगन का अफेयर कभी रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के साथ भी था. उन्होंने दोनों के साथ अफेयर से खूब सुर्खियां बटोरी थीं. लेकिन दोनों एक्ट्रेस के साथ उनका रिश्ता लंबा नहीं टिक पाया. आज हम आपको अजय की इन दोनों एक्स की नेटवर्थ के बारे में बता रहे हैं. आइए जानते हैं कि दोनों में से आखिर कौन सी एक्ट्रेस ज्यादा अमीर हैं ?

करिश्मा कपूर की नेट वर्थ

कपूर खानदान की बेटी करिश्मा कपूर ने सिर्फ 17 साल की उम्र में बॉलीवुड में अभिनय करियर की शुरुआत कर दी थी. रणधीर कपूर और बबीता के घर साल 1974 में जन्मीं करिश्मा के फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1991 में हुई थी. उनकी पहली फिल्म थी 'प्रेम कैदी'. 'साजन चले ससुराल', 'राजा हिन्दुस्तानी', 'हम साथ साथ हैं', 'दुल्हन हम ले जाएंगे', जानवर, 'हसीना मान जाएगी', 'बीवी नंबर 1', 'दिल तो पागल है', 'जुड़वा', 'हीरो नंबर 1', 'जीत', 'राजा बाबू', 'जिगर' और 'अनाड़ी' जैसी बेहतरीन फिल्में दे चुकीं करिश्मा अब फिल्मों में कम ही नजर आती हैं. हालांकि इसके बावजूद वो काफी रईस हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करिश्मा की नेटवर्थ 87 करोड़ रुपये है.

रवीना टंडन की नेट वर्थ

बात अब रवीना की नेटवर्थ की कर लेते हैं. इससे पहले आपको बता दें कि करिश्मा की तरह ही रवीना के फिल्मी करियर की शुरुआत भी साल 1991 में ही हुई थी. उन्होंने फिल्म 'प्रेम कैदी' से डेब्यू किया था जिसमें उनके अपोजिट अहम रोल में सलमान खान नजर आए थे.

रवीना अब भी बॉलीवुड में काम कर रही हैं. अपने 34 साल के करियर में एक्ट्रेस ने 'मोहरा', 'दिलवाले', 'दूल्हे राजा', 'अनाड़ी नंबर वन', 'केजीएफ 2', 'जिद्दी', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' जैसी बेहतरीन फिल्में दी है. अपने लंबे और सफल करियर में खूब शोहरत के साथ ही खूब दौलत कमाने वाली रवीना करीब 166 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं.